मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	27.9	17.0
जमशेदपुर	26.4	18.2
डालटनगंज	27.0	14.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | सोमवार 26 फरवरी 2024 ● फाल्गुन कृष्णपक्ष 02 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 309 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,600
चांदी (किलो)	74,000

ब्रीफ खबरें

मोदी ने कांग्रेस को परिवारवाद पर घेरा

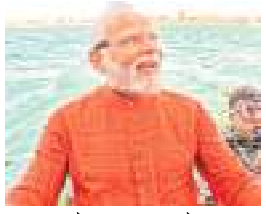

द्वारका। देवभूमि द्वारका में पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर कहा कि उसकी सारी ऊर्जा एक परिवार की प्रगति करने में खर्च की गयी. कांग्रेस शासन में हर तरह के घोटाले होते थे और मेरी सरकार ने 10 साल में इस पर रोक लगा दी है. जिन्होंने लंबे समय तक देश पर शासन किया, उनमें आम जनता को सुविधाएं मुहैया कराने की इच्छा शक्ति, इरादा और समर्पण नहीं था.

पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, 7 की मौत

कौशांबी/लखनऊ। कौशांबी जिले के कोखराज क्षेत्र में रविवार को एक पटाखा फैक्टरी में अज्ञात कारण से विस्फोट हो जाने से सात लोगों की मौत हो गई तथा इतने ही अन्य घायल हो गए. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

कैमूर में सड़क हादसा नौ लोगों की मौत

कैमूर। बिहार के कैमूर में रविवार देर शाम भीषण सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई. वहीं कुछ लोग घायल हो गए. बताया जाता है कि एक अनियंत्रित स्कॉर्पियो कार ने पहले बाइक में टक्कर मारी और फिर खड़े कंटेनर में जा घुसी. हादसे में कार सवार आठ और एक बाइक सवार की मौत हुई है.

सौगात : 24 532 लाभुकों को आवास का मिला स्वीकृति पत्र

वीरों की शहादत न भूले हैं, न कभी भूलेंगे: सीएम

शुभम संदेश टीम। रांची/बरहेट

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा है कि हम अपने वीरों की शहादत न कभी भूले हैं और न कभी भूलेंगे. इनका बलिदान व्यर्थ नहीं होंगे देंगे. झारखंड का नवनिर्माण इस तरह करेंगे, जहां हर व्यक्ति को आगे बढ़ने का मौका होगा. वे रविवार को बरहेट के भोगनाडीह में आयोजित अबुआ आवास योजना के स्वीकृति पत्र वितरण समारोह में बोल रहे थे. मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर साहिबगंज, पाकुड़ और गोड्डा जिला के 24 हजार 5 सौ 32 परिवार को आवास का स्वीकृति पत्र प्रदान किया. जिसमें साहिबगंज के 7911, पाकुड़ के 6649 और गोड्डा जिला के 9972 लाभार्थी हैं. इन सभी के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से पहले किश्त के रूप में 73 करोड़ 59 लाख 60 हजार रुपए की राशि का मुख्यमंत्री ने हस्तांतरण किया.

हमारी योजनाओं से हो रहा सकारात्मक बदलाव : सीएम ने कहा कि सरकार की जो भी योजनाएं और नीतियां है, उसका सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है. आज कोई भी बुजुर्ग, दिव्यांग और विधवा पेंशन से वंचित नहीं है. मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना से शहर और गांव के बीच की कनेक्टिविटी मजबूत हो रही है. फूलो-झानो आशीर्वाद योजना से महिलाओं को सम्मानजनक आजीविका से जोड़ा जा रहा है. 20 लाख हरा राशन कार्ड धारी को मुफ्त अनाज दे रहे हैं. 15 हज़ार किलोमीटर ग्रामीण सड़क बनाने का काम तेज गति से चल रहा है.

जिस घर में शिक्षा का दीया जलेगा, वह कभी अंधेरे में नहीं रहेगा

बरहेट में आयोजित अबुआ आवास योजना कार्यक्रम में सीएम चंपाई सोरेन लाभुकों को स्वीकृति पत्र प्रदान करते हुए.

हेमंत ने राज्य को नई दिशा देने का किया काम

सीएम ने कहा कि हेमंत सोरेन ने अपने कुशल नेतृत्व से राज्य को नई दिशा देने का काम शुरू किया. इस दौरान कोरोना जैसी वैश्विक महामारी का भी सामना करना पड़ा. उन्होंने बेहतर प्रबंधन के जरिए जीवन और जीविका को बचाने का काम किया. इस वैश्विक महामारी से जब राहत मिली तो उन्होंने विकास को गति देनी शुरू की. समाज में बदलाव के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई. आज हम अपने इस पूर्व मुख्यमंत्री की राह पर चलकर उन्हीं की सोच के अनुरूप झारखंड की तकदीर और तस्वीर बदलने का काम कर रहे हैं.

अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंच रही सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि मजबूत समाज और सशक्त राज्य तभी बनेगा, जब हर वर्ग और तबके के व्यक्ति को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा. इसी सोच के साथ हमारी सरकार काम कर रही है. आज समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक सरकार पहुंच रही है. डीसी-एसपी से लेकर बीडीओ-सीओ आपके दरवाजे पर पहुंच कर पूरी संवेदनशीलता के साथ आपकी समस्याओं को सुन कर उसका समाधान कर रहे हैं. मौके पर ही आपको आपकी जरूरत के अनुरूप योजनाओं से जोड़ा जा रहा है. यह सिलसिला निरंतर जारी रहेगा जब तक कि समाज का हर व्यक्ति सशक्त नहीं जाता है.

वर्ष 2027 तक 20 लाख परिवारों का होगा पक्का मकान

अपने बूते 20 लाख गरीबों को तीन कमरे का पक्का मकान देने का निर्णय लिया. अबुआ आवास योजना के तहत 2027 तक सभी को पक्का मकान मिल जाएगा. पहले चरण में 2 लाख लाभुकों को आवास का स्वीकृति पत्र और पहले क़िस्त की राशि दी जा चुकी है और 3 महीने बाद एक साथ नौ लाख लाभुकों को को आवास का स्वीकृति पत्र दिया जाएगा.

दारोगा-इंस्पेक्टर के तबादले में गड़बड़ी

आयोग ने कहाः तुरंत करें ठीक, पुलिस मुख्यालय के ही एक अफसर ने कराई सरकार और विभाग की फजीहत

सौरभ सिंह। रांची

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस विभाग में हुए तबादलों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी पकड़ी गई है. इंस्पेक्टर व दारोगा स्तर के अफसरों का तबादला आयोग के निर्देशानुसार नहीं हुआ है. चुनाव आयोग ने सरकार से कहा है कि इसे तुरंत ठीक करें. क्योंकि 26 फरवरी को 3 बजे तक तबादले से संबंधित आदेश का अनुपालन करके आयोग को भेजना है. कुल मिलाकर पुलिस मुख्यालय के एक अफसर ने ही सरकार और विभाग की फजीहत करवा दी है.

सूत्रों के मुताबिक इस बार हुए तबादले में मुख्यालय के एक अफसर की भूमिका संदिग्ध है. नियमों को ताक पर रख कर सूची तैयार की गयी. जिस पर स्थानांतरण के लिए गठित बोर्ड ने सहमति दे दी. आरोप यह भी है कि तबादले में बड़ा खेल हुआ है. वैसे यह जांच का विषय तो है ही कि पदाधिकारियों के तबादले में बेईमानी क्यों और किसने की. इसका फायदा किसने उठाया.

ना आयोग की परवाह, ना मैनुअल की चिंता : जानकारी के मुताबिक आयोग का निर्देश था कि अफसरों का तबादला इस तरह से किया जाए कि वह जिस लोकसभा क्षेत्र में थे, उससे दूर हो. पुलिस विभाग में भी तबादले का जो नियम है, उसके मुताबिक पदाधिकारियों का तबादला रेंज व जोन स्तर पर होने चाहिए. लेकिन पुलिस मुख्यालय के अफसरों ने पदाधिकारियों का तबादला बगल के जिले में ही कर दिया. कुछ ऐसे भी भी मामले हैं, जिसमें तबादला तो बगल के जिले में किया गया, लेकिन अगर थाना प्रभारी के रूप में पदस्थापन जिस थाना में किया गया, वह पहले के लोकसभा क्षेत्र में आता है. तबादले में गड़बड़ी न हो इसके लिए विभाग ने जिलों को ए, बी, सी, डी में बांट रखा है. इस बार इसे भी नजरअंदाज कर दिया गया. ए ग्रेड से ए ग्रेड के ही जिला में तबादला किया गया. इसके 100 से अधिक उदाहरण हैं.

26 फरवरी को दिन के 3 .00 बजे तक तबादले से संबंधित आदेश का अनुपालन करके आयोग को भेजा जाना है

राज्य भर में होगी परेशानी

पुलिस मुख्यालय ने दारोगा-इंस्पेक्टर की तबादला सूची करीब 15 दिन पहले जारी की थी. लेकिन सरस्वती पूजा के मद्देनजर अधिकांश जिलों के एसपी ने पदाधिकारियों को विरमित नहीं किया. सरस्वती पूजा के बाद पदाधिकारियों को विरमित किया गया. पदाधिकारियों ने नए जिले में योगदान भी दे दिया है. यहां तक कि पदाधिकारियों का पदस्थापन भी जिले के थानों में कर दिया गया है. अब अगर दुबारा तबादला सूची जारी होती है, तो यही प्रक्रिया फिर से लागू करनी होगी. इससे कम से कम हफ्ते भर राज्य भर के पुलिस अफसर परेशान होंगे.

सुधार के लिए आईजी का पत्र

इस बीच पुलिस मुख्यालय के कार्मिक आईजी का एक पत्र सभी जिलों के एसपी को लिखा गया है. उन्होंने निर्देश दिया है कि पुलिस पदाधिकारियों की पोस्टिंग में इस बात का ध्यान रखा जाए कि वह पहले जिस लोकसभा क्षेत्र में थे, उस लोकसभा क्षेत्र के थाने में पोस्टिंग न हो. यह पत्र आयोग की आपत्ति के बाद 24 फरवरी को लिखा गया है. इस पत्र से यह स्पष्ट हो जाता है कि बगल के जिले में तबादले किए गए हैं. अब देखना यह है कि चुनाव आयोग इस पर क्या रुख अख्तियार करता है.

बिजली मीटर का ब्योरा खोलेगा राज

रडार पर आ सकते हैं कई सफेदपोश

रवि भारती। रांची

झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम ने ईडी के नोटिस का जवाब दे दिया है. सीलबंद लिफाफे में वितरण निगम ने ईडी को पूरा ब्योरा सौंप दिया है. ईडी ने वितरण निगम को नेटिस कर पूछा था कि बड़गाईं के एक भूखंड पर दो मीटर लगे हुए हैं, दोनों मीटर किनके नाम से एलॉट हैं.

वितरण निगम के अफसरों ने अब इस पर चुप्पी साध ली है. सूत्रों के अनुसार मीटर हाईप्रोफाइल व्यक्ति के संबंधी के नाम से है. निगम द्वारा भेजे गए ब्योरे से भी कई राज खुल सकते हैं. जानकारी के अनुसार वितरण निगम द्वारा सौंपे गए ब्योरे में जमीन से जुड़े दस्तावेजों की फोटोकॉपी भी लगाई गई है. बताते चलें कि जब भी कोई बिजली का नया कनेक्शन दिया जाता है, तो घर या जमीन के पेपर की फोटोकॉपी के साथ ही साथ होल्डिंग नंबर भी नए कनेक्शन के आवेदन के साथ संलग्न करना जरूरी होता है.

बिजली वितरण निगम ने ईडी को सीलबंद लिफाफे में भेजा है जवाब

ईडी ने पूछा था - किसके नाम पर है बड़गाईं की जमीन पर लगे दो मीटर

अब तक ईडी के पास आ चुकी हैं 350 से अधिक शिकायतें

झारखंड में ईडी के एक्शन के बाद लगातार आईएएस, आईपीएस और राजनेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायतें मिल रही हैं. इस महीने तक ईडी के ग्रीवांस सेल में 350 से अधिक शिकायतें आयी हैं, लेकिन जिन मामलों में शिकायतें प्रिडिकेटिव अफेंस के दायरे में आती हैं, उन मामलों में ईडी अलग से इंफोर्समेंट कंप्लेन इन्क्वायरी रिपोर्ट दर्ज कर सकती है. ईडी जोनल ऑफिस में तीन दर्जन से अधिक केस में अनुसंधान व ट्रायल चल रहे हैं.

अब तक 236 करोड़ की अचल संपत्ति हो चुकी है जब्त

जमीन घोटाले में ईडी अब तक 236 करोड़ की अचल संपत्ति जब्त कर चुकी है. पूर्व में ईडी ने करोड़ों रुपये मूल्य की दो भूमि को अस्थाई रूप से कुर्क किया था, जिसका बाजार मूल्य 74.39 करोड़ रुपये था. इन संपत्तियों में सेना के उपयोग वाली बरियातू मौजा की 4.55 एकड़ जमीन, जिसका बाजार मूल्य 41.51 करोड़ रुपये था व बजरा मौजा की 7.16 एकड़ जमीन, जिसका बाजार मूल्य 32.87 करोड़ रुपये था.

हादसा टला जम्मू से पंजाब जा रही मालगाड़ी बिना ड्राइवर के 84 किमी दौड़ी

चाय पीने उतरा चालक और भाग गई ट्रेन

एजेंसी। पठानकोट

कंक्रीट से लदे 53 कंटेनरों वाली एक मालगाड़ी रविवार सुबह कठुआ से पठानकोट के बीच बिना पायलट के 84 किमी की दूरी तक दौड़ती रही. रेलवे को जब सूचना मिली, तो हड़कंप मच गया. इस दौरान ट्रेन की स्पीड 100 किमी प्रति घंटा थी. जांच में पता चला कि पायलट चाय पीने के लिए उतरा था और इंजन बंद करना भूल गया. ट्रेन को पंजाब के ऊंची बस्सी इलाके में रोका गया. गनीमत रही कि इस दौरान कोई हादसा नहीं हुआ. रेलवे ने घटना की जांच शुरू कर दी है. इसका सोशल मीडिया पर वीडियो भी सामने आया है.

मंडल यातायात प्रबंधक, प्रतीक श्रीवास्तव ने कहा, ऊंची बस्सी में ट्रेन को रोकने के लिए अपने कर्मियों को सतर्क करना पड़ा. उन्होंने कहा, दोषी पाए जाने पर लोको पायलट पर सख्त कार्रवाई होगी. उच्च स्तरीय जांच के भी आदेश दिए हैं. उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि मालगाड़ी बिना लोको पायलट के थी.

100 किमी की स्पीड से दौड़ती रही ट्रेन

पठानकोट की ओर ढलान होने से ट्रेन अपने आप चलने लगी और धीरे-धीरे 100 किमी प्रति घंटे की गति पकड़ ली. लोको पायलट इंजन पर क्यों नहीं था और ट्रेन खुद कैसे चलने लगी, इन सभी पहलुओं की जांच हो रही है. रेलवे ने ट्रेन को रोकने के लिए हर संभव प्रयास किया. सभी स्टेशनों को सतर्क किया और पूरे स्टाफ को तैनात कर दिया. ट्रेन को किसी भी दुर्घटना से बचाने और उसे सुरक्षित पड़ाव पर लाने के लिए एक रेल ट्रैक तैयार किया गया. हम सफल हुए और ट्रेन को आखिरकार मुकेरियां के उच्छी बस्सी में रोक दिया गया.

सुबह की चाय पीने के लिए उतरा था पायलट

पता चला है कि ड्राइवर कठुआ स्टेशन पर चाय पीने के लिए उतरा और हैंडब्रेक खींचना भूल गया. घटना सुबह 7.10 बजे की है. जब ड्राइवर चाय के लिए रुका तो इंजन चालू था. मालगाड़ी को तेजी से दौड़ते हुए दिखानेवाला वीडियो भी सोशल साइट्स पर वायरल है. मालगाड़ी का नंबर था-14806आर.

भाजपा का मिशन 2024

14 सीटों पर दिख सकते हैं आठ नए चेहरे

विधायक होंगे प्रमोट, साइडलाइन हो सकते हेवीवेट!

रवि भारती। रांची

लोकसभा चुनाव में झारखंड भाजपा में भी टिकट को लेकर मंथन जारी है. किसकी उम्मीदवारी बचेगी, किसका टिकट कटेगा, इस पर चर्चा तेज हो गई है. उम्मीदवारी को लेकर भाजपा के शीर्ष नेता मंथन भी कर रहे हैं. चर्चा है कि लोकसभा चुनाव के लिए कई विधायकों को प्रमोट किया जा सकता हैं. झारखंड की 14 लोकसभा सीटों में आठ पर भाजपा नए चेहरों को मौका दे सकती है. इसमें रांची से नवीन जायसवाल और प्रदीप वर्मा का नाम सामने आ रहा है. वहीं बोकारो विधायक विरंची नारायण व धनबाद विधायक राज सिन्हा धनबाद के लिए रेस में बताये जा रहे हैं. भाजपा टिकट देने के लिए कार्यकर्ताओं का फीडबैक व स्वतंत्र एजेंसी की भी सलाह ले रही है. चर्चा है कि भाजपा गोड्डा, खूंटी, हजारीबाग सीट से प्रत्याशी में बदलाव नहीं कर सकती है.

राजमहल और सिंहभूम सीट पर नजर : 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा राजमहल और सिंहभूम लोकसभा सीट पर कब्जा करने में असफल रही थी. ऐसे में इन दोनों सीटों पर भाजपा का विशेष ध्यान है.

नवीन जायसवाल, प्रदीप वर्मा, राज सिन्हा, विरंची नारायण भी ठोंक रहे दावेदारी

रांची से प्रदीप और नवीन जायसवाल का नाम

रांची सीट से प्रदीप वर्मा और नवीन जायसवाल का नाम सामने आ रहा है. इस सीट लेकर कई तरह की चर्चाएं सामने आ रही हैं. अभी इस सीट के लिए प्रदीप वर्मा का नाम सबसे आगे चल रहा है. प्रदीप वर्मा कई आयोजनों पर होर्डिंग- पोस्टर लगा जनता को बधाई शुभकामनाएं दे रहे हैं.

धनबाद में राज सिन्हा और विरंची की दावेदारी

धनबाद में भाजपा सांसद पीएन सिंह की जगह विधायक राज सिन्हा और विरंची नारायण की दावेदारी की बात सामने आ रही हैं. पहले सरयू राय का नाम सामने आ रहा था. सरयू राय ने दिल्ली में पिछले दिनों बाबूलाल मरांडी से व भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात भी की थी.

पलामू में भी चेंज संभव

पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम को लेकर पार्टी के अंदर कई तरह की चर्चा हो रही है. पार्टी के कुछ नेताओं का मानना है कि नौकरशाह से सांसद बने विष्णु दयाल राम की छवि आज भी क्षेत्र में एक आईपीएस अधिकारी के रूप में ज्यादा नजर आती है, आम कार्यकर्ताओं को उनके सामने अपनी बात रखने में झिझक होती है. पलामू में भाजपा को राजद की चुनौती का सामना करना पड़ सकता है. इस सुरक्षित सीट पर पार्टी किसी अन्य दलित चेहरे को सामने ला सकती है. वीडी राम दो बार सांसद रह चुके हैं और उनकी उम्र भी 70 साल पार कर चुकी है.

अन्नपूर्णा देवी ओबीसी चेहरा रहेंगी या बदलाव होगा?

दूसरी चर्चा केंद्रीय मंत्री और कोडरमा की बीजेपी सांसद अन्नपूर्णा देवी को लेकर है. अन्नपूर्णा देवी को भाजपा ने राज्य में ओबीसी चेहरा के रूप में सामने रखते हुए मतदाताओं को संदेश देने का प्रयास किया. उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल में भी मौका दिया, लेकिन पार्टी के अंदर ही एक गुट उनके खिलाफ लगातार सक्रिय है. ऐसे में अन्नपूर्णा देवी वर्ष 2024 के चुनाव में भी ओबीसी चेहरा बनीं रहेंगी या बदलाव होगा, इसको लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं.

किसकी बचेगी उम्मीदवारी- किसका कटेगा टिकट?

चतरा में सुनील सिंह को लेकर असमंजस की स्थिति

चतरा से मौजूदा सांसद सुनील सिंह को 2019 में भी टिकट लेने के लिए स्थानीय स्तर पर विरोध का सामना करना पड़ा था. इसबार फिर से उनकी राह मुश्किल लग रही है. हालांकि चतरा लोकसभा सीट क्षेत्र से सुनील कुमार सिंह लगातार दो बार चुनाव जीतने में सफल रहे हैं. लोकसभा टिकट की दावेदारी करते रहे चतरा लोकसभा क्षेत्र से एनसीपी के विधायक कमलेश सिंह टिकट की प्रत्याशा में हैं.

खूंटी सीट पर अर्जुन मुंडा की दावेदारी

खूंटी लोकसभा सीट से केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा फिर से चुनाव लड़ेंगे. हालांकि जिस तरह से कुरमी जाति को एसटी में शामिल करने को लेकर अर्जुन मुंडा का बयान आया था, उससे कुरमी समुदाय में नाराजगी की बात भी सामने आ रही हैं.

हजारीबाग सीट पर आजसू की भी दिलचस्पी

साल 2019 के चुनाव में बीजेपी ने अपने सहयोगी दल आजसू पार्टी के लिए गिरिडीह सीट छोड़ी थी, लेकिन इस बार आजसू पार्टी सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी गिरिडीह की जगह हजारीबाग सीट से चुनाव लड़ना चाहते हैं. चंद्रप्रकाश चौधरी हजारीबाग लोकसभा सीट के तहत आने वाले रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र का तीन बार प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और इस बार उपचुनाव में उनकी पत्नी विधायक चुनी गई हैं.

बढ़ सकती हैं सुनील सोरेन की मुश्किलें

दुमका से भाजपा सांसद का टिकट उनके परफॉरमेंस के कारण खतरे में पड़ने की संभावना जताई जा रही है. पार्टी के अंदर चर्चा है कि दुमका के सांसद सुनील सोरेन की मुश्किलें बढ़ सकती हैं. उनकी लोकप्रियता का ग्राफ बढ़ा है या नहीं, इसका आकलन पार्टी नेतृत्व की ओर से किया जा रहा है.

जमशेदपुर सीट पर भी बदलाव की संभावना

जमशेदपुर सीट में भी बदलाव की संभावना जताई जा रही है. जमशेदपुर से सांसद विद्युत वरण महतो की जगह उनके बेटे भी भाजपा से टिकट के दावेदार हैं. वहां से पार्टी किसी अन्य कुर्मी चेहरे पर दांव लगा सकती है.

लोहरदगा में आशा लकड़ा या अरुण उरांव

लोहरदगा लोकसभा सीट से लगातार दो बार विजयी रहे सुदर्शन भगत आलाकमान के गुडबुक में हैं. लोहरदगा सीट पर सांसद सुदर्शन भगत की छवि तो स्वच्छ है, लेकिन वहां एंटी एनकंबेंसी का प्रभाव है. यहां से प्रत्याशी बदले, तो भाजपा की राष्ट्रीय सचिव आशा लकड़ा या पूर्व आईपीएस अरुण उरांव वहां से दावेदार हो सकते हैं.

झारखंड एक्सप्लोरेशन एंड माइनिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड को जिम्मेवारी

नए सिरे से राज्य में खनिजों का लगाया जाएगा पता

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में 1000 करोड़ की कंपनी जेईएमसीएल (झारखंड एक्सप्लोरेशन एंड माइनिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड) को खनिजों का पता लगाने और खनन गतिविधि को आगे बढ़ाने की जिम्मेवारी मिली है. अब जेईएमसीएल ने राज्य में खनन गतिविधि को आगे बढ़ाने और खनिजों का पता करने के लिए एजेंसी चयन का टेंडर जारी कर दिया है. टेंडर 12 मार्च को खुलेगा. यह कंपनी राज्यभर में लौह अयस्क, कोयला, तांबा, बॉक्साइट, सोना सहित अन्य खनिजों का पता लगाएगी.

खनिज अन्वेषण के लिए खरीदा जाएगा सॉफ्टफेयर : डिफरेंशियल ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम के लिए नई आर्कजीआईएस सॉफ्टवेयर पैकेज खरीदा जाएगा. इसके लिए भी टेंडर जारी कर दिया गया है. इस सॉफ्टवेयर के जरिये भू-वैज्ञानिक मैपिंग के साथ अन्वेषण रिपोर्ट और खनन योजनाएं तैयार करेंगे. इसकी तैयारी के लिए, एक उपयोगकर्ता के अनुकूल खनन सॉफ्टवेयर है.

एक दर्जन से अधिक जिलों के 18 जगहों पर होगी मैपिंग : एक दर्जन से अधिक जिलों के 18 जगहों पर मैपिंग करेगा. साथ ही अन्वेषण का काम भी शुरू होगा. पश्चिमी सिंहभूम के बलजोरी और कुमिरत में लौह अयस्क के लिए 60 वर्ग किलोमीटर में भू-तात्विक मानचित्र तैयार किया जाएगा. पूर्वी सिंहभूम के बोड़ाम प्रखंड के पहाड़पुर में दो वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में मैगनीज के अन्वेषण का काम होगा. पलामू के सतबरवा के रेवारातू में एक वर्ग किलोमीटर दायरे में ग्रेफाइट की खोज की जाएगी.

1000 करोड़ की कंपनी जेईएमसीएल ने जारी किया टेंडर

12 मार्च को खुलेगा टेंडर जेईएमसीएल को दी गई है बड़ी जिम्मेवारी

क्या है योजना

1. मौजूदा भंडार-संसाधनों को बढ़ाने और खनिजों विशेष रूप से लोहा, बॉक्साइट, मैंगनीज, चूना पत्थर, आधार धातु, दुर्दम्य चट्टानों के नए भंडार की खोज
2. आयरन बॉक्साइट, मैंगनीज आदि जैसे परिवर्तित थ्रस्ट होल्ड वैल्यू वाले खनिजों के भंडार का पुनर्मूल्यांकन किया जाना
3. निदेशालय अपने उद्देश्यों को समय पर प्राप्त करने के लिए निजी क्षेत्रों को पूर्वेक्षण और अन्वेषण की सेवाएं भी प्रदान करता है
4. खनिज के छोटे भंडारों को भी क्लस्टर खनन की सुविधा के लिए तलाशना
5. मौजूद संसाधनों की पहचान और मूल्यांकन करना है, संसाधनों की पहचान जरूरी है
6. खनिजों की ग्रेड-वार सूची विकसित करने का प्रयास किया जाना

किस खनिज का कहां होगा अन्वेषण का काम

खनिज का का नाम	अन्वेषण का स्थान जिला
बॉक्साइट	जोजीपट ,लोदापट, हेथीलोधा गुमला
बॉक्साइट	सेंरेंगदाग लोहरदगा
लाइम	स्टोन चौकीटांड, बभने रांची
पाइरोक्सनाइट	परसागोरा, सोबराडीह पूर्वी सिंहभूम
मैंगनीज	पहाड़पुर पूर्वी सिंहभूम
आयरनओर	इतरबालजोरी, कुमरिता पश्चिमी सिंहभूम
डोलोमाइट	खुदिया गढ़वा
ग्रेफाइट	रेवारातू पलामू
क्वाट्र्ज	देवीपुर देवघर
क्वाट्र्ज	जामताड़ा जामताड़ा

रांची में चूना पत्थर और डोलामाइट

रांची के बभने, डीहवाटोली और चौकीटांड में चूना पत्थर और डोलामाइड के अन्वेषण का काम होगा. इसके इलावा गढ़वा के धुरकी प्रखंड में चूना पत्थर और डोलामाइट की खोज की जाएगी. गोड्डा के पोड़ैयाहाट और लातेहार के बालूमाथ और जामताड़ा में क्वार्टज का अन्वेषण किया जाएगा. लोहरदगा के सेंरेनदगा में बॉक्साइट के अन्वेषण का काम होगा. इसके अलावा डाइड्रोलॉजिकल स्टडीज, रांची, सरायकेला-खरसांवा और पूर्वी सिंहभूम में किया जाएगा.

विभिन्न दलों के 3000 कार्यकर्ताओं ने थामा झामुमो का दामन

केंद्र के खिलाफ जनआंदोलन शुरू : सीएम

विशेष संवाददाता। रांची

रविवार को मुख्यमंत्री आवास में झामुमो का मिलन समारोह आयोजित हुआ. इसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों और दलों के करीब 3 हजार युवाओं और महिलाओं ने झामुमो का दामन थामा. इस दौरान सभी ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन और हेमंत सोरेन के नेतृत्व के प्रति आस्था व्यक्त की. साथ ही मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के समक्ष झामुमो रांची जिलाध्यक्ष मुश्ताक आलम के नेतृत्व में सभी ने झामुमो का दामन थामा.

इस दौरान सीएम चंपाई सोरेन ने सभी को पार्टी का पट्टा पहनाकर पार्टी मे स्वागत किया. साथ ही मौके पर कहा आंदोलनकारियों की बदौलत हमें यह झारखंड राज्य मिला है और जिस तरीके से हमारे युवा मुख्यमंत्री के तौर पर हेमंत सोरेन कार्य कर रहे थे, सुदूर गांव में भी हर एक घर तक योजना पहुंचने का काम कर रहे थे और इसी को देखते हुए केंद्र की भाजपा सरकार ने साजिश के तहत उनको जेल भेजने का काम किया है. आज यह मिलन समारोह एक जन आंदोलन की शुरुआत है...आने वाले दिनों में यह बड़ा रूप लेगा.

युवाओं की बदौलत आने वाले दिनों में बड़ा आंदोलन : चंपाई सोरेन

मौके पर उपस्थित पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडे ने भी युवाओं को पार्टी का पट्टा पहनाकर स्वागत किया. उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में नए सदस्यों के साथ भी पार्टी हर एक हर स्तर पर केंद्र सरकार की तानाशाही के विरोध में लोगों को जागरूक करने का काम करेगी. झामुमो रांची जिला अध्यक्ष मुश्ताक आलम ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने जिस तरीके से हमारे युवा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रताड़ित कर जेल भेजने का काम किया है. आने वाले दिनों में यह सिलसिला जारी रहेगा. हम निरंतर लोगों को पार्टी से जोड़कर झारखंड की जनता के हित में आवाज को बुलंद करेंगे. समारोह में मुख्य रूप से राज्यसभा सांसद डॉ महुआ मांझी, केंद्रीय सदस्य सुशीला एक्का, जिला उपाध्यक्ष अश्वनी शर्मा, कलाम आजाद, रामानंद बेड़िया, रामशरण तिर्की, डॉ तालकेश्वर महतो, जिला प्रवक्ता अरविन्द सिंह देवल, बबलू राम आदि उपस्थित रहे.

झापा, आदिवासी सेवा के कई युवा पार्टी में हुए शामिल

पार्टी में सदस्यता ग्रहण करने वालों मे मुख्य रूप से आदिवासी सेना के अलविन लकड़ा, विकास तिर्की, अमरनाथ लकड़ा, झापा के अंशु लकड़ा, बचन उरांव, योगेश भगत, झारखंड क्रिश्चियन यूथ एसोसिएशन के शशि टुटी, रामकुमार नायक, दीपक लकड़ा, आजसू के लक्ष्मी बैठा, अनिता टोप्पो, महताब अंसारी, अबुतालीब अंसारी, मोहसिन अख़्तर, फिरोज अंसारी, मुंतीजीर ख़ान, निशांत कच्छप, पवन तिग्गा, रश्मि टोप्पो आदि शामिल हुए.

सम्मेलन हेमंत ने आउटसोर्स खत्म करने का किया था वादा, चंपाई सरकार पूरा करे

अजय राय बने श्रमिक संघ के केंद्रीय अध्यक्ष

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ का रविवार को रांची प्रेस क्लब में राज्यस्तरीय सम्मेलन हुआ. इसमें पिछले कमेटी को भंग कर सत्र 2024-2026 के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक कुमार शुक्ला, राजेश रंजन, केके पंडा की देखरेख में अध्यक्ष का चुनाव हुआ. इसमें सर्वसम्मति अजय राय को अध्यक्ष चुना गया. साथ ही उनको पूरी कमेटी बनाने के लिए अधिकृत किया गया. अजय राय ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पिछले चुनाव के दौरान आउटसोर्स खत्म करने का वादा किया था. अब चंपाई सोरेन सरकार को उस वादा को पूरा करना चाहिए. सम्मेलन के पूर्व एक जुलूस भी निकाला गया.

क्या हैं संघ की प्रमुख मांगें

- झारखंड ऊर्जा विकास निगम की ओर से आने वाली बहाली में वर्तमान विद्युतकर्मियों के लिए प्राथमिकता तय हो.
- न्यायालय के आदेश के तहत 10 वर्ष तक लगातार ऊर्जा निगम अंदर के अंदर सेवा देने वाले विद्युतकर्मियों का सीधा समायोजन हो.
- आउटसोर्सिंग प्रथा खत्म कर 2017 से पूर्व की व्यवस्था ऊर्जा निगम मानव दिवस कर्मियों के लिए बहाल करें.
- समान काम के बदले समान वेतनमान दिया जाए.
- पारा शिक्षकों की तर्ज पर विद्युतकर्मियों की उम्र सीमा 60 वर्ष की जाए.
- नियमित कर्मचारियों की डिज्नेसन मैपिंग की जाए.
- हजारीबाग सर्किल में डिज्नेसन मैपिंग के नाम पर घिनौना मजाक विभाग द्वारा नियमित कर्मचारियों के साथ किया गया, जिसकी उच्चस्तरीय जांच हो और दोषी पर कार्रवाई की जाए.

CLASSIFIED

शुभम संदेश

तापमान
25.6° अधिकतम | 14.3° न्यूनतम

एक राज्य - एक अखबार

सोमवार 26 फरवरी 2024 ● फाल्गुन कृष्णपक्ष 02 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 309 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

रांची टेस्ट

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीत से 152 रन दूर भारत

शुभम किशोर। रांची

राजधानी के जेएससीए में खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच के तीसरे दिन भारत ने इंग्लैंड पर शिकंजा कस लिया है. भारत को जीत के लिए 192 रनों का लक्ष्य मिला. रविवार को तीसरे दिन के खेल की समाप्ति तक भारत ने बिना विकेट खोए 40 रन बना लिए है. कप्तान रोहित शर्मा 24 व यशस्वी 16 रन बना कर नाबाद क्रीज पर हैं. तीसरे दिन भारत की पारी लंच से ठीक पहले 307 रन पर ऑलआउट हुई. इंग्लैंड को पहली पारी में 46 रनों की बढ़त मिली. भारत की ओर से विकेट कीपर ध्रुव जुरेल ने 90 रन की शानदार पारी खेली. उन्होंने कुलदीप यादव (28) के साथ 76 रनों की अहम साझेदारी की. इंग्लैंड के शोएब बशीर ने आकाशदीप को आउट कर अपना 5वां विकेट पूरा किया.

दूसरी पारी में इंग्लैंड ने भारतीय स्पिनरों के सामने घुटने टेक दिए. इंग्लैंड दूसरी पारी में 53.5 ओवर में 145 रन बनाकर ढेर हो गई.

स्पिनरों के दम पर भारत ने कसा शिकंजा

- तीसरे दिन स्टंप्स तक स्कोर 40/0, इंग्लैंड दूसरी पारी में 145 रन पर ऑलआउट
- **विकेटकीपर ध्रुव जुरेल ने बनाए 90 रन, धौनी की दिलाई याद**
- इंग्लैंड के शोएब बशीर 5 विकेट लेने वाले दूसरे सबसे युवा विदेशी गेंदबाज
- **सीरीज जीतने से महज 152 रन दूर भारत, जीत की है उम्मीद**
- पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में अभी 2-1 से आगे है भारत

धौनी से मिलने के बाद नहीं खरीदना पड़ा टिकट

रांची। भारत में क्रिकेट टीम के और महेंद्र सिंह धौनी के करोड़ों फैन हैं. उनमें से एक हैं राम बाबू का. जिनपर धौनी का रंग इस कदर चढ़ा कि वो धौनी और टीम का हौसला बढ़ाने देश से विदेश तक पहुंच जाते हैं. अपने फेस और बॉडी पर तिरंगे का पेंट लगाए धौनी का नाम अपने शरीर पर लिखवा कर मैच देखने पहुंचते हैं रामबाबू. मोहाली के 38 साल के रामबाबू ने खास बातचीत में बताया कि धौनी के प्रति दीवानगी के 16 साल हो चुके हैं. 2006-07 से वो स्टेडियम में मैच देख रहे हैं. उस समय भारतीय टीम के कप्तान धौनी थे. उसके बाद जो भी मैच भारत में या विदेश में हुए सभी में रामबाबू अपने अनोखे अवतार में भारत को सपोर्ट करने पहुंचते रहे. उन्होंने बताया के लगभग 300 मैच उनके पूरे होने वाले हैं. उन्होंने बताया कि 2011 में धौनी से मुलाकात के पहले टिकट खुद से लेना पड़ता था. लेकिन धौनी से मुलाकात के बाद उन्हें मैच के फ्री पास मिलने लगे, या फिर धौनी उनके लिए टिकट भेजवा दिया करते थे. धीरे-धीरे उनके ट्रैवल को भी स्पॉन्सर मिलने लगे. और जब स्पॉन्सर नहीं होता, तब उनके दोस्त रहने का इंतजाम कर देते हैं. घर वालों से मिलने का कम ही समय मिलता है. जब चंडीगढ़ के आस पास मैच होता है, तो वो घर जरूर जाते हैं. उन्होंने बताया कि इस सफर में घरवालों का पूरा सपोर्ट है. उन्होंने बताया कि मेरे लिए भारतीय टीम पहले है, बाद में मेरा घर आता है. उन्होंने कहा कि मेरा जो भी फैन बेस है, वो सब धौनी के चलते है. टीम इंडिया का सपोर्ट धौनी का नाम लेकर ही करते हैं. जो भी जीवन है वो धौनी के नाम से ही चलता रहेगा. रामबाबू ने धौनी को आगामी आईपीएल के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा इस दौरान वो सीएसके और धौनी को सपोर्ट करते दिखेंगे.

300 मैच देखना चाहते हैं राम बाबू

मोरहाबादी में टोटेमिक कुरमी/कुड़मी हुंकार महारैली

जो कुड़मी की बात करेगा वही झारखंड में राज करेगा

संवाददाता। रांची

कुरमी/ कुड़मी समाज को एसटी में सूचीबद्ध करने और कुड़माली भाषा को संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर मोरहाबादी में रविवार को टोटेमिक कुरमी/कुड़मी हुंकार महारैली का आयोजन हुआ. इसकी शुरुआत कुड़माली नेगचारी से भुंई पूजा और झंडागड़ी कर की गयी. मौके पर वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि जो कुरमी हित की बात करेगा, वहीं झारखंड में राज करेगा. वक्ताओं ने कहा कि आनेवाले दिनों में कुड़मी के हक व अधिकार की बात करनेवाले ही झारखंड की सत्ता में आ सकेंगे.

कुड़मी समाज के लोग जाग चुके हैं : रामटहल : पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने कहा कि कुड़मी समाज के लोग पहले एसटी में सूचीबद्ध थे, लेकिन बाद उन्हें अलग कर दिया गया. उन्होंने कहा कि हमारा रहन-सहन, संस्कृति जनजाति समाज से मिलती -जुलती है. कुड़मी समाज के लोग लंबे समय से जनजाति का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों पर कभी किसी ने ध्यान नहीं दिया. लेकिन अब समाज के लोग जाग चुके हैं. इन्हें अब कोई बरगला कर वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल नहीं कर सकेगा. महारैली को गोमिया के विधायक लंबोदर महतो, पूर्व मंत्री केशव कमलेश महतो, रामपोदो महतो ने भी संबोधित किया.

महारैली तो ट्रेलर है, पूरी फिल्म अभी बाकी है: ओहदार

मुख्य संयोजक शीतल ओहदार ने कहा कि महारैली तो ट्रेलर है.केंद्र सरकार अविलंब कुड़मी समाज को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करे, वर्ना लोकसभा और विधानसभा चुनाव में कुड़मी समाज के लोग पूरी फिल्म दिखा देंगे. राज्य में 30 विधानसभा एवं 7 लोकसभा क्षेत्रों में कुरमी महतो समाज का वोट निर्णायक भूमिका निभाता है. इसके बावजूद कुरमियों को सिर्फ वोट बैंक के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है.अब कुरमी समाज जाग चुका है. अब कुरमी समाज अपना हक व अधिकार लड़कर लेगा.

पीएम ही कुड़मी को एसटी का दर्जा दिलाएंगे : राजाराम महतो

कुड़मी नेता राजाराम महतो ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व अटल बिहारी वाजपेयी ने झारखंड अलग राज्य की सौगात दी थी, अब पीएम नरेंद्र मोदी कुड़मी समाज को अनुसूचित जनजाति दर्जा देकर उनका हर व अधिकार दिलाएंगे. महतो ने कहा कि पीएम मोदी के संज्ञान में भी मामलाऔर वहीं कुड़मी समाज का उद्धार करेंगे. उन्होंने कहा कि जो भी राजनीतिक दल कुड़मी समाज को बरगलाने की कोशिश करेगा, समाज के लोग उसे पार्टी व उसके नेता को हाशिए पर धकेल देंगे.

आर-पार की लड़ाई लड़ेगा कुड़मी समाज : सुषमा देवी

महिला समाज की केंद्रीय अध्यक्ष सुषमा देवी ने कहा कि कुड़मी समाज देश की आजादी से पहले अनुसूचित जनजाति में सूचीबद्ध था, लेकिन राजनीतिक पार्टियों ने षडयंत्र कर एसटी की सूची से कुड़मी समाज को हटा दिया.नतीजतन कुड़मी समाज रोजगार के साथ-साथ राजनैतिक भागीदारी में अंतिम पायदान पर चला गया है. अब कुड़मी समाज जाग चुका है. और अपने हक अधिकार के प्रति सजग हो चुका है. कुड़मी समाज अपने संवैधानिक अधिकार के लिए आरपार की लड़ाई लड़ेगा.

हक व अधिकार लड़कर लेगा कुड़मी समाज : सोनालाल महतो

रांची जिलाध्यक्ष सोनालाल महतो ने कहा कि झारखंड बिनोद बिहारी महतो के आंदोलन और शहादत से झारखंड अलग राज्य बना है. उनके बलिदान को भूलने नही दिया जाएगा. झारखंड में कुड़मी समाज अपना हक व अधिकार लड़कर लेगा और एसटी बनकर रहेगा.

राज्यसभा चुनाव में होगा 'खेला'!

सत्तारूढ़ गठबंधन दोनों सीटों पर लगा सकता है दांव

संवाददाता। रांची

झारखंड से राज्यसभा के लिए खाली हो रही दो सीटों पर कब्जा जमाने के लिए सत्तारूढ़ झामुमो-कांग्रेस गठबंधन खेला करने की तैयारी में है. तैयारी इस स्तर पर है कि दोनों सीटों पर दांव लगाया जाए. फिलहाल, खाली हो रही सीटें कांग्रेस और भाजपा के पास है. हालांकि, सीटें निकालने के लिए पर्याप्त आंकड़ा जुटाने में भाजपा सक्षम है, लेकिन सत्तारूढ़ गठबंधन को इस बात की उम्मीद है कि कुछ विधायकों का समर्थन हासिल करने में कामयाबी मिल गई, तो एक तीर से कई शिकार हो जाएंगे. इससे भाजपा को झटका देने के साथ-साथ गठबंधन को मनोवैज्ञानिक बढ़त मिलेगी. हालांकि, पिछले राज्यसभा चुनाव में भी इस प्रयोग को गठबंधन ने आजमाया था, लेकिन सफलता नहीं मिली थी. इस दफा यह प्रयोग कितना सफल होता है, यह देखना दिलचस्प होगा. फिलहाल, झामुमो के रणनीतिकारों ने कुछ ऐसे ही संकेत दिए हैं. झामुमो महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय के मुताबिक सत्तापक्ष के पास पर्याप्त संख्या बल है. इस लिहाज से कुछ भी हो सकता है. राज्यसभा की दोनों सीटों को जीतने की कोशिश होगी. राज्य में चाहे कोई भी राजनीतिक परीक्षा हो, गठबंधन शानदार अंक से पास होती रही है. झामुमो के पास विधानसभा में सबसे ज्यादा आंकड़ा भी है. हालांकि, साथी दलों के साथ विमर्श के बाद इस पर कोई अंतिम निर्णय होगा.

आदिवासी चेहरे पर ही दांव चलेगी भाजपा

झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों के लिए 21 मार्च को मतदान होना है. फिलहाल अगले माह झारखंड से दो सांसदों समीर उरांव (भाजपा) और धीरज प्रसाद साहू (कांग्रेस) का कार्यकाल पूरा हो रहा है. ऐसे में भाजपा की ओर से प्रत्याशी तय करने के लिए प्रदेश चुनाव समिति की बैठक में चर्चा हुई. प्रदेश चुनाव समिति की यह बैठक प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में की गई. इसमें प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेई, सांसद दीपक प्रकाश, नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, केदार हाजरा, सांसद आदित्य साहू, संजय सेठ, पूर्व सांसद रवींद्र राय, सांसद विद्युत वरण महतो के अलावा बालमुकुंद सहाय, आरती सिंह भी शामिल हुईं. प्रदेश चुनाव समिति में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और केंद्रीय राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी भी शामिल हैं, लेकिन वे इस बैठक में नहीं दिखे.

इन नामों पर मंथन :जानकारी के अनुसार, प्रदेश चुनाव समिति के समक्ष 4 नाम सामने आए हैं. इनमें एक नाम तो समीर उरांव का है ही, रांची नगर निगम की पूर्व मेयर आशा लकड़ा, प्रदेश प्रवक्ता अरुण उरांव और पूर्व प्रशासनिक अधिकारी रहे जेबी तुबिद का भी कहा जा रहा है. संभवतः इन चार नामों को प्रदेश चुनाव समिति ने केंद्रीय चुनाव समिति को भेज भी दिया है. कहा जा रहा है कि अब राज्यसभा इलेक्शन के लिए प्रत्याशी के नाम पर अंतिम मुहर केंद्रीय नेतृत्व द्वारा लगायी जाएगी. कुल मिलाकर यही लग रहा कि राज्यसभा चुनाव में किसी आदिवासी चेहरे को ही भाजपा खड़ा करने का मन बना चुकी है.

हेमंत सदन में होंगे या नहीं, आज होगा तय

संवाददाता। रांची

खास बातें

- हाईकोर्ट में आज पूर्व सीएम की याचिका पर सुनवाई
- ईडी की विशेष अदालत ने नहीं दी थी इजाजत

झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के बजट सत्र में शामिल होने के लिए दायर याचिका पर सोमवार को हाईकोर्ट में सुनवाई होगी. इस मामले में ईडी को जवाब दाखिल करने का निर्देश हाईकोर्ट ने दिया है. बता दें कि ईडी की विशेष कोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद हेमंत सोरेन ने बजट सत्र में शामिल होने के लिए हाईकोर्ट से अनुमति मांगी है. इसके पहले ईडी कोर्ट ने हेमंत सोरेन की यह याचिका सुनवाई के बाद खारिज कर दी थी. हेमंत सोरेन की ओर से कहा गया है कि विधानसभा का सत्र शुक्रवार से शुरू हो गया है. इस सत्र में धन विधेयक पास होना है. उनका सत्र में मौजूद रहना जरूरी है. ईडी कोर्ट से भी इसकी अनुमति मांगी गई थी, लेकिन वहां याचिका खारिज कर दी गई. विधानसभा का बजट सत्र शुरू हो चुका है. इसलिए, याचिका पर तत्काल सुनवाई करना चाहिए.

ईडी ने हाईकोर्ट को क्या बताया : पिछली सुनवाई में ईडी की ओर से अदालत को बताया गया था कि विधानसभा सत्र का नोटिस पहले ही जारी कर दिया गया था. यदि प्रार्थी को सदन में शामिल होना था, तो अंतिम समय में याचिका क्यों दायर की गई. प्रार्थी याचिका दायर कर तुरंत बहस कराना चाहते हैं. यह संभव नहीं है. याचिका के जवाब दाखिल करने के लिए समय चाहिए. जवाब दाखिल होने के बाद ही इस पर सुनवाई होनी चाहिए. इसके बाद अदालत ने ईडी को समय देते हुए 26 फरवरी को सुनवाई निर्धारित की.

रांची में ऑनलाइन सट्टेबाजी का हुआ भंडाफोड़

सात गिरफ्तार, 11.53 लाख कैश बरामद

संवाददाता। रांची

पुलिस ने ऑनलाइन सट्टेबाजी के कारोबार का भंडाफोड़ किया है. एसएसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सिटी एसपी राजकुमार मेहता के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए सदर थाना क्षेत्र के न्यू नगर बांधगाडी, दीपाटोली स्थित उमाशंकर सिंह के घर में छापेमारी की. इस दौरान पुलिस ने संदिग्ध अवस्था में सात लोगों को लैपटॉप, एटीएम, मोबाइल, सिम कार्ड का उपयोग कर ऑनलाइन सट्टेबाजी कर ठगी करते पाया. सदर थाना पुलिस ने सभी को तत्काल गिरफ्तार कर लिया. उनकी निशानदेही पर उस स्थान से करीब 100 मीटर आगे रवींद्र सिन्हा के फ्लैट में छापेमारी करने पर बड़ी संख्या में मोबाइल, सिम, एटीएम, पासबुक और अन्य संदेहास्पद सामान के साथ-साथ 11.53 लाख नकद बरामद किया गया. जिन सट्टेबाजों को पुलिस ने गिरफ्तार किया , उनमें प्रिंस कुमार, रोहित रजक, सुरेश कुमार हांसदा , विक्की कुमार, काजल अड्डी, सौरभ कुमार गुप्ता और शुभम भाटिया शामिल हैं.

खास बातें

- रवींद्र सिन्हा के फ्लैट से संदेहास्पद सामान बरामद
- लैपटॉप, एटीएम कार्ड, सिम, मोबाइल, पास बुक जब्त किया

सीएस का रिजल्ट जारी | कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की होती है बेहद कठिन परीक्षा

रांची की जैस्मिन ज्योति को मिला देशभर में 5वां स्थान

संवाददाता। रांची

इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) का रिजल्ट जारी हो चुका है. इस परीक्षा में रांची की जैस्मिन ज्योति को देश में पांचवां रैंक मिला है. आईसीएसआई रांची ब्रांच के चेयरमैन सीएस बिनोद बख्शी के अनुसार जैस्मिन प्रोफेशनल एग्जाम और एग्जिक्यूटिव लेवल की परीक्षा के दोनों ग्रुप्स को भी एक बार में क्वालीफाई किया है. आईसीएसआई परीक्षा भारत के कुछ कठिन परीक्षाओं में शामिल है. इस परीक्षा में रिजल्ट का प्रतिशत भी बहुत कम होता है. सीएस की परीक्षा 21 से 30 दिसंबर 2023 तक चली थी. 25 फरवरी को इसका रिजल्ट जारी कर दिया गया.

असफल छात्र परेशान न हों: बिनोद बख्शी

आईसीएसआई रांची शाखा के चेयरमैन सीएस बिनोद बख्शी ने जैस्मिन ज्योति को बधाई दी और कहा कि जो छात्र असफल हुए हैं, वे परेशान ना हों, आगे के लिए तैयारी करें. उन्होंने असफल छात्रों को और अच्छा तैयारी करने का सुझाव दिया. वहीं, बता दें कि मनिषा मुरारीमोहन घोष ने प्रोफेशन प्रोग्राम में इंडिया में रैंक वन प्राप्त किया है. मालोलन मुरली और वनिशा सिंह ने एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम में ऑल इंडिया रैंक वन हासिल किया है.

18-18 घंटे पढ़ाई की : जैस्मिन

रातू रोड रांची की रहने वाली जैस्मिन ज्योति ने देशभर में 5वां रैंक प्राप्त किया है. उन्होंने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कह कि आज मैं बहुत खुश हूं. सीएस की परीक्षा पास करने के लिए उन्होंने प्रति दिन 18-18 घंटे की पढ़ाई की है. इसमें 16 घंटे की पढ़ाई और 2 घंटा का ओपन बुक प्रैक्टिस करती थी. उन्होंने 2020 फाउंडेशन कोर्स के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया था, उसके बाद उन्होंने 2023 में ही क्लियर कर लिया. एक बार वे असफल भी हुई है, लेकिन उनके माता-पिता उनका हौसला बढ़ाया और फिर अच्छे से तैयारी की. उन्होंने संदेश दिया कि फेल होने से ना डरें.

रिम्स ओपीडी

विभाग — डॉक्टर का नाम

- मेडिसिनः डॉ विद्यापति
- सर्जरीः डॉ शीतल मलुआ
- कार्डियोलॉजीः डॉ प्रकाश कुमार
- ऑर्थोपेडिकः डॉ विनय प्रभात
- न्यूरोसर्जरीः डॉ सीबी सहाय
- टीबी एवं चेस्टः डॉ ब्रजेश मिश्रा
- ऑब्स गायनीः डॉ एसबी सिंह
- सीटीवीएसः डॉ अंशुल कुमार
- न्यूरोलीजीः डॉ सुरेंद्र कुमार
- ईएनटीः डॉ आरके चौधरी
- सायकेट्रीः डॉ अजय बाखला
- प्लास्टिक सर्जरीः डॉ विक्रांत
- पीएमआरः डॉ अमित चैतन्य
- रेडिशन ऑन्कोलॉजीः डॉ अनूप
- सर्जिकल ऑन्कोलॉजीः डॉ अजीत कुमार कुशवाहा
- यूरोलॉजीः डॉ अरशद जमाल व डॉ राणा प्रताप सिंह

सदर अस्पताल

- मेडिसिनः डॉ बीएन पोद्दार, डॉ रुचिका
- कार्डियोलॉजीः डॉ राकेश झा
- यूरोलॉजीः डॉ पंकज कुमार
- पीडियाट्रिक सर्जरीः डॉ मो इमरान
- ऑब्स एंड गायनीः डॉ वंदिता, डॉ समरीना कमल और डॉ उमा सिन्हा
- पीडियाट्रिक : डॉ अमरेश
- हेमाटोलॉजीःडॉ अभिषेक रंजन
- गैस्ट्रोएंटरोलॉजीः डॉ जयंत घोष

शहर में आज

1. शिव मंदिर का वार्षिकोत्सव, कमड़े में दिन के 11 बजे
2. कैबिनेट की बैठक, विधानसभा में दिन के 11 बजे
3. शहर के विभिन्न हिस्सों में कार्यक्रम दिन के 10 बजे से

ब्रीफ खबरें

श्रीलंका के सेंड्रो फीडिंग इंडिया के काम से प्रभावित

रांची। हेल्पिंग इंडिया फीडिंग इंडिया के कामों की चर्चा अब सात समंदर पार भी होने लगी है. इसकी बानगी तब देखने मिली, जब श्रीलंका के एक न्यूज चैनल के के एंकर सेंड्रो सत्यजीत रांची आए और संस्था के साथ जाकर फूड ड्राइव के तरीकों से अवगत हुए. सत्यजीत न्यूज फर्स्ट नामक चैनल में बतौर एग्जीक्यूटिव काम करते हैं. उन्होंने स्वयं बच्चों को खाना भी परोसा. इस कार्यक्रम के दौरान हेल्पिंग इंडिया फीडिंग इंडिया के सदस्य अभिजीत, अभिषेक, सूरज, राहुल, हिमांशु, अरविंद, सुलेखा तथा अन्य सदस्य उपस्थित थे.

एचईसी के सेवानिवृत्त कर्मी शंकर सिंह नहीं रहे

रांची। एचईसी से सेवानिवृत्त कर्मचारी शंकर प्रसाद सिंह का शनिवार को निधन हो गया. वे 85 वर्ष थे और उन्होंने एचइसी में करीब 35 साल तक अपनी सेवाएं दीं. सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने रांची, जमशेदपुर और दिल्ली में रहते हुए कई सामाजिक कार्य किए. वे अपने पीछे पत्नी, दो पुत्र और तीन पुत्रियां सहित नाती-पोतों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं.

शहरभर में पाइप लाइन बिछाने का चल रहा काम, राणी सती लेन में दो दिनों से पाइप बिछाने का काम कर रहा है जुडको

सड़क खोद डाली, आवागमन में परेशानी, लोगों की समस्या बढ़ी

तरुण कुमार चौबे। रांची

1 पाइपलाइन कार्य के कारण पूरी सड़क बंद
2 श्रद्धालुओं को मंदिर आने-जाने में भी दिक्कत
3 स्थानीय लोगों का जनजीवन प्रभावित

राजधानी के रातू रोड स्थित राणी सती लेन में पिछले दो दिनों से लोगों को आने जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा रहा है. दरअसल, जुडको के द्वारा शहरभर में पाइप लाइन बिछाने का काम चल रहा है. इसी क्रम में शनिवार को राणी सती लेन में जुडको द्वारा सड़क की खुदाई कर पाइप बिछाने का काम शुरू किया गया. उसके बाद से पूरी सड़क को बंद कर दिया गया.

सड़क बंद होने के कारण आसपास रह रहे लोगो को काफी परेशानी हो रही है. रातू रोड में फ्लाईओवर का निर्माण कार्य चल रहा है. लोग जाम से बचने के लिए अब तक इन सड़कों का इस्तेमाल करते आ रहे थे. अब पाइप लाइन के लिए सड़क खोदने के बाद इस मार्ग होकर लोगों की आवाजाही बंद हो गई है. साथ ही पहाड़ी मंदिर समेत वहां मौजूद अन्य मंदिरों में श्रद्धालुओं को दर्शन करने में काफी दिक्कत हो रही है.

पाइपलाइन बिछाने के लिए जेसीबी से सड़क की खुदाई की जा रही है.

निर्माण कार्य की वजह से हो रही है दिक्कत : प्रेम सरावगी

राणी सती मंदिर के मैनेजर प्रेम सरावगी ने बताया कि रातू रोड में पहले से ही फ्लाईओवर का निर्माण कार्य चल रहा था. इसके कारण पहले ही लोगों को काफी परेशानी हो रही थी. अब राणी सती लेन में सड़क खोद दी गई है, जिससे लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी हो रही हैं. इसके साथ ही मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को भी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है.

बंद नालियों का रास्ता खोलने की जरूरत है : अमित कुमार

स्थानीय निवासी अमित कुमार ने कहा कि इस इलाके में नाली की सफाई बहुत कम होती है. इस कारण बारिश में गंदगी भी बढ़ जाती है. कई स्थानों पर स्लैब अपनी जगह से हट कर नीचे चले गए हैं. इस कारण पानी निकासी का रास्ता बंद हो गया है. स्लैब को ऊपर उठा कर बंद नाली का रास्ता खोलने की जरूरत है, नहीं तो नाली का गंदा पानी सड़क पर इसी तरह बहता रहेगा.

धूल से सांस की बीमारी होने का सता रहा डर : रीत कुमार

पहाड़ी टोला के रीत कुमार ने कहा कि रातू रोड के आसपास सभी इलाकों में एक साथ कई निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है. एक साथ इतने सारे निर्माण कार्य शुरू हो जाने की वजह से हमलोगों को काफी परेशानी हो रही है. सड़कों पर पैदल चलना मुश्किल हो गया है. गाड़ी सिर्फ रात में लेकर निकलते हैं. दिन के समय गाड़ी निकालने के लिए जगह ही नहीं बची है.

निर्माण कार्य के कारण बच्चों को घर में बंद रखा है : शिवानी

राणी सती लेन में रहने वाली शिवानी कुमारी ने बताया कि पहले मुख्य सड़क पर निर्माण कार्य चल रहा था. अब गली के अंदर भी सड़क को खोद दिया गया है. सड़क को खोदने की वजह से बच्चों के खेलने की जगह भी नहीं बची है. पिछले दो दिनों से बच्चे घर पर ही बैठे हैं. घर के सामने की सड़क खुदी होने के वजह से कहीं आने-जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

भाजपा के विभिन्न प्रकोष्ठों-विभागों की बैठक में बोले कर्मवीर सिंह

हर बूथ पर जोड़ें 370 वोट

संवाददाता। रांची

प्रदेश भाजपा कार्यालय में पार्टी के विभिन्न विभागों और प्रकोष्ठों की प्रदेश स्तरीय बैठक में सभी प्रकोष्ठ और विभागों के प्रदेश संयोजक और सह संयोजक शामिल हुए. प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने सभी विभाग और प्रकोष्ठ के दायित्वों और कार्यक्रमों की जानकारी ली और आगमी लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए.

उन्होंने यह भी कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में सभी की महत्वपूर्ण भूमिका है. अपने विभाग के कार्यकर्ताओं के साथ बूथों पर सक्रियता को बढ़ाते हुए हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाकर भाजपा के पक्ष में 370 लोकसभा सीटें और एनडीए के खाते में 400 पार के संकल्प को पूरा करें. बैठक में शिवपूजन पाठक, सुबोध सिंह गुड्डू, योगेंद्र प्रताप सिंह, अशोक बड़ाईक, अजय मारू, राहुल अवस्थी, विवेक विकास, पंकज श्रीवास्तव, सूरज चौरसिया, राजेश शुक्ला, संजीव विजयवर्गीय, रविनाथ किशोर, उमाशंकर केडिया, मृत्युंजय शर्मा, लक्ष्मीचंद्र दीक्षीत, नीरज सिंह, अमित नाथ चरण, राजश्री जयंती, जयश्री इंदवार, डॉ रामाधीन, डॉ तान्या, लक्ष्मी कुमारी, सुधीर श्रीवास्तव, दीपक सिन्हा, सतीश सिन्हा, अनिल महतो, चंदन कुमार, राजू चौधरी आदि मौजूद थे.

चुनावी रणनीति

- कार्यकर्ताओं के साथ बूथों पर सक्रियता बढ़ाएं
- पीएम मोदी के 400 पार के संकल्प को पूरा करें

जनता के मन में फिर से मोदी सरकार

प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि बूथ पर अतिरिक्त 370 वोट दिलाना और देश भर में 370 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल करके ही डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि दी जा सकती है. उन्होंने कहा कि फिर एक बार मोदी सरकार के लिए देश की जनता मन बना चुकी है, हमें उनके दरवाजे पर मोदी सरकार की उपलब्धियों को लेकर जाना है. बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री डॉ प्रदीप वर्मा और धन्यवाद ज्ञापन प्रदेश महामंत्री व प्रशिक्षण विभाग के प्रमुख मनोज सिंह ने किया.

राज्यसभा चुनाव : प्रत्याशियों के नाम पर मंथन

भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में पार्टी की नवगठित चुनाव समिति की भी बैठक हुई. बैठक में राज्यसभा चुनाव के मसले पर विचाक-विमशर्श किया गया. राज्यसभा चुनाव के लिए संभावित प्रत्याशियों के नाम पर भी चर्चा हुई.

चूंकि भाजपा कोटे से आदिवासी सांसद रहे समीर उरांव की सीट खाली हो रही है, इसलिए बैठक में विशेष रूप से आदिवासी प्रत्याशी के नाम पर विचार-विमर्श किया गया. इसके अलावा कुछ अन्य नामों पर

चचर्चा हुई है. नामों की सूची केंद्रीय नेतृत्व को भेज दी गयी है. बैठक में प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, दीपक प्रकाश, डॉ रवींद्र कुमार राय, प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू, नीलकंठ सिंह मुंडा, बालमुकुंद सहाय, विद्युत वरण महतो, संजय सेठ, श्याम नारायण दुबे, केदार हाजरा व आरती सिंह मौजूद थे.

दिव्यांग बच्चों ने लगायी प्रदर्शनी

फार्मर्स मार्केट में दीपशिखा और द पिंक पेबल्स की अनूठी पहल

संवाददाता। रांची

दीपशिखा और द पिंक पेबल्स की अनूठी पहल से झारखंड में पहली बार फार्मर्स मार्केट का आयोजन हुआ. दीपशिखा संस्थान तीन दशकों से रांची शहर में मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों के कल्याण के लिए कार्य कर रहा है. इस संस्थान में ऑटिज्म, मानसिक दिव्यांगता, सेरेब्रल पॉल्सी और विभिन्न अंगों की दिव्यांगता से ग्रस्त बच्चों के इलाज के अलावा उनकी शिक्षा-दीक्षा के साथ सर्वांगीण विकास का इंतजाम किया जाता है.

दीपशिखा और द पिंक पेबल्स द्वारा आयोजित इस बाजार में तरह-तरह के जैविक उत्पादों की प्रदर्शनी

भी लगी थी. साथ ही जैविक उत्पादों की बिक्री भी की गई. विभिन्न प्रकार के खान-पान के स्टॉल्स महिलाओं द्वारा लगाये गये, जहां जैविक उत्पाद का प्रयोग किया गया था, जैसे रागी मोमो, मिलेट, कॉर्न, इत्यादि मुख्य थे. वहीं बच्चों के लिए एक किड्स जोन का भी आयोजन किया गया था. दीपशिखा व एकल के स्टॉल भी लगे थे. इस फार्मर्स मार्केट में लोगों ने प्रदर्शनी का लुत्फ उठाया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य वन संरक्षक डीके सक्सेना थे. इस दौरान जेएफटीए ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया. कार्यक्रम में रांची के सांसद संजय सेठ और दीपशिखा की कार्यकारी निदेशिका सुधा ल्हीला व कई गणमान्य लोग शामिल हुए.

वीडियो सीरीज 'संस्कारी मास्टरजी' का विमोचन आज

रांची। आगामी लोकसभा चुनाव से ठीक पूर्व नैतिक मतदान को लेकर राज्य भर में एक सकारात्मक माहौल बनाने के लिए वीडियो सीरीज 'संस्कारी मास्टरजी' को सोमवार को रिलीज किया जाएगा. इसका विमोचन मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार करेंगे. इस वीडियो सीरीज के विभिन्न शॉर्ट वीडियोज के माध्यम से मतदाताओं से अपील करने का प्रयास किया जाएगा कि वे आगामी चुनावों में बिना किसी लोभ, लालच और भय के मतदान प्रक्रिया में भाग लें.

डिफेंस कॉलोनी में सांसद ने रखी सड़क की आधारशिला

संवाददाता। रांची

पंडरा स्टील चौक डिफेंस कॉलोनी में अजय जायसवाल के घर से सुधीर सिंह के घर तक पीसीसी सड़क का शिलान्यास सांसद संजय सेठ ने सांसद निधि से किया. इस दौरान मोहल्ले के सैकड़ों लोगों ने क्षेत्र की अन्य समस्याओं से भी सांसद को अवगत कराया. इसपर सांसद ने यथाशीघ्र निराकरण करने की बात कही. इससे पूर्व मोहल्ले वासियों द्वारा संसद का जोरदार स्वागत किया गया. उपस्थित

लोगों को संबोधित करते हुए संसद संजय सेठ ने पीएम मोदी के संकल्प अबकी बार 400 पार को दोहराया.

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रखी एचपीसीएल गैस नेटवर्क की नींव

मील का पत्थर साबित होगी योजना

संवाददाता। रांची

केंद्रीय पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, आवास और शहरी मामलों के मंत्री, हरदीप सिंह पुरी ने रविवार को झारखंड को पेट्रोलियम योजनाओं की सौगात दी. इस कड़ी में उन्होंने पीएनजी और सीएनजी के लिए गोड्डा-दुमका भौगोलिक क्षेत्र में एचपीसीएल के गैस नेटवर्क की ऑनलाइन नींव रखी. उन्होंने कहा कि यह झारखंड के निए मील का पत्थर साबित होगा. वहीं देवघर में सिटी गैस वितरण परियोजना के तहत इंडियन ऑयल के पीएनजी का उद्घाटन किया. कार्यक्रम में गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे भी शामिल रहे. बता दें कि गोड्डा-दुमका भौगोलिक क्षेत्र में एचपीसीएल का दूरदर्शी गैस नेटवर्क 6 जिलों में 14507 वर्ग किमी के विशाल विस्तार को कवर करेगा. साथ ही 14 लाख से अधिक घरों के जीवन को प्रभावित करेगा. 1750 करोड़ रुपये के निवेश की यह महत्वपूर्ण परियोजना गोड्डा, दुमका, पोड़ैयाहाट,

मिली सौगात

- 6 जिलों में 14507 वर्ग किमी कवर करेगा गैस नेटवर्क
- इंडियन ऑयल के पीएनजी प्रोजेक्ट का भी उद्घाटन

शिकारीपाड़ा, जरमुंडी, महगामा, पथरगामा, जामताड़ा, मिहिजाम, पाकुड़, लिट्टीपाड़ा और साहिबगंज जैसे क्षेत्रों में नई जान फूंक देगी. 370 किमी स्टील और पर्याप्त एमडीपीई से युक्त मजबूत गैस नेटवर्क घरों को पाइप गैस कनेक्शन प्रदान करेगा. योजना में 100 सीएनजी स्टेशनों की स्थापना भी शामिल है.

देवघर पीएनजी को अपनाने वाला पहला जिला : देवघर में, इंडियन ऑयल की पीएनजी परियोजना 6 लाख से अधिक घरों तक पहुंचती हुई 6264 वर्ग किमी में तीन जिलों को कवर करेगी. 303 करोड़ रुपये के निवेश के साथ यह परियोजना 350 किमी एमडीपीई नेटवर्क के माध्यम से 2027 तक 30,000 परिवारों को जोड़ने के लिए तैयार है. संथाल परगना डिवीजन के तहत देवघर एक अग्रणी के रूप में उभरकर पीएनजी को अपनाने वाला पहला जिला बन गया है. यह ऊर्जा पहुंच और स्थिरता की दिशा में एक सकारात्मक बदलाव की शुरुआत है.

रांची विश्वविद्यालय के टीआरएल विभाग में पूर्ववर्ती छात्रों का सम्मेलन, वीसी बोले-

जनजातीय व क्षेत्रीय भाषा विभाग में संग्रहालय बनेगा

संवाददाता। रांची

रांची विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय में संग्रहालय बनाया जाएगा, जिससे यहां की कला, संस्कृति, सभ्यता और भाषा को संरक्षित करने में सहयोग मिलेगा. इसपर विश्वविद्यालय प्रशासन विचार कर रहा है. इस आशय की जानकारी रविवार को जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग में रांची विवि के कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिन्हा ने दी. डॉ सिन्हा यहां आयोजित पूर्ववर्ती छात्रों के सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे.

उन्होंने कहा कि इस विभाग के पूर्ववर्ती छात्र-छात्राओं का अहम योगदान है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अध्ययन जारी रखा और विभाग को मुकाम हासिल करने में सहयोग प्रदान किया. झारखंड की बहुत सी प्राचीन भाषाएं अब विलुप्ति के कगार पर हैं. पूर्ववर्ती विद्यार्थियों का यह कर्तव्य है कि हम प्राचीन

मधुर स्मृति

- प्राचीन कला, संस्कृति और भाषा की मजबूती पर जोर
- भाषा संरक्षण में विद्वानों का अभूतपूर्व योगदान : प्रो. तपन

कला, संस्कृति और भाषा मजबूत कैसे रखें, इस पर सहयोग करें.

मधुस्मृति के नाम से आयोजित इस सम्मेलन में डीएसपीएमयू के कुलपति प्रो. तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि भाषा और संस्कृति को संरक्षित करने में यहां के विद्वानों का अभूतपूर्व योगदान है. झारखंड आंदोलन के बौद्धिक जागरण में भी इस विभाग के शिक्षक, विद्यार्थियों के योगदान को हमेशा याद किया जाएगा. भाषा और संस्कृति को संरक्षित करने में यहां के विद्वानों का अभूतपूर्व योगदान है. झारखंड आंदोलन के बौद्धिक जागरण में भी इस विभाग के शिक्षक, विद्यार्थियों के योगदान के हमेशा याद किया जाएगा.

झारखंड ओपन यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. त्रिवेणी नाथ साहू ने कहा कि जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग झारखंड की संस्कृति का प्रतिबिंब है. यहां पढ़ाई जाने वाली 9 भाषाएं यहां के नवरत्न हैं. भाषायी विविधता के बावजूद हम एक हैं. संकाय के समन्वयक सह आयोजन के अध्यक्ष डॉ हरि उरांव ने कहा कि जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय से पढ़कर दूर-दूर तक विद्यार्थी अपनी और विभाग का पहचान स्थापित करा रहे हैं. भविष्य में समाजहित के लिए भी यह संगठन मधुस्मृति कार्य करेगा.

कार्यक्रम में डॉ सबिता केशरी, डॉ खालिक अहमद, डॉ. गीता कुमारी सिंह, डॉ. मनय मुंडा, कुमारी शशि, बंधु भगत, डॉ. मेरी एस सोरेंग, तारकेश्वर सिंह मुंडा समेत डॉ. उमेश नंद तिवारी, कुमारी शशिकला सहित विभाग के शोधार्थी व छात्र-छात्राएं शामिल रहे.

गुड न्यूज

एचईसी पारस अस्पताल में जीरो कंट्रास्ट एंजियोप्लास्टी का इस्तेमाल कर मरीज की जान बचाई

किडनी फेल्योर रोगियों के लिए जीरो कंट्रास्ट एंजियोप्लास्टी वरदान

- इमरजेंसी में आए मरीज को पारस अस्पताल के एडवांस कार्डियक विभाग में भर्ती कराया गया था

संवाददाता। रांची

एचईसी पारस अस्पताल में हार्ट अटैक से पीड़ित किडनी फेल्योर 68 वर्षीय पुरुष मरीज की जीरो कंट्रास्ट एंजियोप्लास्टी सफलतापूर्वक की गई. इससे मरीज की जान बच गई. इमरजेंसी में आए पुरुष को पारस अस्पताल के एडवांस कार्डियक विभाग में भर्ती कराया गया है. सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट और कार्डियोलॉजी के प्रमुख डॉ. महेश कुशवाहा ने कहा कि जीरो कंट्रास्ट, एंजियोप्लास्टी की नई तकनीक है.

यह तकनीक जो आने वाले भविष्य में विशेष रूप से किडनी फेल्योर रोगियों और गुर्दे फेल्योर के उच्च जोखिम वाले रोगियों के लिए वरदान साबित होगी, जिन्हें एंजियोप्लास्टी से गुजरना पड़ता है. इस विधि से किडनी फेल्योर के मरीजों पर एंजियोप्लास्टी की जा सकती है. वह भी बिना उन्हें स्थायी डायलिसिस पर धकेले. डॉ. कुशवाहा ने यह भी बताया कि बताया कि किडनी मरीजों में स्थायी डायलिसिस पर जाने का डर बना रहता है. लेकिन जीरो कंट्रास्ट एंजियोप्लास्टी से इससे बचा जा सकता है, जिससे मरीजों को लंबा जीवन जीने में मदद मिलेगी.

डॉ. महेश कुशवाहा.

क्या है जीरो कंट्रास्ट एंजियोप्लास्टी तकनीक

जीरो कंट्रास्ट एंजियोप्लास्टी एक ऐसी तकनीक है, जिसमें विशेष और आधुनिक इमेजिंग तकनीक शामिल है, जो कंट्रास्ट एजेंटों का उपयोग किए बिना एंजियोप्लास्टी करती है. उसके इंट्रावास्कुलर अल्ट्रासाउंड (आईवीयूएस) कोरोनरी इमेजिंग सिस्टम का उपयोग प्रक्रियाओं को निर्देशित करने के लिए किया जाता है, जिससे कंट्रास्ट एजेंटों के उपयोग से पूरी तरह से बचा जा सकता है. एंजियोप्लास्टी की इस पद्धति से किडनी फेल्योर और प्रत्यक्ष गुर्दे की विफलता से पूरी तरह बचा जा सकता है. यह पहले से मौजूद किडनी फेल्योर वाले रोगियों के लिए पूरी तरह से सुरक्षित है.

दी जानकारी

हृदय रोगियों को बाहर जाने की जरूरत नहीं : डॉ. नितेश

पारस एचईसी अस्पताल के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ. नितेश कुमार ने बताया की पारस एचईसी अस्पताल में मरीजों का विशेष ध्यान रखा जाता है. यहां हमारी टीम उपचार की नई व उन्नत मशीनरी व विधि द्वारा मरीजों की स्थिति के अनुसार उनकी सेवा में सदैव तत्पर रहती है. हृदय रोगियो के लिए हमारे यहां उन्नत तकनीति पद्धति द्वारा इलाज की व्यवस्था है. हमें गर्व है कि अब प्रदेश के हृदय रोगियों को इलाज के लिए कहीं बाहर जाने की आवश्यकता नहीं है.

देवकमल हॉस्पिटल में कल तक होगी कटे-फटे होंठ की फ्री सर्जरी

संवाददाता। रांची

देवकमल हॉस्पिटल में मिशन स्माइल संस्था और इंडियन ऑयल के सहयोग से 24 से 24 फरवरी तक फ्री में कटे-फटे होंठ और तालु की सर्जरी की जा रही है. फ्री सर्जरी प्रोग्राम का शुभारंभ रविवार को किया गया. उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के स्वास्थ्य विभाग के निदेशक जॉन एफ केनेडी मौजूद रहे.

इसके अलावा झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष किशोर मंत्री और वाइस चैयरपर्सन आदित्य मल्होत्रा भी कार्यक्रम में शामिल हुए. वहीं इंडियन ऑयल के महाप्रबंधक कमलेश राय व सीएसआर प्रमुख राकेश रोशन और देवकमल हॉस्पिटल के सीईओ डॉ. अनंत सिन्हा, मशहूर प्लास्टिक सर्जन और अन्य मेडिकल कर्मचारी भी शामिल हुए. कार्यक्रम का संचालन मो. रफी की देख रेख में किया गया.

100-150 मरीजों की सर्जरी का लक्ष्य : देवकमल हॉस्टिपटल के मनोज कुमार ने बताया कि हॉस्पिटल की तरफ से विभिन्न जगहों पर कैंप का भी आयोजन किया गया है. इसका उद्देश्य विशेष कर ऐसे लोगों की सेवा करना है जो आर्थिक रूप से असहाय हैं, ताकि उनका मुफ्त में इलाज हो सके. इस कैंप के तहत लगभग 100-150 मरीजों के कटे-फटे होंठ और तालु की मुफ्त सर्जरी करने का लक्ष्य है. हॉस्पिटल ने मरीज के साथ कम से कम दो अटेंडेंट को रहने की अनुमति दी है.

श्रद्धा-भक्ति : कमड़े के सूर्यनगर श्री शिव मंदिर का दो दिवसीय वार्षिकोत्सव प्रारंभ

मोहक झांकियों के साथ निकाली गयी कलश शोभायात्रा

संवाददाता। रांची

श्रीशिव मंदिर, सूर्य नगर कमड़े के दो दिनी 14वें वार्षिकोत्सव पर रविवार को देवी-देवताओं की मनोहारी झांकी संग भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गयी. इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के संग कलशधारी महिलाओं ने हिस्सा लिया. ढोल-नगाड़ा के साथ रास्ते भर नाचते-झूमते और जयकारा लगाते रहे. नृत्य नाटिका मंडली के कलाकारों ने भी अपनी मनमोहक प्रस्तुति से भक्ति के खूब रंग जमाये.

मंदिर में दिन के साढ़े दस बजे कलश पूजन किया गया. इसके बाद यात्रा झूम कर निकली तो वातावरण हर हर महादेव और जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा. ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते-झूमते श्रद्धालु सबसे आगे चल रहे थे. साथ ही सजे वाहन में विराजमान श्रीशिव-पार्वती की झांकी के साथ प्रचार वाहन बढ़ रहा था. पीछे पुनः श्रीराधा-कृष्ण की मनोरम झांकी का वाहन था. फिर सपत्नीक मुख्य यजमान ललित रंगीला की अगुवाई में कलशधारी महिलाओं की लंबी कतार सरक रही थी. अंत में श्रीराम दरबार की झांकी का वाहन साथ चल रहा था. यात्रा के दौरान वाहन में सवार नृत्य नाटिका के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से सबका मन मोहा. इसमें शामिल भक्त मोहल्ले का भ्रमण कर मुख्य सड़क से होकर कमड़े आश्रम आये. यहां से कलश में जल भरा गया. इसके बाद सभी वापस मंदिर लौटे. शाम छह बजे श्रृंगार-पूजन के बाद देवी-देवओं की आरती उतारी गयी. प्रसाद वितरण के साथ पहले दिन का कार्यक्रम संपन्न हुआ. अब सोमवार को उत्सव के अंतिम दिन सुबह स्थापना पूजन के बाद महारुद्राभिषेक अनुष्ठान होगा. संध्या बेला देवी-देवताओं की आरती उतारी जायेगी. इसके बाद वृहत रूप में भंडारा चलेगा.

दिया योगदान

अध्यक्ष राजेश सिन्हा, सचिव ललित रंगीला, कोषाध्यक्ष अखिलेश कुमार शर्मा, राकेश राय, प्रमोद सिंह, राजेश कुमार, गोपाल राय, अरविंद श्रीवास्तव, वकील सिंह, दिनेश मिश्रा, गोपाल श्रीवास्तव, अभिमन्यु प्रसाद, निलम तिर्की आदि इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दे रहे हैं.

पहाड़ी मंदिर से राजभवन तक गया आक्रोश मार्च

संवाददाता। रांची

राष्ट्रीय युवा शक्ति के बैनर तले रविवार को सैकड़ों युवाओं ने शहीद भगत सिंह की प्रतिमा की स्थापना के मुद्दे को लेकर पहाड़ी मंदिर से लेकर राजभवन तक आक्रोश मार्च निकाला. हाथ में तिरंगा लिए युवा भगत सिंह का जयघोष करते हुए रैली में शामिल हुए और राजभवन के समक्ष रैली धरना में तब्दील हो गया. इस मौके पर अध्यक्ष उत्तम यादव ने कहा कि भगत सिंह के प्रतिमा को क्रेन से असभ्य तरीके से उठाया गया और पुलिस लाइन में कबाड़ गाड़ियों के बीच में बड़े ही शर्मनाक तरीके से रखा गया है.

शहीद भगत सिंह के लिए सरकार दो गज जमीन भी नहीं दे रही है. इसके लिए प्रशासन और नगर निगम से कई बार वार्ता की गयी. इसके बावजूद सभी वार्ता विफल हो गई और मजबूर होकर आक्रोश रैली निकालनी पड़ी. उन्होंने कहा कि भगत सिंह सिर्फ एक महान क्रांतिकारी ही नहीं हैं, बल्कि वे देश की विरासत भी हैं और उन्हें सम्मान देना हम सबों की जिम्मेदारी है. मौके पर जगदीश सिंह जग्गू, दिलीप गुप्ता, उमेश साहू, रवि कुमार, वीरेंद्र गोप, सावन लिंडा मौजूद थे.

त्योहार : शब-ए-बारात के मौके पर रात भर हुई इबादत

चहुंओर गूंजी मगफिरत की दुआ सजदे में झुके ईमान वालों के सर

रेहान अहमद। रांची

शब ए बारात की रात इबादत की रात कही जाती है. यह रात मुसलमानों के लिए अहम है. इस रात की इबादत व अल्लाह तबारक व तआला से सच्चे मन से मांगी गयी दुआएं खाली नहीं जाती हैं. इसका असर रविवार को राजधानी रांची के मुस्लिम बहुल मुहल्लों में देखा गया. बच्चे, बूढ़े, जवान सभी अपने अपने मुहल्ले अथवा समीप की मस्जिदों में कुरआन की तिलावत व नमाज पढ़ते देखे गये. वहीं मुस्लिम औरतों व बच्चियों ने अपने घरों में सारी रात जागकर इबादत की.

नगर की विभिन्न मस्जिदों में डॉ. फतेउल्लाह मस्जिद फतेउल्लाह रोड, रंगसाज मस्जिद चर्च रोड, हव्वारी मस्जिद कर्बला चौक, इकरा मस्जिद मेन रोड, थड़पखना मस्जिद, चांदनी मस्जिद गुदड़ी, मस्जिद ए जाफरिया अंसार नगर, मस्जिद ए असरा कांटा टोली, कुरैशी मस्जिद, तस्लीम मस्जिद हिंदपीढ़ी, मोती मस्जिद, बड़ी मस्जिद, छोटी मस्जिद, मक्का मस्जिद, मदीना मस्जिद, अकबरिया मस्जिद, मस्जिद ए उमर फारुक, इस्लामी मरकज हिंदपीढ़ी, छत्ता मस्जिद, हंडा मस्जिद, हामीम मस्जिद हरमू, नुरानी मस्जिद हरमू, पहाड़ी टोला मस्जिद, पुरानी रांची मस्जिद, पुंदाग मस्जिद, इलाही नगर मस्जिद, बरियातू जामा मस्जिद, अपर बाजार जामा मस्जिद, डोरंडा जामा मस्जिद में दुआ मांगी. इसके अलावा आजाद बस्ती मस्जिद ए जैबुननिशा, खानकाह शरीफ मस्जिद, कडरू मस्जिद, मदरसा हुसैनिया, मजार शरीफ मस्जिद डोरंडा, रहमत कॉलोनी मस्जिद, दर्जी मुहल्ला मस्जिद, परास टोली मस्जिद आदि में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने इबादत की. इबादत के साथ ही लोग रात में ही कब्रिस्तान में जाकर दुआएं करते देखे गये. लोग रातू रोड कब्रिस्तान, हरमू कब्रिस्तान, डोरंडा कब्रिस्तान, कांटा टोली कब्रिस्तान, बरियातू कब्रिस्तान, पुंदाग कब्रिस्तान आदि में रात भर लोगों को आते-जाते व गुजरे लोगों के कब्र के समीप उनके लिए दुआएं करते देखे गये.

मरहूमों की बख्शीश के लिए मांगी गईं दुआएं

यह रात गुनाहों से बख्शीश की रात है

मौलाना ने कहा कि हदीस से यह पता चला कि यह रात गुनाहों से बख्शीश की रात है. इस रात में गुनाहों की माफी मिलती है, जो लोग ऐसी पाक रातें खुदा की याद में बिताते हैं, उन पर अल्लाह तआला की नजरें करम होती हैं. मेहरबानी होती है, जो लोग ऐसी मुबारक रातों को यादे इलाही में गुजारते हैं, उनके लिए अल्लाह तआला का इरशादे पाक है कि उन पर अल्लाह तआला की तरफ से रहमतें और बरकतें नाजिल (उतरती) होती हैं. उन्होंने कहा कि आज रात जहां इबादत, नफ्ल, जिक्र और नेक काम में व्यस्त रहें, वहीं नज्र व नेयाज फातिहा करें. अपने खानदान के मरहुमीन को सवाब बख्शें. विशेषकर हजरत अवेस करनी रजीअल्लाहो अन्हो के नाम की न्याज करें और रात के पिछले पहर कब्रिस्तान जाकर फातेहा पढ़ें.

गुनाहों से छुटकारे की रात : मौलाना कुतुबुद्दीन

एदार ए शरिया झारखंड के नाजिमे आला मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी ने कहा कि 25 फरवरी को शाबान उल मोअज्जम 1445 हिजरी की 14 तारीख है. दिन गुजार कर आने वाली रात "शबे बारात" यानी शाबान उल-मुअज़्ज़म की 15वीं रात है, जिसके संबंध में पैगंबर हजरत मोहम्मद (स.) ने फरमाया है कि जब शाबान की 15वीं रात हो तो जागते रहो, इबादत करो और दिन में रोजा रखो, क्योंकि उस रात में अल्लाह की तजल्ली सूरज डूबने के बाद से ही जाहिर होती है और अल्लाह तआला फरमाता है : क्या कोई है जो क्षमा मांगता है.

दिगंबर जैन मंदिर में हुआ श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

दिगंबर जैन समाज ने आचार्य प्रवर श्रीविद्यासागर जी को दी विनियांजलि

संवाददाता। रांची

विश्व भर में रविवार को दिगंबर जैन धर्मावलंबियों ने अपने सद्गुरु महामुनिराज आचार्य श्रीविद्यासागर जी को विनियांजलि दी. राजधानी के जेजे रोड स्थित दिगंबर जैन मंदिर में भी आचार्य प्रवर जी को विनियांजलि अर्पित करने के लिए बड़ी संख्या में समाज के लोग एकत्रित हुए. सुबह साढ़े आठ बजे ब्रह्मलीन गुरुवर आचार्यश्री की पूजा से सभा की शुरुआत हुई.अनुयायियों ने गुरुवर महामुनिराज की तस्वीर पर श्रद्धा के पुष्प अर्पित कर विनियांजलि देते हुए अपने उद्गार व्यक्त किये.

सभा का संचालन करते हुए कमल सेठी ने कहा कि पहले शांति आई, फिर ज्ञान का भंडार मिला, तब विद्या की प्राप्ति हुई और समय का संचार हुआ. प्रदीप बाकलीवाल ने वंदन करते हुए गुरुवर के प्रेरणादायक जीवन की गौरवगाथा और उनके गुणों पर प्रकाश डाला. जैन समाज के अध्यक्ष नरेंद्र गंगवाल ने कहा कि जिनशासन की शान विद्यासागर जो संपूर्ण विश्व के दिलों में बसते थे, वे करुणा की खान थे. मेघा गंगवाल ने गीत के माध्यम से विनयांजलि दी. जैन महिला जागृति की अध्यक्षा रेखा पांड्या ने कहा आचार्यश्री ने आत्मा से परमात्मा का रूप ग्रहण किया, वे चलते- फिरते तीर्थ थे. हमारे पुण्य का प्रताप ही है कि ऐसे महान संत का सान्निध्य इस युग में मिला.

समाज के पूर्व मंत्री सुभाष विनायक्या ने समंतभद्र स्वामी का चिंतन बताते हुए कहा आचार्यश्री संत शिरोमणि अर्थात सभी संतों की तपस्या में उच्च क्रिया, तपस्या करने वाले संत थे. सीए जितेंद्र छाबड़ा ने आचार्यश्री के जीवन दर्शन की चर्चा करते हुए कहा कि त्याग की प्रतिमूर्ति को शब्दों से विनयांजलि देना उत्कृष्ट नहीं, त्याग द्वारा से उनकी सच्ची विनयांजलि होगी. विनिता सेठी ने काव्य अंदाज में अपनी भावना प्रकट करते हुए कहा कि आचार्यश्री धर्म के लिए अडिग थे. हेमंत सेठी ने कहा- गुरुवर तुम कहां चले गए. इनके बाद शिल्पा बाकलीवाल, बबीता काशलीवाल, नरेन्द्र पांड्या, चंद्रकला पाटनी,रेखा जैन, अरविंद जी शास्त्री ने भी उदगार व्यक्त किए,

खास बातें

- सुबह साढ़े आठ बजे हुई ब्रह्मलीन गुरुवर की पूजा
- श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालु

न्यूज अपडेट

श्रीकृष्ण प्रणामी के अन्नपूर्णा भंडारे का आयोजन

रांची। श्रीकृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट और स्वामी सदानंद प्रणामी चैरिटेबल ट्रस्ट के साप्ताहिक अन्नपूर्णा भंडारे में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के बीच वृहत भंडारा चलाया गया. श्रीकृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम दिव्यांग आश्रम, पुंदाग में दिन के साढ़े 12 बजे से इसका आयोजन किया गया. इसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद रूप में स्वादिष्ट भोजन ग्रहण किया. के पर शोभा और निर्मल जालान की शादी की 52 वीं सालगिरह भी मनायी गयी. वरिष्ठ सदस्या विद्या देवी अग्रवाल ने दंपती के उज्ज्वल भविष्य का अशीर्वाद दिया. साथ ही अन्नपूर्णा भंडारे का स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया. रश्मि विनीत, ऋतिक दीपक, निकिता, रमन अग्रवाल, मनु जालान ने अपने माता-पिता की शादी की सालगिरह पर स्वादिष्ट भोजन और मिष्टान परोसा.

सड़क सुरक्षा सप्ताह कार्यक्रम का समापन

रांची। नेहरू युवा केन्द्र और एनएसएस विश्वविद्यालय के तत्वावधान में सड़क सुरक्षा सप्ताह एवं एक माह तक चलने वाले सड़क सुरक्षा कार्यक्रम का समापन रविवार को हुआ. सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान हुए विभिन्न महाविद्यालय में प्रतियोगिता में चयनित प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान लाने वाले को पुरस्कार दिया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक सीपी सिंह, विशिष्ट अतिथि रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजीत सिन्हा, पूर्व उपमहापौर संजीव विजयवर्गीय, झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष किशोर मंत्री, झारखंड राज्य समन्वयक डॉ ब्रजेश कुमार और पत्रकारिता विभाग के निदेशक बीपी सिन्हा थे. कार्यक्रम को एपीए गौरव चुघ, श्रवण कुमार, डॉ ओमप्रकाश, रजनीश, प्रणय आदि लोग उपस्थित थे.

जेसीआई के शिविर में 54 यूनिट रक्त संग्रह

रांची। जेसीआई रांची कार्यालय में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में सदस्यों ने रक्तदान कर 54 यूनिट रक्त संग्रह किया. रक्तदान करने वाले सभी लोगों को प्राउड डोनर का सर्टिफिकेट, नाश्ते का पैकेट एवं फ्रेश जूस उपलब्ध कराया गया. शिविर में रक्तदान के लिए पुरुषों के साथ ही साथ महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. मौके पर संस्था के अध्यक्ष विक्रम चौधरी ने कहा कि हमारा जीवन हमारे रगों में दौड़ रहा है और रक्तदान कर हम दूसरों का जीवन भी बचा सकते हैं. शिविर संचालक प्रवीण अग्रवाल ने कहा रक्तदान समाज सेवा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है. लोगों को जब रक्त की जरूरत पड़ती है, तब इस बात का अनुभव होता है कि रक्तदान हम सभी के लिए कितना महत्वपूर्ण है.

डॉ. आनंद शेखर बने मिथिला मंच के अध्यक्ष

रांची। झारखंड मिथिला मंच के कार्यालय में रविवार को सियाराम सरस की अध्यक्षता में आम सभा का आयोजन किया गया, जिसमें मंच की नयी कार्यकारिणी का गठन किया गया. इस क्रम में सर्वसम्मति से डॉ. आनंद शेखर झा को अध्यक्ष, मिथिलेश मिश्र को महासचिव और सुनील कुमार झा को कोषाध्यक्ष के रूप में चुना गया. मंच के मुख्य संरक्षक पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर बनाये गये. सभा में मंच के नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. आनंद शेखर झा ने 17 मार्च को होली मिलन समारोह को रंगारंग और पारंपरिक तरीके से मनाने की निर्णय किया. सभा में शशिचंद्र झा, पवन झा, मनोज झा, नीरज चौधरी, रेजेश राय, बिनोद झा, संजित झा, सुजीत झा, राधे यादव, निशिकान्त पाठक आदि उपस्थित थे.

मलखंब अकादमी में नामांकन के लिए चयन शिविर

रांची। धुर्वा के बंगीय सांस्कृतिक परिषद विद्यालय में झारखंड मलखंब अकादमी में नियमित अभ्यास के लिए सभी वर्ग के नामांकन के लिए चयन सह प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ हुआ. इस प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन झारखंड संघ के महासचिव सह निदेशक झारखंड मलखंब अकादमी के अजय झा ने किया. इस प्रशिक्षण शिविर के दौरान नए सत्र 2024-25 के लिए 60 बालक-बालिकाओं का चयन किया जाएगा, जो पूर्ण रूप से डे बोर्डिंग के अधीन होगा. इसके साथ झारखंड के दूसरे जिलों से 20 बालकों का चयन किया जाएगा. उन्हें अकादमी द्वारा निःशुल्क आवासीय व्यवस्था दी जाएगी. प्रशिक्षण शिविर के प्रथम दिन तीस बालक-बालिकाओं ने भाग लिया. इस प्रशिक्षण शिविर में मुख्य प्रशिक्षक अजय झा के द्वारा सर्वप्रथम सभी खिलाड़ियों को समतल जमीन पर योगासन का अभ्यास करने के उपरांत पोल मलखंब , रोप मलखंब , हैंगिंग मलखंब एवं पिरामिड के कौशल्य का बारीकियों से अभ्यास कराया.

सैनेटरीवेयर एसोसिएशन का रक्तदान शिविर

रांची। रांची सैनेटरीवेयर मर्चेंट्स एसोसिएशन (रास्मा) के तत्वावधान में रविवार को नागरमल मोदी सेवा सदन में ब्लड डोनेशन कैंप सह निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया. शुरुआत चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने की. शिविर में प्रोजेक्ट टीम के सदस्य आदित्य शर्मा, सौरव केडिया, हर्ष खंडेलवाल, अरुण शर्मा, अरविंद जालान, अनूप अग्रवाल, राजकमल, मनोज बंका, अजय गोयल, शीतल ओहदार व गौरव की देखरेख में 100 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया. मौके पर करीब 200 लोगों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच के बाद उन्हें हेल्थ कार्ड दिया गया. अध्यक्ष ललित केडिया, सचिव ओम प्रकाश सर्राफ, उपाध्यक्ष राजीव खंडेलवाल, कोषाध्यक्ष संजय सिंघानिया, उपाध्यक्ष अंजय सरावगी, पूर्व अध्यक्ष बीपी भुवालका मौजूद रहे.

ब्रह्माकुमारी का द्वादश ज्योतिर्लिंगम मेला शुरू

रांची। देवी मंदिर प्रांगण, डंगराटोली में रविवार को ब्रह्माकुमारी संस्थान, हरमू रोड का तीन दिवसीय द्वादश ज्योतिर्लिंगम मेला शुरू हुआ। रेवती रमण प्रसाद, विकास विजयवर्गीय, सीए आशीष खोवाल, बनवारी खिरवाल, अधिवक्ता पूनम कुमारी ने केन्द्र संचालिका ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन संग दीप प्रज्वलित कर इसका उद्घाटन किया. मौके पर मौजूद श्रद्धालुओं को अपना अशीर्वचन प्रदान करते हुए निर्मला बहन ने मेला के बारे में विस्तार से जानकारी दी.

सांसद संजय सेठ ने किया ब्रह्मर्षि सहजानंद भवन का शिलान्यास

संवाददाता। रांची

रांची के सांसद संजय सेठ ने रविवार को दलादली में सहजानंद ब्रह्मर्षि भवन का शिलान्यास किया. इस क्रम में उन्होंने ब्रह्मर्षि समाज के कार्यों की सराहना की. शिलान्यास समारोह की अध्यक्षता करते हुए दारोगा सिंह ने कहा कि निःसंदेह हमें अपने महापुरुषों का अनुयायी होना चाहिए. स्वामी सहजानंद सरस्वती एक महान संत और समाज सुधारक थे. उन्होंने अपेक्षा प्रकट की कि इस भवन के निर्माण में समाज के सभी लोगों को साथ मिलेगा. आगत अतिथियों का स्वागत आरयू के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. जे बी पाण्डेय ने किया. शिव कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया. कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता ब्रजेश शर्मा ने किया. मौके पर सांसद ने भवन निर्माण के लिए जमीन दाता कामेश्वर ओझा, जनार्दन ओझा एवं उमेश्वर ओझा को माला भेंट कर सम्मानित किया गया. मौके पर जदयू प्रदेश अध्यक्ष आशा शर्मा, सुजाता, नेहा सिंह, सुमन मिश्रा, उमेश राय, नीरज शर्मा, रामानुज शर्मा, डॉ अभिषेक रामाधीन, भीम प्रभाकर, राज कुमार, मैनेजर राय, रामकुमार चौधरी, अरुण शर्मा, रामाशीष सिंह, रमाकांत आनंद, धनंजय कुमार, अजय सिंह, धर्मेंद्र कुमार, मृत्युंजय शर्मा, शैलेश शर्मा, शशिकांत, शिव शंकर सिंह, रत्नेश कुमार एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे.

घुटनों की लाइव सर्जरी का सीधा प्रसारण

संवाददाता। रांची

डॉ रोहित लाल अस्पताल कडरू की ओर से दूरबीन विधि से घुटनों के इलाज को लेकर सम्मेलन का आयोजन किया गया. एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन रविवार को बीएनआर चाणक्य में किया गया. इस सम्मेलन में देश भर के चार जाने माने स्पेशलिस्ट डॉक्टर पहुंचे. जिनमें डॉ. एस.आर. सुंदरराजन (कोयंबटूर), डॉ. संदीप बिरारीस (मुंबई), डॉ. राजीव रमन (कोलकाता) और डॉ.गुरुदेव कुमार (पटना) शामिल हुए. डॉक्टरों ने सम्मेलन में अपने-अपने अनुभव साझा किये और एक दूसरे से घुटनों के लिगामेंट इंजरी को लेकर होने वाले इलाज के बारे में चर्चा की. डॉ. एस.आर. सुन्दरराजन, डॉ. संदीप बिरारीस, डॉ. राजीव रमन और डॉ. गुरुदेव कुमार ने घुटनों के लिगामेंट इंजरी के इलाज के बारे में बताया कहा कि यह इंजरी स्पोर्ट्स पर्सन में ज्यादा होता है. खेलने के वक्त चोट लगने या फिर घुटनों का मूवमेंट बिगड़ने की वजह से खिलाड़ियों में यह इंजरी हो जाता है जिससे खिलाडी का घुटना अनस्टेबल और कमजोर हो जाता है.

डॉ एस.एन.यादव ने कहा कि झारखंड खिलाड़ियों का प्रदेश है. यहां इस तरह के सम्मेलन की बहुत जरूरत थी. झारखंड के लोकल खिलाड़ियों को इसका फायदा मिलेगा. डॉ रोहित लाल ने कहा कि समय पर घुटनों की इंजरी का सफल इलाज नहीं हुआ तो खिलाड़ी आगे के खेल से वंचित हो सकते हैं. कई बार घटना रिप्लेसमेंट या फिर काटने तक की नौबत आ जाती है. इसका उपचार दूरबीन द्वारा किया जाता हैं. इस विधि द्वारा इलाज होने से मरीज को बहुत जल्द फायदा और आराम मिलता है. अगले ही दिन से मरीज़ चलने लगता हैं और सात से आठ दिनों में ग्राउंड में खेलने भी जा सकता हैं. इस विधि से मरीजों को बहुत ही आसानी से घुटने इंजरी की इलाज सफल तरीके से किया जा सकता है.

डॉ लाल अस्पताल कडरु में डॉ रोहित लाल के द्वारा ये सम्मेलन आयोजन किया गया. आज के इस आयोजन में डॉक्टर लाल हॉस्पिटल में पांच लाइव सर्जरी की गई. जिसका सीधा प्रसारण बीएनआर चाणक्या में डॉक्टर ने देखा. बहुत सारी सारा सर्जरी प्रतिष्ठित चिकित्सकों के द्वारा मुफ्त में किया जा रहा हैं. सम्मेलन में रांची के प्रतिष्ठित हड्डी रोग के विशेषज्ञ डॉक्टर शामिल हुए. स्पेशल गेस्ट और उल्लेखनीय योगदान में डॉ सुधीर कुमार डॉ एस.एन.यादव और एडीडीएल प्रो. डॉ गोविंद गुप्ता उपस्थित रहे.

आयोजन : अंजुमन प्लाजा में परहेपाट के मदरसा कुल्लियातुल बनात का शैक्षणिक प्रदर्शन सह वार्षिक समारोह

महिला शिक्षित होगी तो उसकी पूरी पीढ़ी होगी शिक्षित : सिद्दीकी

संवाददाता। रांची

कुल्लियातुल बनात परहेपाट रातु, रांची का शैक्षणिक प्रदर्शन और वार्षिक समारोह सह इनामी प्रतियोगिता का आयोजन रविवार को अंजुमन प्लाजा हॉल में हुई. इसकी अध्यक्षता रिटायर्ड डिप्टी लेबर कमिश्नर एवं बिहार राज्य मदरसा एजुकेशन बोर्ड के पूर्व सचिव शहनवाज अहमद ने की. इसकी शुरुआत तिलावत ए कुरआन के साथ हुई. मुख्य अतिथि के रूप में उद्योग और खान सचिव अबू बकर सिद्दीकी शामिल हुए. उन्होंने कहा कि महिला शिक्षित होगी तो उसकी पूरी मौजूदा पीढ़ी व आने वाली पीढ़ी शिक्षित होगी. इसलिए महिला के लिए तालीम पहली जरूरत है.

प्रति वर्ष 800 बच्चियां प्राप्त करती हैं शिक्षा : मौलाना नदवी

मदरसा के निदेशक सह प्राचार्या मौलाना अब्दुल्लाह नदवी कहा कि 25 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में मदरसा कुल्लियातुल बनात कार्य कर रहा है. यह मदरसा पूरे झारखंड में लड़कियों का अकेला सबसे बड़ा मदरसा है. जहां प्रतिवर्ष करीब 800 बच्चियां शिक्षा प्राप्त करती है, जहां दीनी शिक्षा के साथ साथ झारखंड एकेडमिक काउंसिल से मैट्रिक तक अपनी पढ़ाई पूरी कर रही हैं. उनमें 650 लड़कियां हॉस्टल में रहकर शिक्षा प्राप्त कर रही हैं. उन्होंने कहा कि ईद के बाद इस मदरसे में हिफ्ज विभाग भी शुरू की जायेगी. मदरसा कुल्ल्यातुल बनात की लड़कियां अपनी साल भर की शिक्षा का प्रदर्शन किया. शैक्षणिक प्रदर्शन में मदरसा में पढ़ने वाली लड़कियों ने एक से बढ़कर एक कार्यक्रम पेश किये. बेहतर स्पीच, नात, चित्रकला, सिलाई-कढ़ाई, कंप्यूटर प्रतियोगिता व अपनी कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राएं पुरस्कृत की गईं.

बच्चों की तालीम कल उनकी तकदीर बदलेगी: मौलाना हसन

मौलाना सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने कहा कि हर जमाने में तालीम की अहमियत रही. बगैर शिक्षा के हर चीज अधूरी है. शाहनवाज अहमद खान ने कहा कि शिक्षा के बदौलत आप ने जो कुछ सीखा है, उसे अपने जीवन में उतारे यह अहम है. मौके पर जैप हजारीबाग, कमांडेट मो अर्शी, रियाज अहमद, मुफ्ती सलमान कासमी, मुफ्ती तलहा नदवी, समी आजाद, हाजी मोख्तार अहमद, मौलाना शरीफ अहसन मजहरी, मौलाना साबिर मोहनपुरी, मो जुनैद आलम ने भी अपने विचार रखा. मौके पर मौलाना मौलाना रिजवान, मुफ्ती अनवर कासमी, डॉ एस्टी अहमद, डॉ एम अख्तर, मौलाना रफीक नदवी, मौलाना खुर्शीद, मौलाना एजाज, मौलाना सलीम उद्दीन, मौलाना तारिक, मौलाना अब्दुल मुबीन, मौलाना नसीम, अधिवक्ता सुलतान, अधिवक्ता सरफराज आदि शामिल थे. संचालन मौलाना शरीफ अहसन मजहरी ने किया.

ओरमांझी में वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव का कांग्रेस नेताओं ने किया नागरिक अभिनंदन, मंत्री ने कहा

गठबंधन सरकार में किसी भी वर्ग की उपेक्षा नहीं की जा रही है

संवाददाता। ओरमांझी

प्रखंड क्षेत्र बसाती गांव में कांग्रेस नेता रमेश उरांव की घर में झारखंड सरकार में पुनः वित्त मंत्री एवं खाद आपूर्ति मंत्री बनने पर रामेश्वर उरांव का नागरिक अभिनंदन किया गया. इस सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में लोग अभिनंदन समारोह में शामिल हुए.रमेश उरांव के नेतृत्व में वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव को जोरदार स्वागत किया. वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने समारोह में उपस्थित जन को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड सरकार ने आदिवासी मूलवासी एवं दबे पिछड़े सभी लोगों के लिए झारखंड सरकार की गठन हुई है. हमारे सरकार में किसी भी वर्ग की उपेक्षा नहीं की जा रही है . सभी क्षेत्रों में विकास शांति भाईचारगी एवं झारखंड प्रदेश उन्नति के लिए काम कर रही है . सरकार के कार्यकाल में जितना काम हुआ और जो काम अधूरा है उसको पूरा करने के लिए कटिबंध है. मंत्री ने यह भी कहा कि जिस आकांक्षा उम्मीद से गठबंधन सरकार को झारखंड की जानते ने वोट देकर के सरकार बनाने का काम किया है निश्चित रूप से जन भावनाओं को देखते हुए सरकार पूर्ण करने के लिए भी तत्पर हैं .

समस्याओं के निदान के लिए वित्त मंत्री तत्पर : रमेश उरांव

रमेश उरांव ने कहा कि ओरमांझी प्रखण्ड में जितना भी समस्याएं हैं . उसके निदान के लिए मंत्री तत्पर है और हमेशा ही सच्चाई और अच्छाई की राजनीति पर चलकर लोगों की सेवा करते रहे हैं . इस नागरिक अभिनंदन समारोह में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव लाल किशोर नाथ शाहदेव,डॉ राजेश कुमार गुप्ता, रोहित उरांव एवं कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने अपना विचार रखें . मौके पर मुख्य रूप से रमेश उरांव, सुरेश प्रसाद साहू, अशोक गुप्ता, संजय कुमार दुबे, रामटहल महतो, आजम खान, रहीम अंसारी,बलराम बेदिया, लक्ष्मण उरांव,गोपाल बेदिया, लाल मोहन बेदिया, दिनेश महतो, परमेश्वर भोक्ता, परमेश्वर गुप्ता, गोपाल बेदिया, देवेंद्र नाथ ठाकुर, ग्राम प्रधान सुखराम पहान, संगीता देवी, पूर्व मुखिया सुनीता देवी, बिरजू उरांव, मीना देवी, कुंती कुमारी मिजं, उर्मिला देवी, रीना देवी ,उषा देवी इत्यादि मुख्य रूप से उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

चुरी-सपही व दामोदर नदी से बालू का उठाव जारी

खलारी। खलारी थाना क्षेत्र के चुरी सपही नदी और दामोदर नदी से बालू माफियाओं के द्वारा अवैध रूप से बालू का उठाव निरंतर जारी हैं . स्थानीय प्रशासन एवं अधिकारियो के द्वारा बीच में खानापूर्ति को लेकर एक दो बालू लदे ट्रैक्टर पकड़ा तो जरूर जाते हैं लेकिन वह नजराना देकर आसानी से छूट भी जाते हैं . इन क्षेत्रों में बालू माफिया सारे नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए दिन के उजाले में दर्जनों ट्रैक्टर में बालू लोड करते कभी भी देखे जा सकते हैं. इधर इन बालू माफियाओं पर स्थानीय प्रशासन के द्वारा अवैध रूप से बालू उठाए जाने पर प्रतिबंध लगाने को लेकर कोई कारगर कदम नहीं उठाया जा रहा है.जिससे बालू माफियाओं का मनोबल बड़ा हुआ है . . चुरी, सपही नदी और दामोदर नदी से प्रतिदिन लगभग 50 से 60 ट्रैक्टर बालू का उठाव किया जाता है . इस बालू कोआसपास के समीपवर्ती क्षेत्र सहित समीप के शहरों में ऊंचे मूल्य पर बेचा जाता है . अवैध बालू उठाव से नदी का अस्तित्व भी समाप्त होने के साथ नदी में अवस्थित पुल के कभी भी धराशाई होने की संभावना बढ़ गई है .

पिपरवार में कार्यकर्ताओं ने सुनी प्रधानमंत्री के मन की बात

पिपरवार । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का 110 वां एपिसोड का प्रसारण पिपरवार भाजपा मंडल अध्यक्ष संजीव कुमार मिश्रा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता ने सुना. प्रधानमंत्री मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के संबोधन मे कृषि को बढ़ावा देने के लिए व किसानों की उपज दुगना करने सहित एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए कई अहम जानकारी दी जिससे स्वरोजगार के संसाधन केन्द्र सरकार द्वारा महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान कर महिलाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराए जाने के कई अहम जानकारियां दी गई . प्रधानमंत्री द्वारा मन की बात कार्यक्रम को पिपरवार भाजपा मंडल के सदस्यों ने कहा की यह मंतव्य काफी सराहनीय है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन को सुनन वालों में मंडल अध्यक्ष संजीव कुमार मिश्रा, मंडल कोषाध्यक्ष रामप्रसाद महतो,शक्ति केंद्र प्रमुख धनराज भोक्ता, सह संयोजक संजय कुमार भोगता, सूखी गंझु सहित कई भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे.

शिलापट पर नाम इस्तेमाल किये जाने पर सांसद को एतराज

मांडर । लोहरदगा सांसद सुदर्शन भगत ने मांडर में बगैर किसी सूचना के शिलान्यास कार्यक्रमों के शिलापट्ट में अपना नाम अंकित किये जाने पर कड़ा एतराज जताया है. इसे ओछी राजनीति करार दिया है. उन्होंने कहा है कि विकास कार्यों का श्रेय लेने की होड़ में उनके नाम का प्रयोग किया जाना उचित नहीं है. क्षेत्र में विकास के कुछेक कार्यों के शिलान्यास कार्यक्रमों में प्रोटोकॉल के अनुसार सांसद को सूचना देने की अनिवार्यता होती है. लेकिन ओछी राजनीति के तहत इसका अनुपालन नहीं किया जाना और उसे शिलापट्ट तक ही सीमित रखने की गलत परंपरा की शुरुआत की जा रही है. सांसद ने कहा है कि भाजपा कार्यकर्ताओं से उन्हें सूचना मिली कि मांडर में शनिवार को मांडर रेफ़रल अस्पताल परिसर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व कनभीठा में पुल निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया. जिसके शिलापट्ट में मेरा नाम अंकित किया गया है. लेकिन संबधित विभाग द्वारा मुझे इस शिलान्यास कार्यक्रम की किसी प्रकार की विधिवत सूचना नहीं दी गयी है. सूचना मिली होती तो मैं व्यक्तिगत रूप से या फिर मेरा कोई स्थानीय प्रतिनिधि वहां पर जरूर उपस्थित रहता.

फुटबॉल टूर्नामेंट का जेएस पब्लिक स्कूल बना चैंपियन

सोनाहातू। पंडाडीह मैदान में आयोजित एक दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट में जेएस पब्लिक स्कूल बारेंदा की टीम ने आदिवासी -मूलवासी कुकडु की टीम को एक गोल से हरा कर चैंपियन बना. फाइनल मुकाबला का उद्घाटन विधायक सुदेश महतो ने किया.विजेता टीम को कमिटी के अशोक महतो और अवधेश महतो ने नगद 71 हजार रुपए पुरस्कार में दिये. द्वितीय पुरस्कार 51 हजार नगद आदिवासी मूलवासी कुकड़ू की टीम को मधुसूदन प्रामाणिक और सुचाँद महतो ने दिया. मौके पर कमिटी के अनूप सिंह मुंडा,फुलकेश्वर पुरान,राहुल बटब्याल,शिवराम सिंह मुंडा,जशिम अंसारी,रामरंजन चटर्जी,मनीष साहू,दीपक पुरानआदि मौजूद थे.

पल्ली कैथोलिक सभा के सभापति चुने गए अजय जोसेफ टोप्पो

रांची । शहर के पुरुलिया रोड संत जोसेफ क्लब के सभागार में रांची पल्ली कैथॉलिक सभा की नयी कार्यकारिणी समिति (2024-2026) का चुनाव संत मरिया महागिरजाघर में हुआ. इसकी अगुवाई पल्ली पुरोहित श्रद्धेय फादर आनंद बेविड खलखो, अन्य पुरोहितगण, माताएं व सामलोग पल्ली के चुनाव पदाधिकारी अनील पन्ना और अलेक्सीयुस लकड़ा ने की. इस चुनाव में 16 टोलों के कैथोलिक सभा के चुने हुए 147 प्रतिनिधिगण एवं अन्य पल्ली के विश्वासी उपस्थित हुए. सभापति के उम्मीदवारों में अजय जोसेफ टोप्पो एवं प्रदीप कुजूर थे. इनमें अजय जोसेफ टोप्पो ने कुल 147 में 113 मत हासिल किये. विपक्षी प्रदीप कुजूर केवल 34 मत हासिल कर सके. इस प्रकार अजय जोसेफ टोप्पो रांची पल्ली कैथोलिक सभा के नये कार्यकारिणी समिति के सभापति चुने गये. बाकी सभी नौ पदों के उम्मीदवार निर्विरोध चुने गये. सभा के अंत में रांची पल्ली काथलिक सभा के नयी कार्यकारिणी समिति के नवनिर्वाचित सभापति अजय जोसेफ टोप्पो ने सभागार में उपस्थित सभी लोगों को संबोधित किये एवं अपना आभार व्यक्त कर धन्यवाद देते हुए सभा का समापन किया.

ब्रीफ खबरें

सदर थाना प्रभारी पर कार्रवाई की मांग

कांके। जनजाति सुरक्षा मंच के प्रदेश युवा संयोजक सन्नी उरांव ने मुख्यमंत्री से रांची के सदर थाना में पदस्थापित दरोगा लक्ष्मीकान्त पर कार्रवाई की मांग की है. उन्होंने कहा कि दरोगा लक्ष्मीकान्त ने कोकर रांची के पीड़ित मीना देवी और उनके परिजनों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग कर गाली गलौज दुर्व्यवहार किया है. जनजाति सुरक्षा मंच एवं आदिवासी.समाज इससे मर्माहत है. ऐसे पुलिसकर्मियों की वजह से समाज में पुलिस प्रशासन के प्रति असंतोष बढ़ता है,आदिवासी हित की दंभ भरने वाली झामुमो गठबंधन सरकार आरोपी दरोगा पर कार्रवाई नहीं करता है तो न्याय के लिए पीड़ितों के साथ मिलकर हम सभी मुख्यमंत्री के आवास का घेराव करेंगे .

पूर्व पंसस की पत्नी के ब्रहाभोज में शामिल हुए भाजपा कार्यकर्ता

पिपरवार। बेंती पंचायत के पूर्व पंसस सुखी गंझु की धर्मपत्नी के ब्रह्मभोज कार्यक्रम में शामिल हुए पिपरवार भाजपा मंडल कार्यकर्ता . रविवार को भाजपा मंडल अध्यक्ष संजीव कुमार मिश्रा सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ताओं ने बेटी पंचायत के पूर्व पंचायत समिति सदस्य सुखी गंझु की धर्मपत्नी के ब्रह्मभोज कार्यक्रम में शामिल होकर उनके चित्र पर श्रद्धांजलि दी . इस मौके पर भाजपा पिपरवार मंडल अध्यक्ष संजीव कुमार मिश्रा, मंडल कोषाध्यक्ष रामप्रसाद महतो,शक्ति केंद्र प्रमुख धनराज भोक्ता, सह संयोजक संजय कुमार भोगता सहित कई भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे.

पिठोरिया के जंगल में भालुओं की लगातार हो रही मौत से मचा हड़कंप

पुसू जंगल में दो भालुओं के शव मिले

संवाददाता। कांके/पिठोरिया

पुसू जंगल से रविवार को दो और भालुओं के शव मिलने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मचा है. वहीं ग्रामीणों की माने तो जंगल में और भालुओं के शव होने की आशंका है,रेंजर जितेंद्र कुमार ने बताया कि ग्रामीणों से मिली सूचना के आधार पर जंगल से दो भालुओं के शव व खाल बरामद किया गया है. बरामद शव एक माह पुराना हो सकता है. जिसका नमूना फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है. वहीं चार दिन पहले रेस्क्यू किया गया भालू अंततः जिंदगी की जंग हार गया है. वहीं रविवार को क्षेत्र में और 2 भालुओं का मृत शरीर मिला,और अन्य की तलाश की जा रहा है.जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है.ग्रामीणों की माने तो अभी और भालुओं का मृत शरीर क्षेत्र के जंगलों में है. लगातार भालुओं के शव मिलने के बाद भी फॉरेंसिक टीमों का वहां नहीं पहुंचना एक बड़ा सवाल खड़ा करता है?

पुसू गांव में सैकड़ों एकड़ के जंगल में बसे है वन्यप्राणी : क्षेत्र में लकड़बघा, तेंदुआ ,हिरण मोर, भालू, खरगोश, शाही, पेंगोलीन, सांप जैसे जानवरों का है. बसेरा पिठोरिया के पुसू के जंगलों में है, इस क्षेत्र को रिजर्व एरिया घोषित किया जाना चाहिए था,बावजूद क्षेत्र वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर खिलवाड़ किया जा रहा है,विभाग इनकी सुरक्षा को लेकर उदासीन रवैया बनया हुए है.

हाथियों का कोरिडोर : हाथियों का कोरिडोर है पिठोरिया के कुसु गांव, जहां लगातार हाथियों का आना जाना लगा रहता है बावजूद उक्त क्षेत्र में लगातार हो रहे निर्माण कार्य ने ग्रामीणों को अचम्भे में डाल दिया है. ग्रामीणों का कहना है की जिस और से हाथियों का आना जाना होता है वहां निर्माण कार्य चल रहा है. तो इनका रास्ता बंद हो जायेगा, जिससे हाथी और ज्यादा एग्रेसिव होंगे, जिसका खामियाजा हम ग्रामीणों को भुगतना पड़ेगा.आखिर अब हाथियों का आना जाना कैसे होगा और किधर से होगा यह बड़ा सवाल लोगों के जेहन मे कोंध रहा है.वहीं आज की घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में कई तरह की चर्चा चल रही है.

जल्द मामले की पूरी जांच कराएंगे : रेंजर

क्षेत्र के रेंजर जीतेन्द्र कुमार का कहना है की एक भालू को रेस्कयू कराया गया था. जिसकी मौत हो चुकी है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही कुछ भी कहा जा सकता है और भालुओं की मौत का पता चला है मैंने फॉरेनसिक जांच के लिए कहा है. थाना में मामला दर्ज करने को भी कहा है, जल्द मामले पर पुरी जांच होंगी.

वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन मद में करोड़ों खर्च

सरकार वन्य जीव सुरक्षा को लेकर लगातार प्रयास कर रही है इसके लिए वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन के तहत करोड़ों रुपया खर्च भी कर रही है. धरातल पर इसका सदुपयोग कितना किया जा रहा है. यह तो पिठोरिया में हुए भालुओं की लगातार मौत ने खोल दी है.वहीं जगंल से लगातार जानवरों की मौत ने लोगों के जेहन में कई सवाल खड़े कर दिए है.सरकार से क्षेत्र को वन्य जीव संरक्षण क्षेत्र घोषित करने की मांग की है.

पिठोरिया वैली सिटी के निर्माण से होगा नुकसान

पहाड़ों व जंगलों के बीच पिठोरिया वैली सिटी के निर्माण से वहां रहे वन्य जीवों को नुकसान पंहुच रहा है. अभी तक दर्जनों भालुओं की मौत हो चुकी है. स्थानीय लोगों का कहना है कि वन अधिनियम के अनुसार वन क्षेत्र के 500 मीटर के बाद ही कोई भी निर्माण कार्य होना चाहिए, बावजूद जंगल से सटे क्षेत्र में निर्माण कार्य को मंजूरी कैसे मिली और किसने दी, इसकी जांच करा कर आगे की कार्रवाई की जानी चाहिए.

सड़क निर्माण कार्य का अर्जुन मुंडा ने किया शिलान्यास

सरकार का उद्देश्य किसानों को सशक्त बनाना: कृषि मंत्री

संवाददाता। तमाड़

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत बनने वाली सड़क का रविवार को केंद्रीय मंत्री सह खूंटी सांसद अर्जुन मुंडा ने नारियल फोड़ कर शिलान्यास किया. 22.11 करोड़ रुपया की लागत से बनने वाली यह सड़क रायडीह मोड़ से पालना होते हुए भुइयांडीह तक लगभग 20 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जायेगा. इसके पश्चात प्रखंड परिसर में नव निर्मित आजिविका महिला स्वयं सहायता समूह के सामुदायिक भवन का केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने फीता काट कर उदघाटन किया. वहीं दिउड़ी स्थित पतरा में आयोजित भारत सरकार द्वारा संचालित रुबेल तथा आई सी आर के तहत किसान प्रशिक्षण शिविर को संबोधित किए . अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसानों को सशक्त बनाना और उनकी आजीविका में सुधार करना है.

काली कमाई में सफेदपोशों की हिस्सेदारी

प्रिंस खान के खिलाफ ईडी की जांच में खुलासा, जल्द होगी चार्जशीट

शुभम संदेश टीम। रांची/धनबाद

दुबई में छुपे धनबाद के अपराधी प्रिंस खान की परेशानी और बढ़ी है. धनबाद पुलिस के आग्रह पर इंटरपोल के रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने के बाद ईडी ने प्रिंस खान पर केस दर्ज कर दिया है. अब ईडी ने चार्जशीट फाइल करने की तैयारी शुरू कर दी है. ईडी की प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि प्रिंस खान के अपराध की कमाई से गैंग मेंबर्स और परिवार के सदस्यों को लाभ हुआ है. गैंग के साथ ऑपरेट करने वालों में कुछ सफेदपोश नाम भी सामने आ रहे हैं. बता दें कि भारत में इंटरपोल की नोडल एजेंसी सीबीआई होती है. धनबाद पुलिस ने उसी के माध्यम से प्रिंस खान मामले रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवाया था. अब ईडी धनबाद पुलिस के अलावा अलग से रेड कॉर्नर नोटिस के लिए सीबीआई को जल्द ही आग्रह कर सकती है.

दरअसल प्रिंस खान इन दिनों धनबाद में आतंक का पर्याय बना हुआ है. व्यवसायियों, कोयला कारोबारियों, चिकित्सकों व अन्य संपन्न लोगों को धमकी देना और गोलियों की बौछार से दहशत फैलाना उसका शौक बन गया है. उसके गुर्गे कभी सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर, कभी चिट्ठी डाल तो वीडियो वायरल कर गोलीबारी की जिम्मेदारी भी लेते हैं. विभिन्न माध्यमों से जारी उनके गुर्गे संदेश देते फिर रहे हैं कि छोटे सरकार की बात मान जाओ, वरना जान से हाथ धो बैठोगे. वह पुलिस को भी खुली चुनौती दे रहे हैं. आतंक व दहशत फैलाने में उसने एक समय के चर्चित गैंग ऑफ वासेपुर के सरगना फहीम खान को भी पीछे छोड़ दिया है. धनबाद पुलिस बार-बार प्रिंस खान को गिरफ्तार करने का आश्वासन तो देती है, लेकिन उसकी परछाईं तक का पता लगाने में नाकाम है.

प्रिंस के 5 दर्जन साथियों को जेल भेज चुकी है पुलिस : धनबाद पुलिस प्रिंस खान के गिरोह पर नकेल कसने के लिए पांच दर्जन सहयोगियों को जेल की हवा खिला चुकी है. इनमें कई लोग ऐसे थे, जो रंगदारी की रकम लेने से लेकर उनके लिए रैकी और फायरिंग करने का भी काम करते थे. बावजूद इसके गैंग का नेटवर्क खत्म नहीं हो पाया है. रंगदारी मांगे जाने के मामले अक्सर सामने आ ही जाते हैं. प्रिंस के खिलाफ न सिर्फ पुलिस बल्कि सरकार और ईडी तक ने कोशिशें जारी कर दी है.

प्रिंस खान पर जितनी बढ़ी कड़ाई, उतना बढ़ा दबदबा

पुलिस कहती है कि जल्द ही प्रिंस खान को पकड़ लिया जायेगा, उसके गिरोह को तोड़ दिया गया है. मगर इस दावे के विपरीत प्रिंस खान का दबदबा बढ़ता ही जा रहा है. कभी व्यवसायियों को धमकी, तो कहीं घर के बाहर फायरिंग. प्रिंस खान वीडियो जारी कर धनबाद के एसएसपी को चुनौती देते भी देखा गया है. उसकी इस हरकत से व्यवसायी वर्ग खौफ में हैं. एक धारणा बन गयी है कि जो अपराधी पुलिस के बड़े अधिकारी को ललकार सकता है, वह आम लोगों के लिए तो काल बन कर ही सामने आयेगा. वह खुलेआम नाम लेकर कहता है कि अगला निशाना कौन होगा. कुछ हद तक निशाने पर वार भी करता है. लगभग एक साल से प्रिंस खान पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ है. हालांकि पुलिस ने उसके कई गुर्गों को जेल भेजने में कामयाबी हासिल की है, मगर खौफ कायम है.

आयोजन साईं मंदिर से निकलेगी शिवरात्रि पर भगवान भोलेनाथ की भव्य बारात

नई कमेटी सभी के साथ मिलकर काम करेगी : कंचन उरांव

संवाददाता। लापुंग

लापुंग के प्रसिद्ध घघारी बाबा धाम में आठ मार्च को महाशिवरात्री महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा. इस दौरान साईं मंदिर से निकलेगी भगवान भोलेनाथ का भव्य बारात और घघारी बाबा धाम में बारातियों का होगा भव्य स्वागत. घघारी बाबा प्रबंधन समिति की नई कमिटी की पहली बैठक नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजकमल गोप की अध्यक्षता तथा सचिव संजय कुमार महतो के संचालन में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया. इस मौके पर राजकमल गोप ने कहा कि घघारी बाबा धाम में महाशिवरात्रि महोत्सव पूरी धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा. इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि लापुंग के प्रखंड प्रमुख कंचन उरांव ने कहा कि घघारी बाबा धाम की नई कमिटी नए जोश एवं उमंग के साथ मिलकर काम करेगी और घघारी बाबा धाम एवं जलप्रपात को भव्य धार्मिक एवं प्राकृतिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा. उन्होंने कमेटी के नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी. वहीं देवगांव पंचायत के पूर्व मुखिया संतोष तिर्की ने कहा कि देवगांव पंचायत ही नहीं बल्कि आसपास के दर्जनों गांवों के श्रद्धालु एवं ग्रामीणों के संयुक्त प्रयासों से घघारी बाबा धाम में आयोजित होने वाला हर कार्यक्रम भव्य एवं सफल होगा. बैठक के दौरान समाजसेवी दशरथ तिर्की ने कहा कि महाशिवरात्रि महोत्सव के आयोजन को सफल बनाने सभी लोगों को अपनी-अपनी भूमिका निभानी होगी. बैठक के दौरान महाशिवरात्रि महोत्सव के लिए अलग-अलग विभागों की अलग-अलग कार्यकर्ताओं को दी गई जिम्मेवारी. बैठक के दौरान मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष सेवक सिंह, पूर्व अध्यक्ष गंगाधर साहु, पूर्व सचिव देवेंद्र वर्मा, पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष राजधन शेखर सिंह, सुनील उरांव, मनोज उरांव, रंजीत महतो, भुवन महतो, नकुल राम महथा, श्यामलाल शेखर सिंह, हीरालाल शेखर सिंह, मनबोध सिंह, रामनारायण शेखर सिंह, ऋषि राज सिंह, महावीर महतो, बुधराम लोहरा, रामशंकर पाठक, राजेश पाठक, आदि लोग शामिल थे.

बैल को खोजने निकले बुजुर्ग को हाथी ने कुचल कर मार डाला

संवाददाता। बेड़ो

बेड़ो थाना क्षेत्र के हरिहरपुर जामटोली पंचायत अन्तर्गत खुरहाटोली मसना के पास अपने बैल को खोजने निकले 55 वर्षीय मरटु मुंडा को जंगली हाथी ने कुचल कर मार डाला. घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई. घटना शनिवार रात लगभग 11 बजे की है. शाम तक उसका एक बैल वापस नहीं लौटा, तो उसकी खोज में मरटु मुंडा नदी की ओर निकल पड़ा. तब तक उसे पता नहीं था की जंगली हाथी का इस क्षेत्र में आगमन हो चुका है. इसी दौरान अचानक एक जंगली हाथी ने उस पर हमला कर दिया. मौके पर ही उसकी मौत हो गई. इसकी जानकारी घर में लोगों को रविवार की सुबह मिली. जब लोगों ने अहले सुबह मरटु मुंडा के शव को देखा, तब गांव में कोहराम मच गया. मृतक की पत्नी पाल्हो मुंडाईन और उसके बेटे रामपाल मुंडा, विजय मुंडा तथा प्रकाश मुंडा व बेटियों शनियारों एवं जीतन को जब घटना की जानकारी मिली तो परिवार के लोगों के ऊपर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा. सभी परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. सूचना मिलने पर देवगांव पंचायत के समाजसेवी दशरथ कुमार तिर्की, सुनील उरांव, खुरहाटोली गांव के समाजसेवी रमेश मुंडा, बेड़ो के समाजसेवी भोला उरांव एवं हरिहरपुर जामटोली के पूर्व मुखिया सुनील कच्छप मौके पर पहुंचे और उन्होंने वन विभाग को घटना की जानकारी दी. घटना की जानकारी जंगल में आग की तरह चारों ओर फैल गई.

लोस चुनाव

हजारीबाग सीट में आजसू की दिलचस्पी

प्रवीण कुमार। रांची

एनडीए के घटक दल आजसू को लोकसभा चुनाव में ऊबड़-खाबड़ रास्तों से आगे निकलना होगा. हालांकि आजसू कई कार्यक्रमों के साथ मिलन समारोह के बहाने अपने जनाधार को बढ़ाने में जुटी है. राज्य में अगर क्षेत्रीय दलो की बात की जाए तो आजसू पार्टी ही एक मात्र राज्य में पंजीकृत क्षेत्रीय दल है जो अलग- अलग मुद्दों पर सालोंभर गतिविधियां जारी रखती है. अलग-अलग मुद्दों को लेकर राज्यस्तरीय अभियान भी चलाती है. एक समय आजसू पार्टी ने राज्य को विशेष राज्य का दर्ज दिलाने के लिए बड़ा अभियान चलाया, लेकिन आज यह मुद्दा पार्टी के एजेंडे में नहीं दिखता. ओबीसी अरक्षण के सवाल पर भी पार्टी मुखर जरूर हुई, लेकिन मामला मुकाम तक नहीं पहुंचा.

राजनीति के ऊबड़-खाबड़ रास्तों से आजसू को निकलना होगा आगे

- आजसू के लिए आसान नहीं है गिरिडीह से हजारीबाग स्विच करना
- विशेष राज्य का मुद्दा आजसू के एजेंडे से हुआ गयाब

गठवंधन को लेकर आजसू नहीं खोल रही पत्ते

आजसू पार्टी मिलन समारोह सहित पार्टी की विभिन्न गतिविधयों से जनाधार बढ़ाने का प्रयास कर रही है. लेकिन सीट शेयरिंग पर अब तक कोई बड़ा बयान पार्टी की ओर से नहीं आया है. राजनीति के गलियारों में चर्चा इस बात की हो रही है कि आजसू गिरिडीह छोड़ हजारीबाग सीट में दिलचस्पी दिखा रही है. साथ ही रांची लोकसभा सीट पर भी पार्टी की नजर है. लोकसभा चुनाव में पार्टी दो सीटों पर दवेदारी कर सकती है. वहीं इस बात का पार्टी को भी इल्म है कि वह अगर अधिक सीटो की मांग करेगी तो वह पूरी नहीं होगी. पार्टी विधानसभा चुनाव में ज्यादा सीटें मिल सकें, इसलिए लोकसभा में दो या दो से अधिक सीटों पर दावेदारी कर अपना पलडा एनडीए में भारी करना चहती है. बताते चलें कि 2019 में पहली बार बीजेपी ने आजसू के साथ लोक सभा चुनाव गठबंधन में लड़ा था. राज्य की 14 में से 11 सीटें बीजेपी और एक सीट आजसू ने जीती थी. इस बार भी दोनों पार्टियों के मिल कर चुनाव लड़ने की संभावना है. गिरिडीह संसदीय सीट से आजसू पार्टी प्रत्याशी चंद्रप्रकाश चौधरी भी विजयी रहे. पांच साल के बाद अब आजसू पार्टी और बीजेपी नेता सीट की अदला-बदली करने पर विचार कर रहे हैं. दोनों दलों के नेता इस बदलाव में अपने फायदे की तलाश कर रहे हैं.

आजसू का हजारीबाग संसदीय क्षेत्र में प्रभाव

हजारीबाग संसदीय क्षेत्र के आने वाले रामगढ़ विधानसभा सीट से अभी आजसू पार्टी की सुनीता देवी विधायक हैं. वहीं रामगढ़ सीट से चंद्रप्रकाश चौधरी भी तीन बार चुनाव जीत चुके हैं. वहीं हजारीबाग संसदीय क्षेत्र के बड़कागांव और मांडू विधानसभा चुनाव में भी पिछले चुनाव में आजसू पार्टी ने दमदार उपस्थिति दर्ज कराई थी. यही कारण है कि चंद्रप्रकाश चौधरी अपनी परंपरागत सीट की ओर लौटना चाहते हैं. वहीं गिरिडीह सीट का पांच बार प्रतिनिधित्व कर चुके बीजेपी के पूर्व सांसद रबीन्द्र पांडेय भी चाहते हैं कि आजसू पार्टी के हजारीबाग शिफ्ट हो जाने से वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्हें फायदा मिल सकेगा.

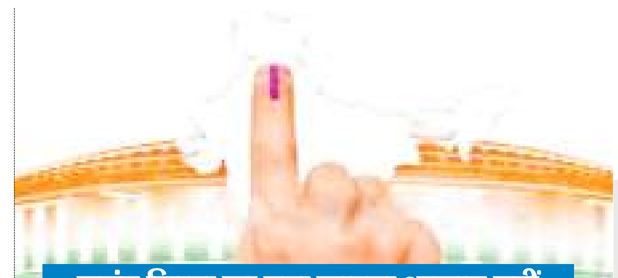

जयंत सिन्हा का पत्ता काटना आसान नहीं

हजारीबाग सीट से भले ही आजसू पार्टी की ओर से अपनी दावेदारी की जा रही है. लेकिन केंद्रीय नेतृत्व के सामने जयंत सिन्हा का प्रोफाइल बड़ा है. पार्टी के अंदर उनकी पहचान वित्तीय मामलों के वरिष्ठ नेताओं की है. केंद्रीय नेतृत्व उन्हें वित्तीय मामलों में बड़ी जिम्मेदारी देता रहा है. वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की टास्क टीम का हिस्सा हैं. जबकि जयंत सिन्हा बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के भी करीबी माने जाते हैं. ऐसे में पार्टी के कुछ नेताओं का मानना है कि जयंत सिन्हा का पत्ता काटना आसान नहीं होगा.

मनीष जायसवाल, जेपी पटेल और मनोज यादव की दावेदारी

- कांग्रेस विधायक दल के पूर्व नेता हजारीबाग के अलावा चतरा के लिए भी दावेदारी कर रहे हैं

हजारीबाग सीट से जयंत सिन्हा जहां लगातार तीसरी बार चुनाव मैदान में हैट्रिक बनाने की रणनीति तैयार में जुटे हैं. वहीं बीजेपी के अंदर ही जयंत सिन्हा को बड़ी चुनौती मिल रही है. हजारीबाग सदर के बीजेपी विधायक मनीष जायसवाल, मांडू विधायक जेपी पटेल और पूर्व विधायक मनोज यादव की ओर से भी अपनी दावेदारी पेश की जा रही है. कांग्रेस विधायक दल के पूर्व नेता हजारीबाग के अलावा चतरा सीट के लिए भी दावेदारी कर रहे हैं. वहीं पूर्व सांसद यदुनाथ पांडेय भी ताल ठोंक रहे हैं. इसके अलावा आईएएस कोचिंग चलाने वाले एके मिश्रा भी भाग्य आजमाना चाहते हैं.

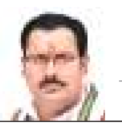

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष षष्ठ भाव में चंद्रकेतु है. किसी से ऋण लेने से पहले सोच विचार कर लें. सरकारी कार्यालयों में रुके काम मनोनुकूल रहेंगे. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रह सकती है. लेन-देन में जल्दबाजी बिलकुल न करें.

वृषभ शिक्षा में कोई लापरवाही नहीं करें. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें. शारीरिक हानि की आशंका है. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. हनुमानजी को चमेली तेल व सिंदूर अर्पण करें.

मिथुन माता को हड्डी संबंधित बाधा हो सकती है. स्थिति अनुकूल होगी. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. निर्णय सोच कर ले, शत्रुभय रहेगा. धनहानि हो सकती है. भावना पर नियंत्रण रखें. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. निवेश शुभ रहेगा.

कर्क अच्छी आय होगी. कोई छोटी और सुलभ यात्रा का योग है. मानसिक उलझन दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में चैन रहेगा. किसी पुरानी बीमारी से परेशानी हो सकती है. नए मित्र बनेंगे. विवेक का प्रयोग करें.

सिंह आपके व्यवहार से सामाजिक सरोकार बढ़ेगा. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा. लगन और मेहनत से धनार्जन होगा. समय उत्तम है. इसका लाभ लें. गाय को भोजन दें.

कन्या कार्य करने पर आय होगी, पर दौड़धूप अधिक रहेगी. लाभ के अवसर हाथ से निकल सकते हैं. कार्य होगा, जिससे आय में निश्चितता रहेगी. किसी नये कार्य का जोखिम न लें. गणेश जी का पूजन ध्यान करें.

तुला कार्य नहीं बनने से मन खिन्न होगा. पर थोड़े प्रयास से रुके कार्य बनेंगे. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. समाजसेवा करने की प्रेरणा प्राप्त होगी. मान-सम्मान मिलेगा. आय के नए स्रोत प्राप्त होंगे. धन प्राप्ति सुगम होगी.

वृश्चिक आय का अच्छा स्रोत मिलेगा. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. घर में मेहमानों का आगमन हो सकता है. व्यय होगा. शुभ समाचार प्राप्त होगा. घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल बनेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. संतान पक्ष की चिंता रहेगी.

धनु थकान व कमजोरी रह सकती है. अप्रत्याशित लाभ की संभावना है. व्यावसायिक यात्रा लंबी हो सकती है. लाभ होगा. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. भाग्य की अनुकूलता बनी रहेगी. अन्न का दान करें.

मकर कोई अप्रत्याशित खर्च सामने आ सकता है. आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है. किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है. अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा. कुछ कार्य नहीं होने से चिंता तथा तनाव रहेंगे. आय बनी रहेगी.

कुंभ कार्य का तनाव रह सकता है. बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. नए काम मिल सकते हैं. आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. उत्साह व प्रसन्नता रहेगी. शनि को खुश करें.

मीन जीवनसाथी से किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है. व्यापार के माध्यम से आय अच्छी होगी. कार्य में तत्काल लाभ नहीं मिलेगा. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. आय के नए स्रोत प्राप्त होने के योग हैं. मित्रों व रिश्तेदारों की सहायता कर पाएंगे.

पीएम ने योजनाओं का किया शिलान्यास

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को गुजरात के राजकोट से झारखंड की 138.17 करोड़ रुपये की 9 स्वास्थ्य परियोजनाओं का ऑनलाइन शिलान्यास किया. इसमें रिम्स, रांची के अलावा गढ़वा व पाकुड़ के जिला अस्पतालों में 50-50 बेड (प्रति सीसीयू 23.75 करोड़) एवं गिरिडीह जिला अस्पताल में 44.5 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले 100 बेड के क्रिटिकल केयर ब्लॉक का शिलान्यास शामिल है. साथ ही देवघर जिले में 242.88 लाख की लागत से बनने वाले तीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का भी शिलान्यास किया. इसके अलावा 20 करोड़ की लागत से बनने वाले फूलो झानो मेडिकल कॉलेज, दुमका और कोडरमा मेडिकल कॉलेज, कोडरमा से संबद्ध बीएससी नर्सिंग कॉलेज का भी शिलान्यास किया.

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने धनबाद ने किया पार्टी कार्यालय का उद्घाटन

राज्य में अबुआ आवास के नाम पर सिर्फ भ्रष्टाचार : बाबूलाल

खास बातें

- चार को प्रखंड मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन करेगी भाजपा
- एक मार्च को धनबाद का दौरा करेंगे पीएम मोदी

संवाददाता। धनबाद

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को धनबाद की हाउसिंग कॉलोनी में लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए पार्टी के कार्यालय का उद्घाटन किया. उद्घाटन के बाद समारोह को संबोधित करते हुए मरांडी ने कहा कि राज्य में जब से नई सरकार बनी है, राज्य पूरी तरह भ्रष्टाचार में लिप्त हो गई है. सरकार अबुआ आवास देने के नाम पर सिर्फ वसूली कर रही है. सरकारी कार्यालयों में बिना पैसा दिए कोई काम नहीं हो रहा है. इस करप्शन के खिलाफ भाजपा राज्य के सभी प्रखंड मुख्यालयों पर 4 मार्च को धरना-प्रदर्शन करेगी. उन्होंने सांसद, विधायक समेत कार्यकर्ताओं से 4 मार्च के आंदोलन को सफल बनाने की अपील की साथ ही प्रधानमंत्री के एक मार्च के दौरे के बारे में सभी गांव, टोला और मोहल्लों में जाकर जानकारी देने को कहा. उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या के राम मंदिर में राम लला की स्थापना के बाद से देश में काफी परिवर्तन आया है, एक अलग माहौल बना है. मरांडी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद पहली बार प्रधानमंत्री का झारखंड आगमन हो रहा है इसलिए झारखंडी अपनी पारंपरिक वेश-भूषा, ढोल-नगाड़े, गाजे-बाजे के साथ भारी तादाद में पहुंचकर उनका स्वागत करें. मौके पर धनबाद विधायक राज सिन्हा, बोकारो विधायक बिरंची नारायण, निरसा विधायक अपर्णा सेनगुप्ता, बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो, प्रदेश मंत्री गणेश मिश्रा, सरोज सिंह, सत्येंद्र कुमार, सुरेश साहू, रोहित लाल सिंह, जिला अध्यक्ष श्रवन राय, ग्रामीण जिला के पूर्व अध्यक्ष ज्ञान रंजन सिन्हा, हरिप्रकाश लाटा, रागिनी सिंह, सिंदरी विधायक इंद्रजीत महतो की पत्नी तारा देवी, संजीव अग्रवाल, रमेश राही आदि उपस्थित थे.

पीएम के कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाया जाएगा : सांसद पशुपतिनाथ

स्थानीय सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने कहा कि धनबाद लोकसभा सीट भाजपा के लिए चुनाव में गारंटी वाली सीट है. इसलिए पीएम के कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाया जाएगा. इस दौरान पीएन सिंह ने इस बार 400 पार, अबकी बार फिर से मोदी सरकार का नारा लगाया. कार्यालय उद्घाटन के बाद बाबूलाल मरांडी सहित सभी नेताओं व कार्यकर्ताओं ने पीएम के मन की बात भी सुनी.

सीयूजे का दीक्षांत समारोह 28 को 67 छात्रों को मिलेंगे गोल्ड मेडल

संवाददाता। रांची

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड का तीसरा दीक्षांत समारोह 28 फरवरी को होगा. भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगी. दीक्षांत समारोह में 1539 छात्र-छात्राओं को डिग्री दी जाएगी. इसके अलावा 67 छात्रों को गोल्ड मेडल, तीन छात्रों को चांसलर मेडल और 35 को पीएचडी की उपाधि दी जाएगी. छात्रों के लिए ड्रेस कोड सफेद कुर्ता-पजामा और छात्राओं के लिए साड़ी रखा गया है. इस बात की जानकारी सीयूजे के कुलपति प्रोफेसर क्षिति भूषण दास ने दी.

दीक्षांत समारोह की सारी तैयारी पूरी

कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने बताया कि दीक्षांत समारोह की सारी तैयारी पूरी कर ली गयी हैं. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दीक्षांत समारोह कार्यक्रम में एक घंटा तक रुकेंगी. इस दीक्षांत समारोह में झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, भारत की शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी के चांसलर समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे. बताया कि विश्वविद्यालय काफी उन्नति कर रहा है.

न्यूज अपडेट

राज्य की पांच खिलाड़ी भारतीय टीम में चयनित

रांची। नेपाल में एक से 10 मार्च तक आयोजित बालिका सैफ अंडर 16 फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा रविवार को हई. ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के द्वारा चयनित टीम में झारखंड की पांच खिलाड़ियों को शामिल किया गया, जिसमें अनिता डुंगडुंग, सुरज मुनी कुमारी, एलिजा बेथ लकड़ा (आवासीय बालिका फुटबाल प्रशिक्षण केंद्र इंडोर स्टेडियम गुमला), अनुष्का कुमारी (आवासीय बालिका फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र,हजारीबाग), दिब्यानी लिंडा (रांची) शामिल हैं. इनके चयन पर खेल सचिव मनोज कुमार, खेल निदेशक सुशांत गौरव, खेल विभाग के पदाधिकारियों,झारखंड फुटबॉल संघ के अधिकारी, साई रांची के विनोद सिंह, राज्य के खेल प्रशिक्षकों समेत अन्य खेल प्रेमियों ने शुभकामनाएं दी.

नक्सलियों की तलाश में जंगल में घुसी फोर्स

किरीबुरु। टोंटो व गुआ सीमांत थाना अन्तर्गत सारंडा व कोल्हान आरक्षित वन क्षेत्र के जंगलों में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के खिलाफ आपरेशन तेज कर दिया है. ग्रामीण सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार 24-25 फरवरी की मध्य रात्रि कोबरा, सीआरपीएफ व झारखंड पुलिस के सैकड़ों पदाधिकारी व जवान अचानक विभिन्न वाहनों पर सवार होकर गुआ थाना क्षेत्र के नक्सल प्रभावित जंगलों में पहुंचे तथा तीन अलग-अलग टुकड़ियों में बंट कर गुआ व रोवाम के बीच से जंगल के अंदर प्रवेश किया. इन जवानों को ग्रामीणों ने कारो नदी को पार कर टोंटो थाना क्षेत्र अन्तर्गत कोल्हान जंगल में भी जाते देखा गया.

राज्यपाल से मिले दक्षिण पूर्व रेलवे मंडल प्रबंधक

रांची। दक्षिण पूर्व रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक जेएस बिंद्रा ने रविवार को राजभवन में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की.इस दौरान चक्रधरपुर के अपर रेल प्रबंधक, विनय कुजूर भी मौजूद थे. राजभवन ने इसे शिष्टाचार भेंटवार्ता बताया है.

बरकट्ठा प्रखंड मैदान में इंकलाब नौजवान सभा का युवा जोहार महासम्मेलन

10 वर्षों में युवा ही छले गये : विनोद सिंह

संवाददाता। रांची

इंकलाबी नौजवान सभा युवा जोहार महासम्मेलन बरकट्ठा प्रखंड मैदान में संदीप जायसवाल की अध्यक्षता में हुई. इसकी शुरुआत किसान आन्दोलन में शहीद किसानों को श्रद्धांजलि देकर हुई. मौके पर माले विधायक विनोद सिंह ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने युवाओं को ही सबसे अधिक छलने का काम किया है. नया रोजगार तो छोड़िए, सभी नियुक्तियों को ठेकेदारी में तब्दील कर रोजगार पर ही ताला लगा दिया गया. पीएम आवास योजना राज्य में बंद है. मिड डे मील, जल सहिया स्वास्थ्य सहिया, पोषण सखी कोई भी हो सबके साथ वादा खिलाफी की गई है. अब केंद्र सरकार के मातहत सरकारी उपक्रमों में स्थानीय को 75 प्रतिशत रोजगार देने का नियम लागू नहीं होगा. बालू हो या ढीबरा अब केंद्र की अनुमति से उठाव करना होगा. दस बार कोडरमा से भाजपा को जिताने वाले ढिबरा मजदूरों पर केंद्र ने नया नियम थोप कर जीना मुश्किल कर दिया है. मजदूरों के शव गांव तक वापस लौटे तो इसके लिए केंद्र उन प्रवास मजदूरों के लिए कोई कानून नहीं बनाया है. आयुष्मान कार्ड देश में लागू नहीं होता है. एनएच और जेटी रोड से टोल टैक्स की तो उगाही की जाती है, पर कंपनियों की लापरवाही से सड़क दुर्घटना में मौत के लिए कंपनियों को दंडित नहीं किया जाता है.

उन्होंने कहा कि ओबीसी के आरक्षण में राज्यपाल ही अड़ंगा पैदा कर रहे हैं. लाल झंडे का एक भी प्रतिनिधि जीतकर लोकसभा में जाएगा तो झारखंड की सड़कों की आवाज लोकसभा में उठेगी. पूर्व विधायक राजकुमार यादव ने कहा कि देश में अच्छे दिन का माहौल कहीं से नहीं है. आज देश व देश के संविधान और लोकतंत्र को बचाना छात्र युवाओं का पहला काम है. उन्होंने कहा कि किसानों का आंदोलन देश के आवाम की लडाई है.

महिला नेत्री जयंती चौधरी ने कहा कि युवाओं को पढ़ने के साथ राजनीति भी जरूरी है, क्योंकि छात्र युवाओं की राजनीति से हर तानाशाह सरकार डरती है.

इलेक्ट्रॉनिक गोदाम में लगी भीषण आग

जमशेदपुर। सीतारामडेरा थाना अंतर्गत बाराद्वारी सनी मंदिर के पास उस वक्त अफरा-तफरी मच गई. जब सुनील कुमार के इलेक्ट्रॉनिक गोदाम में अचानक आग लग गई. गोदाम से आग की लपटें निकलता देख सुनील ने इसकी सूचना झारखंड अग्निशमन विभाग को दी और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाने के प्रयास में लग गए. इधर, सूचना पाते ही दो दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास में जुट गई है. खबर लिखे जाने तक आग पर पूरी तरह काबू नही पाया जा सका है. सुनील ने बताया कि वे उषा इंटरप्राइजेज नाम से एक कंपनी चलते है. घर के निचले तल्ले में उनकी कंपनी का गोदाम है. आज सुबह उनके गोदाम में एसी, पंखा और कूलर आया था. सुबह आठ बजे सामान रखवाने के बाद वे सब्जी लेने चले गए. थोड़ी देर बाद ही घर से फोन आया कि गोदाम से धुआं निकल रहा है.

लेंगे ज्ञान | सीयूजे व हंगूक अध्ययन विवि. दक्षिण कोरिया ने एमओयू पर हस्ताक्षर किया

सैमसंग के 13 सॉफ्टवेयर इंजीनियर सीयूजे में पढ़ेंगे हिंदी

तरुण कुमार चौबे। रांची

राजधानी रांची स्थित झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) में जल्द ही दक्षिण कोरिया के छात्र पढ़ने आयेंगे. दरअसल, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय एवं हंगूक अध्ययन विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया ने एमओयू पर हस्ताक्षर किया है. इस समझौते के तहत विश्व प्रसिद्ध कोरियाई कंपनी सैमसंग के 13 सॉफ्टवेयर इंजीनियर्स झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के फॉर ईस्ट लैंग्वेजेज विभाग में हिंदी पढ़ने आएंगे. हंगूक विश्वविद्यालय ने सैमसंग कंपनी से आ रहे सॉफ्टवेयर इंजीनियर्स की सूची सीयूजे को सौंप दी है.

वीसी ने कोरिया के तीन विवि का दौरा किया था

सीयूजे के कुलपति प्रो केबी दास के दक्षिण कोरिया के दस दिवसीय यात्रा के दौरान उन्होंने दक्षिण कोरिया के तीन विश्वविद्यालयों - हंगूक विदेशी भाषा अध्ययन विश्वविद्यालय, केम्योंग विश्वविद्यालय एवं बुसान विदेशी भाषा अध्ययन विश्वविद्यालय का दौरा किया और भारत एवं भारत की उभरती अर्थव्यवस्था, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं कोरियाई छात्रों के लिए भारत का महत्व जैसे विषयों पर व्याख्यान में हिस्सा लिया.

झारखंड की संस्कृति से भी रू-ब-रू होंगे इंजीनियर

सैमसंग के सभी इंजीनियर हिंदी भाषा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति एवं खास कर झारखंड की संस्कृति से भी रू-ब-रू होंगे. फॉर ईस्ट लैंग्वेजेज के प्राध्यापक एवं प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर शशि कुमार मिश्रा ने बताया कि झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति के आदेशानुसार इस प्रोग्राम के तहत झारखंड की आदिवासी कला-संस्कृति से संबंधित कक्षाएं भी शामिल की जाएंगी एवं झारखंड की भाषाई एवं प्राकृतिक विविधता आदि से संबंधित व्याख्यान का भी आयोजन किया जाएगा, ताकि हिंदी के साथ-साथ उन्हें झारखंड की सांस्कृतिक परंपरा भाषाई एवं प्राकृतिक विविधता से परिचित कराया जा सके.

आनेवाले दिनों में दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे

दक्षिण कोरियाई कंपनी सैमसंग के 13 सॉफ्टवेयर इंजीनियर्स का सीयूजे में हिंदी पढ़ने आना वास्तव में विश्वविद्यालय के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि आने वाले दिनों में इसके दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे. इस प्रोग्राम की रूपरेखा झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो केबी दास के दक्षिण कोरिया के दस दिवसीय यात्रा के दौरान तैयार की गयी. कुछ ही दिनों के अंदर दोनों विश्वविद्यालयों ने आपसी सहमति से दक्षिण कोरियाई कंपनी सैमसंग के 13 सॉफ्टवेयर इंजीनियरों के आमंत्रण को स्वीकृति दे दी.

घर घुस युवक की गोली मारकर हत्या

संवाददाता। बालूमाथ (लातेहार)

बालूमाथ पुलिस अनुमंडल क्षेत्र स्थित टोटी हेसला में अपराधियों ने घर में घुस कर एक युवक की गोली मार कर हत्या कर दी. मृतक की पहचान ओमप्रकाश गुप्ता के रूप में हुई है और वह ऑटो चलाता था. घटना के विरोध में आक्रोशितों ने बारियातू में बालूमाथ-चतरा मार्ग को जाम कर दिया और घटना में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे. सड़क जाम की सूचना पर बालूमाथ एसडीपीओ आशुतोष सत्यम वहां पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया. एसडीपीओ ने आश्वासन दिया कि पुलिस जल्द ही घटना का पर्दाफाश करेगी और शामिल अपराधियों को गिरफ्तार कर लेगी. इसके बाद लोगों ने सड़क जाम हटाया. युवक की हत्या को लेकर इलाके में कई तरह की चर्चा हो रही है. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है.

किसने और क्यों गोली मारी, जांच में जुटी पुलिस

घटना के संबंध में बताया जाता है कि शनिवार रात युवक खाना खाकर घर में सो रहा था. इसी दौरान परिजनों ने ओमप्रकाश के चीखने और गोली चलने की आवाज सुनी. परिजन कमरे से बाहर आए तो देखा कि ओमप्रकाश जमीन पर लहूलुहान पड़ा हुआ था. आनन-फानन में परिजन उसको बालूमाथ अस्पताल ले गये. जांचपरांत उसे मृत घोषित कर दिया. सूचना पर बारियातू थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गयी है.

लोकतंत्र की राह पर अवरोधक

देश आम चुनाव के मुहाने पर खड़ा है. निर्वाचन आयोग चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले की तैयारियों में जुटा है. देश में कितने मतदाता हैं, पिछली बार से इस बार कितने नए मतदाता जुड़े, युवा मतदाताओं की संख्या कितनी है, ऐसे तमाम आंकड़े आने शुरू हो चुके हैं. सर्वेक्षण एजेंसियां किस्म-किस्म के सर्वे कराने में जुट चुकी हैं. आज चुनाव हुए तो कौन जीतेगा, मोदी या राहुल किसका चेहरा मतदाताओं की पहली पसंद है, एनडीए और इंडिया गठबंधन में किसका पलड़ा भारी है, राम मंदिर उद्घाटन का फायदा भाजपा को होगा या नहीं, किसान आंदोलन का कितना असर चुनावों पर पड़ेगा, ऐसे कई सवालों के इर्द-गिर्द सर्वे हो रहे हैं और उनके नतीजों के आधार पर देश की भावी सरकार बनाई जा रही है. इन सवालों में एक सवाल और पूछा जाना चाहिए कि क्या इन चुनावों में या इन चुनावों के बाद लोकतंत्र के बचने की कितनी उम्मीदें बाकी रह जाएंगी. क्योंकि फिलहाल देश का जो माहौल है, उसमें लोकतंत्र के आगे बैरिकेड्स लगाए जा चुके हैं. बैरिकेड्स की एक ओर लोकतंत्र और दूसरी ओर सरकार दिखाई दे रही है. शांतिपूर्ण तरीके से विरोध के अपने अधिकार का इस्तेमाल करते हुए ही किसान पंजाब-हरियाणा से आगे बढ़ रहे थे, लेकिन उनपर लगातार आंसू गैस के गोले और छर्रे चलाए जा रहे हैं. पिछले किसान आंदोलन में भी सरकार ने ऐसी ही ज्यादतियां की थीं. तब साढ़े सात सौ से अधिक किसानों की मौत हो गई थी और इस बार फिर किसानों के शहीद होने का सिलसिला शुरू हो चुका है. कुछ दिन पहले एक प्रौढ़ किसान की आंदोलन के दौरान मौत हुई थी और बुधवार को 22 बरस के एक युवा किसान की मौत हो गई. किसानों का आरोप है कि हरियाणा पुलिस ने गोलियां चलाईं, जिनमें कुछ लोग घायल हुए, कुछ लापता हैं और एक युवा किसान की मौत हो गई है. शांति के साथ विरोध करने वालों पर ऐसा अत्याचार साफ बता रहा है कि लोकतंत्र का अध्याय देश में बंद कर नया पाठ शुरू करने की तैयारी हो चुकी है. निर्वाचन आयोग ईवीएम में गड़बड़ी की बात नहीं मानता. हालांकि भाजपा के लिए यही श्रेयस्कर होगा कि वह या तो विपक्ष की शंकाओं का समाधान करे या फिर मतपत्रों से चुनाव के लिए राजी हो. तभी लोकतांत्रिक और निष्पक्ष चुनाव के उसके दावे सही होंगे. फिलहाल तो यही दिख रहा है कि भाजपा लोकतंत्र की कसौटी पर खरे उतरने की कोई फिक्र नहीं कर रही है, उसे केवल 4 सौ पार की सीटों की फिक्र है. भाजपा पर यह आरोप भी विपक्ष का है कि वह जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करती है. गुरुवार सुबह ही खबर आई कि जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक से जुड़े कम से कम 30 ठिकानों पर सीबीआई ने छापे मारे हैं. ये छापे जम्मू और कश्मीर में किरू हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट कॉन्ट्रैक्ट से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामले में मारे जा रहे हैं.

> पिछले किसान आंदोलन में भी सरकार ने ऐसी ही ज्यादतियां की थीं. तब साढ़े सात सौ से अधिक किसानों की मौत हो गई थी और इस बार फिर किसानों के शहीद होने का सिलसिला शुरू हो चुका है. कुछ दिन पहले एक प्रौढ़ किसान की आंदोलन के दौरान मौत हुई थी.

सुभाषित

अजराऽमरवत्प्राज्ञो विद्यामर्थञ्च चिन्तयेत्।
गृहीत इव केशेषु मृत्युना धर्ममाचरेत्।।

बुद्धिमान व्यक्ति को अपने को वृद्धावस्था और मृत्यु से रहित समझकर ज्ञान और धन अर्जित करना चाहिए और जैसे मृत्यु उसके सिर पर सवार हो, उसे धर्म का पालन करना चाहिए.

दलबदलुओं के लिए भाजपा सबसे मुफीद

एक तरफ पूरे देश में मोदी-मोदी का नारा है, तो दूसरी तरफ 2014 के बाद सबसे ज्यादा दलबदलू नेता भाजपा में गए हैं. एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ 2014 से 2021 तक विधायक-सांसद स्तर के 426 नेताओं ने भाजपा का दामन थामा है. उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल समेत देश के 5 ऐसे राज्य हैं, जहां दलबदलू नेताओं की वजह से ही भाजपा जनाधार बढ़ा पाने में सक्षम हुई. 2014 के चुनाव में करीब 10 सीटों पर भाजपा ने दलबदलुओं को टिकट दिए थे.

• देश-काल

बृजेंद्र दूबे

2024 के आम चुनाव से पहले पीएम नरेंद्र मोदी दावा कर रहे हैं कि इस बार भाजपा 370 पार और एनडीए 400 पार का आंकड़ा छू लेगा, लेकिन मजबूत होता इंडिया गठबंधन और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की सफलता कुछ अलग ही हकीकत बयां कर रही है. अब देखना है कि आम चुनाव के नतीजे क्या होते हैं. हां, एक चीज सच है कि चुनावी सीजन शुरू होते ही दलबदल का देशव्यापी खेल शुरू हो गया है. पिछले कुछ दिनों में 4 राज्यों के दो दर्जन से ज्यादा नेताओं ने पाला बदल लिया है. दल बदलने वालों में पूर्व सीएम से लेकर महापौर स्तर के नेता शामिल हैं. मौजूदा दलबदल का खेल महाराष्ट्र से शुरू हुआ है, जहां पूर्व सीएम और दिग्गज कांग्रेसी अशोक चव्हाण भाजपा में शामिल हो गए. राजस्थान कांग्रेस के विधायक महेंद्रजीत सिंह मालवीय ने भी हाथ का साथ छोड़ कर कमल का दामन थाम लिया. मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ की भी दल बदलने की चर्चा थी, लेकिन आखिरी वक्त पर उन्होंने यूटर्न ले लिया. हालांकि, कमलनाथ के करीबी और जबलपुर के मेयर जगत बहादुर अन्नू जरूर कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हो गए.

देश में दलबदल का भी अपना इतिहास है. यह खेल 1960-70 में हरियाणा से शुरू हुआ था. धीरे-धीरे यह सियासी रोग पूरे भारत में फैलता चला गया. 2014 के बाद से नेताओं के दलबदल के मामलों में काफी तेजी आ गई है. एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के मुताबिक सांसद और विधायक स्तर के 1 हजार से ज्यादा नेता 2014-21 दल बदल के खेल में शामिल हुए. इन सालों में सबसे ज्यादा पलायन कांग्रेस से हुआ. 2014-21 तक विधायक-सांसद स्तर के 399 नेताओं ने कांग्रेस का साथ छोड़ा. दूसरे नंबर पर बहुजन समाज पार्टी रही. बीएसपी छोड़ने वाले नेताओं की संख्या 170 के आसपास थी. सत्ताधारी भाजपा से भी नेताओं का मोहभंग कम नहीं हुआ. 7 साल में 144 नेता भाजपा छोड़ दूसरी अन्य पार्टियों में शामिल हो गए. 2014 के बाद भारत में दल बदलने वाले नेताओं में पूर्व सीएम, केंद्रीय मंत्री स्तर के नेता भी शामिल रहे हैं. 2014 से अब तक 8 पूर्व सीएम पाला बदल चुके हैं. इनमें अशोक चव्हाण, कैप्टन अमरिंदर सिंह और नारायण राणे के नाम प्रमुख हैं. वहीं 20 से ज्यादा केंद्रीय मंत्री भी दलबदल के खेल में शामिल हुए.

आंकड़ों की मानें तो 2014 के बाद सबसे ज्यादा दलबदलू नेता भाजपा में गए हैं. एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ 2014 से 2021 तक विधायक-सांसद स्तर के 426 नेताओं ने बीजेपी का दामन थामा है. वहीं 2021 से 2023 तक विधायक और सांसद स्तर के करीब 200 नेता भाजपा में शामिल हो गए. 2021 से 2023 तक गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा दलबदल का खेल हुआ. इस दौरान कांग्रेस में सिर्फ 176 दलबदलू नेता शामिल हुए. कांग्रेस और भाजपा के अलावा दलबदलुओं की सबसे पसंदीदा जगह एनडीए की सहयोगी शिवसेना और लोजपा जैसे दल रहे हैं. केंद्र की सत्ता में आने के बाद भाजपा ने दलबदलुओं को भी पद से खूब नवाजा. वर्तमान में भाजपा ने 7 राज्यों की कमान दलबदलू नेताओं को दे रखी है. इनमें बिहार, असम, झारखंड और बंगाल जैसे राज्य शामिल हैं. बिहार में सम्राट चौधरी विधायक दल के नेता और प्रदेश अध्यक्ष हैं. सम्राट ने अपना राजनीतिक करियर की शुरुआत राष्ट्रीय जनता दल से की थी. बाद में जेडीयू और हम होते हुए वे भाजपा में आ गए. बिहार में लोकसभा की कुल 40 सीट हैं. असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा भी मूल कांग्रेसी हैं. उन्होंने 2015 में पाला बदलते हुए भाजपा का दामन थाम लिया था. असम में लोकसभा की कुल 14 सीट हैं. झारखंड में भाजपा की कमान बाबूलाल मरांडी के पास है. मरांडी अभी प्रदेश अध्यक्ष हैं, लेकिन उनकी भी गिनती दलबदलू नेताओं में होती है. भाजपा में आने से पहले मरांडी जेवीएम के प्रमुख थे. झारखंड में लोकसभा की कुल 14 सीटें हैं. भाजपा ने पश्चिम बंगाल में भी दल बदल कर आए शुभेंदु अधिकारी पर ही भरोसा जताया है. शुभेंदु बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं. शुभेंदु ने करियर की शुरुआत तृणमूल कांग्रेस से की थी. बंगाल में लोकसभा की 42 सीट हैं. इन राज्यों के अलावा अरुणाचल, त्रिपुरा और मणिपुर में भी दलबदलुओं के हाथ में ही भाजपा की कमान है. तीनों राज्य के मुख्यमंत्री पहले कांग्रेस में रह चुके हैं. दिलचस्प बात यह है कि उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल समेत देश के 5 ऐसे राज्य हैं, जहां दलबदलू नेताओं की वजह से ही भाजपा जनाधार बढ़ा पाने में सक्षम हुई. 2014 के चुनाव में करीब 10 सीटों पर भाजपा ने दलबदलुओं को टिकट दिए थे. 2017 के यूपी विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जमकर दलबदलुओं की खातिरदारी की. भाजपा को इसका फायदा मिला और 300 से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल कर पार्टी ने सरकार बना ली. चुनाव बाद यूपी कैबिनेट में भी दलबदलुओं का दबदबा दिखा. चुनाव से पहले नेताओं के पलायन को लेकर हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बयान दिया था. उन्होंने कहा था, कांग्रेस में सिर्फ एक परिवार की राजनीति होती है. पार्टी भाई और भतीजेवाद में फंस गई है, इसलिए नेता वहां से इधर आ रहे हैं. दलबदल को रोकने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने साल 1985 में भारत के संविधान में 52वां संशोधन किया, जिसके बाद 10वीं अनुसूची आस्तित्व में आया. इसके मुताबिक विधायकों पर कार्रवाई का अधिकार स्पीकर को दिया गया है. इसमें अंदर और बाहर दोनों जगह उनके आचरण के लिए अयोग्यता की कार्रवाई का अधिकार दिया गया है. हालांकि, कई मामलों में देखा गया है कि शिकायत के बावजूद इस पर कार्रवाई नहीं हुई है. उदाहरण के लिए 17वीं लोकसभा के दौरान तृणमूल कांग्रेस ने अपने 3 सांसद शिशिर अधिकारी, दिव्येंदु अधिकारी और सुनील मंडल के खिलाफ 2021 में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन सत्र खत्म होने के बाद भी तीनों पर कार्रवाई नहीं हुई. दलबदल कानून में दो तिहाई विधायकों के एक साथ अलग होने पर किसी भी तरह की कार्रवाई का नियम नहीं है. कई जगह पर देखा गया है कि कार्रवाई से बचने के लिए एकसाथ विधायक पार्टी छोड़ देते हैं. दलबदल कानून सिर्फ चुने हुए जनप्रतिनिधियों पर ही लागू होता है, इसलिए बड़े-छोटे नेता आसानी से पार्टी बदल लेते हैं.

• बोधि-वृक्ष सुज्ञ

मानसिक विकार

जब भी ऐसी कोई घटना प्रकाश में आती है, संस्कार व संस्कृति को सप्रयोजन भांडना शुरू हो जाता है, लेकिन संस्कार व संस्कृति को बार बार दुत्कारने के फलस्वरूप, लोगों में दुनिया व समाज की परवाह न करने का भाव जड जमाता है. अनुशासन विहीन भाव को स्वछंदता का खुला मैदान मिल जाता है. ऐसे में मनोविकारी अपनी कामकुंठा को बेहिचक अभिव्यक्त करने का दुस्साहस करता है. मनोविकारी को अवसर देने के लिए जिम्मेदार कौन है? हम ही न? फिल्म, टीवी आदि मीडिया, ऐसी क्रूर काम-घटनाओं के समाचार द्वारा 'काम' और 'दुख' दोनों को बेचता है. साथ ही बिकने के लिए प्रस्तुति को और भी वीभत्स रूप देता है. मीडिया व विज्ञापन प्रतिदिन, निसंकोच और बेपरवाह होकर, कामविकारों को सहजता से प्रस्तुत करते हैं. परिणाम स्वरूप कामतृष्णा और कामविकारों को सहज सामान्य मनवा लिया जाता है. संयम को दमित कुंठा और उछृंखलता को प्राकृतिक चित्रित किया जाता है. इस प्रकार मनोविकार आम चलन में आते हैं. ऊपर से तुर्रा यह कि यौनाचारों को उपेक्षित रखे, बच कर रहे तो हौवा, टैबू आदि न जाने क्या क्या कहकर, समाज को अविकसित करार दिया जाता है. कहिए कौन है जिम्मेदार? नैतिक शिक्षा तो जैसे बाबाओं के प्रवचन के समान परिहास का ही विषय बन गया है. और हम सुधरे हुए लोगों ने नैतिक शिक्षा और आदर्श चरित्र पालन को मजाक बनाने में अपना भरपूर योगदान किया है. आज नैतिक समतावान, सरल और चरित्र प्रतिबद्ध लोग तो किसी फिल्म के कॉमेडी करेक्टर बन कर रह गए है. घर के संस्कार कितने भी दुरस्त रखें जायें, बाहरी रहन सहन, वातावरण के संयोग से विकारों का आना अवश्यंभावी है. शिक्षितों का उछृंखल व्यवहार, अशिक्षितों को भी छद्म आधुनिक दिखने को प्रेरित करता है. इंटरनेट पर पसरी वीभत्स अश्लीलता ने विक्षिप्तता की सीमा पार कर ली है. उन पर आते वीभत्स कामाचार के प्रयोग, रोज रोज पुराने पडते जाते हैं. खून में उबाल और आवेगों को बढाने के लिए विकार के तीव्र से तीव्रतम प्रयोग होते जाते हैं, और क्रूर और दुर्दांत. ये पोर्न साईटें, निरंतर और भी हिंसक, दर्दनाक, पीडाकारक दृश्य परोसते हैं. पीडन से आनंद पाने की विकृत अदम्य तृष्णा. ऐसी पिपासा का किसी भी बिंदु पर शमन नहीं होता, किंतु नशे की खुराक की तरह कामेच्छा और भी क्रूरतम होती चली जाती है. प्रत्येक कारण को टालने के बजाय सभी के समुच्य पर विचार करना होगा. प्रलोभन से अलिप्त रहकर. पुरुषार्थ में पर्याप्त सम्भावनाएं हैं. बस, प्रयास ईमानदार होने चाहिए. आप क्या कहते हैं इन निष्कर्षों पर?

धरती बचाने की दिशा में दुनिया की पहल

• जलवायु

पवन नागर

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरने वाला भारत जब तकनीक में इतना संपन्न है तो धरती पर यह तकनीक काम क्यों नहीं करती? पिछली गर्मी में बारिश के कारण किसानों की फसलें खराब हो गई थीं, जबकि मानसून में कहीं सूखे के कारण तो कहीं अधिक वर्षा के कारण किसानों की फसलों को बहुत नुकसान हुआ. ऐसे में किसानों के इस नुकसान का पूर्वानुमान लगाने वाली कोई तकनीक अभी तक हमारे पास क्यों नहीं है? जलवायु परिवर्तन ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिये हैं. आने वाले सालों में यह और भी खतरनाक हो सकता है. अभी हमारे देश के कुछ राज्य सूखे का सामना कर रहे हैं तो कई राज्यों को अधिक वर्षा के कारण बाढ़ और भू-स्खलन की घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है. ऐसा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन का असर सिर्फ भारत में ही हो रहा है. पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन का असर हो रहा है, जिसके कारण दुनियाभर के लोग इससे प्रभावित हो रहे हैं. गौरतलब है कि जलवायु परिवर्तन से किसानों को सबसे ज़्यादा परेशानी का सामना करना पड़ेगा, खासकर उन किसानों को जिनके पास खेती के अलावा और कोई आजीविका नहीं है. मतलब छोटे और मध्यम किसानों पर इसका सीधा प्रभाव पड़ेगा, जिसके कारण न सिर्फ इनके परिवार संकट में आएंगे, बल्कि खेती-किसानी से जुड़े सभी लोग प्रभावित होंगे और खाद्यान्न संकट पैदा होगा सो अलग. जलवायु परिवर्तन के कारण किसानों की फसलें खराब हो रही हैं, जिससे खाद्य सामग्रियों के दाम अप्रत्याशित रूप से बढ़ रहे हैं. जलवायु परिवर्तन की समस्या से निजात पाने में हर व्यक्ति को अपना योगदान देना होगा. चूंकि इस समस्या के उत्पन्न होने में हर व्यक्ति का हाथ है, इसलिए इसके समाधान में भी हर व्यक्ति को भागीदार होना होगा. जिस प्रकार से हमने पर्यावरण को बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, ठीक वैसे ही हम सबको पर्यावरण को ठीक करने के लिए कमर कस लेना चाहिए. ऐसा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन का संकट सिर्फ एक दिन में खड़ा हो गया है और एक दिन में इसका हल निकल जाएगा. यह धीरे-धीरे होने वाली एक घटना है और इसका समाधान भी धीरे-धीरे ही होगा. वैसे तो देश-विदेश की सारी समस्याओं की चर्चा आमजन कर ही लेते हैं, परंतु जलवायु परिवर्तन पर चर्चा करने के लिए किसी के पास समय नहीं है, बल्कि कहना चाहिए कि जलवायु परिवर्तन की समस्या को आमजन कोई समस्या ही नहीं मानते. इसीलिए यह समस्या इतनी विकराल हो गई है.जैसे भोजन की गुणवत्ता पर किसी का ध्यान नहीं है, वैसे ही जलवायु परिवर्तन पर भी किसी का ध्यान नहीं है. 'हरित क्रांति' के बाद हमारे देश में रसायन आधारित खेती के कारण शुद्ध और पोषणयुक्त भोजन का अभाव हो गया है. हमारा देश ही नहीं, अपितु विश्वभर के लोग रसायनयुक्त भोजन करने पर मजबूर हैं. जिस भोजन से जीवन चलना है उस पर किसी का ध्यान ही नहीं कि उसे किस विधि से उत्पादित किया जा रहा है या उसको उपजाने में कितने ज़हरीले रसायनों का इस्तेमाल हो रहा है. इसी कारण विभिन्न बीमारियों का जन्म हो रहा है.जितनी ऑक्सीजन साल भर में पौधों से लें, उतनी वापस करने के लिए उतने पौधे हर साल लगाएं. यदि प्रकृति साल भर तरह-तरह के फल खाने को दे रही है तो मेरी भी जिम्मेदारी है कि फलदार वृक्ष लगाऊं. यदि जंगलों से वर्षा हो रही है तो जंगलों को बचाने, बनाने में सहयोग करूं. नदियों से हमारा जीवन चल रहा है तो हमको नदियों को बचाकर रखना होगा, न कि उनको प्रदूषित करना है. इस प्रकार प्रकृति हमको जीवन जीने के लिए जो भी कुछ दे रही है, उसे कीमती समझकर उसका सम्मान करें और उसको नुकसान पहुंचाने वाला कोई भी कार्य न करें. जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने की दिशा में यही सबसे बड़ा कदम होगा.किसानों से अपेक्षा है कि वे खेती करने के वर्तमान तरीकों को बदल लें और देश-काल-परिस्थिति के हिसाब से खेती करें, प्रकृति को नुकसान हो ऐसी खेती नहीं करें. रसायन आधारित खेती के दुष्परिणाम अब पूरे विश्व के सामने आने लगे हैं. इन रसायनों के कारण ही भू-जल ज़हरीला हो रहा है, वायु प्रदूषण फैल रहा है और मृदा की उर्वरा शक्ति भी कमज़ोर हो रही है, जबकि खेती के लिए इन तीनों चीज़ों का शुद्ध होना बहुत ज़रूरी है. इनके बिना खेती की कल्पना करना बहुत ही मुश्किल है. इसलिए जितनी जल्दी हो, इन रसायनों से तौबा कर लें. सजग रहें, सतर्क रहें.

> पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन का असर हो रहा है, जिसके कारण दुनियाभर के लोग इससे प्रभावित हो रहे हैं. गौरतलब है कि जलवायु परिवर्तन से किसानों को सबसे ज़्यादा परेशानी का सामना करना पड़ेगा, खासकर उन किसानों को जिनके पास खेती के अलावा और कोई आजीविका नहीं है.

लाखों दिलों की धड़कन की आवाज खामोश

• स्मृति शेष

जाहिद खान

आख़िरकार, वह आवाज़ ख़ामोश हो गई, जो लाखों लोगों के दिलों पर राज करती थी. जिस आवाज़ से जुड़कर, मुल्क का आम आदमी भी एक अपनापन महसूस करता था. कुछ वक़्त के लिए ही सही, वह अपना ग़म-ओ-रंज भूल जाता था. अब वह आवाज़ उन्हें कभी सुनाई नहीं देगी. आज़ादी के बाद जिन लोगों ने रेडियो को आम आदमी तक पहुंचाया, उसकी लोकप्रियता बढ़ाई, उनमें अव्वल नंबर पर अमीन सयानी का नाम था. जो अब दुनिया को सदा के लिए अलविदा कह गये. वह कुछ सालों से सेहत की परेशानियों से गुज़र रहे थे. एक दौर था, जब अमीन सयानी रेडियो की आवाज़ थे. उसकी पहचान थे. यूं कहें कि रेडियो की आवाज़ के मायने अमीन सयानी थे. हफ़्ते में एक बार बुधवार के दिन पूरी फैमिली साथ बैठती. रेडियो पर जैसे ही उनका सुपर हिट प्रोग्राम 'बिनाका गीतमाला' शुरू होता, तो वक़्त जैसे थम जाता. ऐसी मक़बूलियत बहुत कम रेडियो प्रोग्राम और एनाउंसर को हासिल हुई है. अमीन सयानी के बड़े भाई हामिद सयानी रेडियो सीलोन में प्रोड्यूसर थे. उन्होंने ही अमीन सयानी का रिश्ता रेडियो से जोड़ा. हामिद सयानी के मशविरे पर अमीन सयानी ने ऑल इंडिया रेडियो में हिंदी ब्रॉडकास्टर के लिए आवेदन किया. अब इस बात पर शायद ही कोई यक़ीन करे कि उनकी आवाज़ रेडियो के लिए रिजेक्ट कर दी गई थी. इस घटना के बाद अमीन सयानी थोड़ा निराश हो गए. अपने गाइड और उस्ताद हामिद सयानी के पास पहुंचे, तो उन्होंने अमीन से रिकॉर्डिंग के दौरान रेडियो स्टेशन के हिंदी कार्यक्रम सुनने को कहा. अमीन सयानी ने ब्रॉडकास्टिंग का फ़न सीखने और उसे फॉलो करने में जी-जान लगा दिया. बीसवीं सदी के पांचवें दशक में रेडियो सीलोन पर हामिद सयानी की पेशकश में अंग्रेज़ी गीतों का एक प्रोग्राम बहुत बढ़िया प्रदर्शन कर रहा था. इस कामयाबी से मुतास्सिर होकर एड कंपनी ऐसा ही एक प्रोग्राम हिंदी फ़िल्मी गीतों का भी करना चाहती थी. अपनी यह चाहत उन्होंने हामिद सयानी को बयान की. हामिद सयानी ने यह प्रोग्राम ख़ुद्र न करते हुए अमीन सयानी को इसके लिए राज़ी कर लिया. इस तरह रेडियो पर एक शानदार प्रोग्राम के सफ़र का आग़ाज़ हुआ, जिसका नाम 'बिनाका गीतमाला' था. आज से सात दहाई पहले यानी 3 दिसंबर, 1952 को सात गानों की सीरीज़ का पहला प्रोग्राम रिले किया गया, जिसे खूब्र पसंद किया गया. पहले ही प्रोग्राम से इसे जो कामयाबी मिली, फिर अमीन सयानी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा. वे रातों-रात आवाज़ की दुनिया में स्टार बन गए. रेडियो सीलोन में पहले प्रोग्राम के बाद, 'बिनाका गीतमाला' की तारीफ़ में श्रोताओं के तक़रीबन नौ हज़ार ख़त पहुंचे. यह सिलसिला आगे भी क़ायम रहा. एक दौर ऐसा भी आया, जब हर हफ़्ते ख़त की तादाद पचास हज़ार तक पहुंच गई. रेडियो और आवाज़ की दुनिया में पहले किसी प्रोग्राम को इतनी बड़ी कामयाबी नहीं मिली थी. रेडियो सीलोन और फिर उसके बाद आकाशवाणी के विविध भारती पर प्रसारित 'बिनाका गीतमाला' की चालीस बरस से भी ज्यादा समय तक, देश में ही नहीं दुनिया के कई देशों में धूम रही. दुनिया में कोई दूसरा रेडियो या टीवी प्रोग्राम इतने लंबे वक़्त और एक साथ पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफ़ग़ानिस्तान, श्रीलंका और खाड़ी के मुल्कों में मक़बूल नहीं रहा. इस प्रोग्राम के चाहने वाले दक्षिण एशिया, मध्यपूर्व, पूर्वी एशिया और यूरोप के कुछ मुल्कों में भी थे. आज भी रिसर्च का विषय है कि इस कामयाबी के पीछे हिंदी फ़िल्मी नग़मों का जादू था या अमीन सयानी की चहकती आवाज़, या फिर प्रोग्राम को पेश करने का उनका दिलकश अंदाज़. 'बिनाका गीतमाला' के अलावा अमीन सयानी ने रेडियो पर जो भी प्रोग्राम पेश किए, सभी कामयाब रहे. अमीन सयानी का नाम ही इन प्रोग्राम की कामयाबी की जमानत होता था. 'एस कुमार्स का फ़िल्मी मुक़दमा', 'फ़िल्मी मुलाकात', 'सैरिडॉन के साथी', 'मराठा दरबार', 'संगीत के सितारों की महफ़िल' वगैरह ऐसे कई प्रोग्राम हैं, जो अमीन सयानी की दिलकश आवाज़ और दिलचस्प पेशकश से श्रोताओं के जेहन में आज भी ज़िंदा हैं. अमीन सयानी ने अपने रेडियो कैरियर के दौरान फ़िल्मी दुनिया के टॉप कलाकारों, गायकों, संगीतकारों और गीतकारों के इंटरव्यू लिए. पचास हज़ार से ज्यादा रेडियो प्रोग्रामों के लिए काम किया और पन्द्रह हज़ार से भी अधिक विज्ञापनों में अपनी आवाज़ दी जो एक रिकॉर्ड है.

> रेडियो पर जैसे ही उनका सुपर हिट प्रोग्राम 'बिनाका गीतमाला' शुरू होता, तो वक़्त जैसे थम जाता. ऐसी मक़बूलियत बहुत कम रेडियो प्रोग्राम और एनाउंसर को हासिल हुई है. अमीन सयानी के बड़े भाई हामिद सयानी रेडियो सीलोन में प्रोड्यूसर थे. उन्होंने ही अमीन सयानी का रिश्ता रेडियो से जोड़ा. हामिद सयानी के मशविरे पर अमीन सयानी ने ऑल इंडिया रेडियो में हिंदी ब्रॉडकास्टर के लिए आवेदन किया.

मीडिया में अन्यत्र

राजकोषीय घाटे को कम करने की पहल

इस माह के आरंभ में पेश किए गए अंतरिम बजट में सरकार ने राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करने और बाहरी उधारी को सीमित करने पर नए सिरे से जोर दिया. वित्त वर्ष 25 में राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 5.1 फीसदी तक सीमित रखने का लक्ष्य रखा गया है, जो वित्त वर्ष 24 (संशोधित अनुमान) की तुलना में 71 आधार अंकों के समेकन को दर्शाता है. कर-जीडीपी अनुपात में भी इजाफा हुआ और यह वित्त वर्ष 24 के 10.1 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 25 (बजट अनुमान) में 11.7 फीसदी हो गया. कर-राजस्व उछाल में भी सुधार हुआ. इसके साथ ही राजस्व व्यय में नियंत्रित वृद्धि, पूंजीगत व्यय को प्रदान किए गए प्रोत्साहन के साथ मिलकर यह प्रदर्शित करती है कि उधार का एक बड़ा हिस्सा अब पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण की दिशा में निर्देशित है.उल्लेखनीय बात है कि राजस्व व्यय और पूंजीगत आवंटन में अनुपात में जो गिरावट आई है वह संकेत देती है कि सरकार व्यय की गुणवत्ता सुधारने का प्रयास कर रही है, जबकि इस दौरान वह राजकोषीय समेकन के मार्ग पर बने रहना चाहती है.दिलचस्प बात यह है कि यह पत्र पूंजीगत व्यय को नए सिरे से परिभाषित करता है और विकास संबंधी व्यय पर नजर डालता है. इसका दायरा व्यापक है क्योंकि इसमें सामाजिक और आर्थिक व्यय शामिल है जो स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल, डिजिटलीकरण और जलवायु जोखिम को भी समेटे हुए है. इसका उद्देश्य है राजस्व व्यय के उन घटकों को शामिल करना जो वास्तव में भौतिक और मानव पूंजी निर्माण के रूप में सामने आ सकते हैं. इसके साथ ही पूंजीगत व्यय के उस हिस्से को अलग करना जो वृद्धि को बढ़ावा देने वाला नहीं हो. वित्त वर्ष 25 में पूंजीगत व्यय के जहां जीडीपी के 3.4 फीसदी रहने का लक्ष्य तय किया गया है, वहीं विकास संबंधी व्यय के जीडीपी के 4.2 फीसदी के बराबर रहने का अनुमान है. आमतौर पर यह माना जाता है कि कम सरकारी व्यय अल्पावधि में आर्थिक वृद्धि को कमजोर करता है. परंतु राजकोषीय समेकन दीर्घावधि में वृद्धि को गति दे सकता है. ऐसा दीर्घावधि में ब्याज दरों को कम करके किया जा सकता है. इससे निजी निवेश आएगा और उसी समय अधिक उत्पादक व्यय मसलन भौतिक और मानव पूंजी में सार्वजनिक निवेश तथा लक्षित सामाजिक व्यय के लिए राजकोषीय गुंजाइश बनेगी. इस बारे में पत्र में जो उपाय सुझाए गए हैं उनमें श्रम शक्ति को नए सिरे से कौशल संपन्न बनाना, डिजिटलीकरण में निवेश करना और ऊर्जा किफायत हासिल करना शामिल है. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

वरना/वर्ना

किसी शायर ने क्या खूब कहा है- एक तेरा ही ख्याल है हमारे पास वरना अकेले में कौन मुस्कुराता है. लोग कहते हैं पढ़ाई पर अभी से ही ध्यान दो वरना फेल कर जाओगे. तुम मेरी बात मान लो वरना किसी बड़े धोखे के शिकार हो जाओगे. आप खाना खा लीजिए वरना (नहीं तो) मैं भी खाना नहीं खाऊंगी. इन वाक्यों में वरना शब्द अनिवार्य रूप से आया है. वरना फारसी मूल का अव्यय शब्द है और इसका प्रयोग हिंदी भाषा में जम कर होता है. समस्या इस शब्द के प्रयोग में नहीं है, बल्कि दो वर्तनियों में प्रचलित इसके रूपों की है-वरना और वर्ना. जन सामान्य के मन में इस शब्द के प्रयोग करते समय यह सवाल उठता है कि क्या लिखें? वरना लिखें या वर्ना? दोनों में कौन सही है. यहां यह बता देना आवश्यक है कि वरना कहें या वर्ना, दोनों का मतलब एक ही है- अन्यथा, नहीं तो, फिर. प्रायः हिंदी शब्दकोशों में वरना शब्द को ही मान्यता दी गयी है. हिंदी शब्दकोशों में वर्ना शब्द का उल्लेख भी नहीं किया गया है, लेकिन रेख्ता उर्दू हिंदी शब्दकोश में वर्ना शब्द को ही मान्यता दी गयी है. इसे भी फारसी मूल का ही बताया गया है और शायर महमूद शाम के इस शेर का भी उल्लेख किया गया है-ये और बात कि चाहत के ज़ख़्म गहरे हैं, तुझे भुलाने की कोशिश तो वर्ना की है बहुत. कुछ भाषाविदों का मानना है कि वरना और वर्ना दोनों में कोई अंतर नहीं है, लेकिन अर्थ के दृष्टिकोण से ही. विचार करने की बात यह है कि हिंदी वर्तनी के अनुसार क्या लिखना सही है. जहां तक मैं समझ पाया हूं वरना ही सही वर्तनी है. वरना का एक मतलब किसी को वरण करना(स्वीकार या अंगीकार करना) भी होता है. जैसे- माता सीता ने श्री राम को अपने पति के रूप में वरण(स्वीकार या अंगीकार) किया. इससे मिलता जुलता शब्द है वरन, जिसका मतलब है ऐसा नहीं, बल्कि, विपरीत.

आप कुछ समझते क्यों नहीं बाबा!

• तीर-तुक्का

सुरेन्द्र वर्मा

दुनिया मूर्खों से भरी पड़ी है. एक ढूंढो हज़ार मिलते हैं. कुछ अक्लमंद लोग मूर्खों से इतना परहेज़ करते हैं कि वे उनकी शक्ल नहीं तक नहीं देखना चाहते. ऐसा नहीं है कि बुद्धिमान लोग मूर्खता नहीं करते, लेकिन वे बस, शुरू शुरू में ही मूर्खता करते हैं. बाद में संभल जाते हैं, किन्तु बाद में जब वे मूर्खता करते हैं तो वह छोटी-मोटी मूर्खता नहीं होती. वह हिमालयी- मूर्खता होती है. हमारा प्रजातंत्र जनता का राज है. ज़ाहिर है, जनता में बुद्धिमानों की बजाय अधिकतर लोग मूर्ख ही होते हैं और बुद्धिमान भी मूर्खता करने से बाज़ नहीं आते. हम मूर्खों में से ही अपना नेता चुनते हैं और बाद में खुद ही रोते हैं कि हम बड़े मूर्ख हैं जो ऐसा नेता चुन लिया. ऐसी गलती न करने की हम कसम खाते हैं, लेकिन बार बार यही गलती कर बैठते हैं. क्या किया जाए, मूर्ख जो ठहरे. हमें कोई अधिकार नहीं है कि हम अपने को मूर्ख बनाएं, लेकिन दूसरों को मूर्ख बनाने में हम खुद ही बन बैठते हैं. एक मूर्ख और एक धूर्त में फर्क करना बड़ा कठिन होता है. जो वास्तव में मूर्ख है, वह सच्चा मूर्ख होता है, धूर्त नहीं होता. वह कभी धूर्त बनने की कोशिश करे तो भी मूर्ख ही बन जाता है. मुश्किल तब आती है कि जब एक धूर्त अपनी धूर्तता कारगर करने के लिए एक मूर्ख का सफल अभिनय करने लगता है और लोग, जो अधिकतर मूर्ख ही होते हैं, उसके जाल में फंस जाते हैं. धूर्तों की सफलता मूर्खों पर ही आश्रित है. मुझे हमेशा मूर्खों से डर बना रहता है, क्योंकि मैं कभी स्वयं को आश्वस्त नहीं कर पाता कि सामनेवाला मूर्ख है या धूर्त. मूर्खों का भी एक प्ररूप-शास्त्र (टाइपोलाजी) है. आदमी मूर्ख पैदा हुआ है और ताउम्र मूर्ख ही बना रहता है.बच्चों की मूर्खताएं बचपना कहलाती हैं, जवानी की मुर्खता दीवानगी होती है (गधा-पचीसी).और बुढापे की नासमझी तो मूर्खता से भी गई-बीती है। मेरा पोता मोबाइल हाथ में लिए मुझसे कह रहा था, बाबा आप तो समझते ही नहीं हैं! मैंने कहा, तुम ठीक कह रहे हो.जब मैं बच्चा था, मेरे पिता मुझसे कहते थे, इतनी बार बताया तू समझता क्यूं नही है. बड़ा हुआ तो यही जुमलेबाजी मुझे अपने स्कूल और कालेज के अध्यापकों से सुननी पड़ती थी. विवाह के बाद पत्नी ने मुझे समझाने में कोई कोर-कसर नहीं रखी. पर मैं मूर्ख का मूर्ख. अब मेरा बेटा और मेरे बेटे का बेटा कहता है, आप समझते क्यों नहीं बाबा! हम तो जन्मजात और ताउम्र मूर्ख ही ठहरे, समझें कैसे?

सुकून

वर्कप्लेस और काम

हम सभी का अच्छा खासा समय वर्कप्लेस पर गुजरता है. इसलिए इस जगह पर 'फील गुड' की काफी ज्यादा जरूरत है. अगर हम वर्कप्लेस में खुश नहीं हैं, तो हमारा काम उससे प्रभावित होगा. व्यक्ति जब अपने काम और वर्कप्लेस से संतुष्ट रहता है, तो उसकी प्रोडक्टिविटी पर सीधा असर पड़ता है. वह बेहतर ढंग से काम करता है, ज्यादा काम करता है और थकता भी नहीं. वर्कप्लेस पर अच्छा महसूस करने के लिए हमें तीन स्टेप लेने होंगे -

- अगर हमें काम ही पसंद नहीं है, तो हमें काम बदल लेना चाहिए. वर्कप्लेस से हम संतुष्ट नहीं है, तो वर्कप्लेस बदलने के बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए. कुछ लोग हिम्मत करके अपना वर्कप्लेस चेंज करते हैं. ज्यादातर लोग यह हिम्मत नहीं जुटा पाते. लेकिन रिस्क लेना चाहिए. ऐसे कई लोग हैं जिन्होंने 50 की उम्र के बाद अपना काम और वर्कप्लेस बदला है और कामयाब भी हुए हैं. आक्रोश लेकर, असंतुष्ट मन से काम कर हम कभी अच्छा महसूस नहीं कर सकते.
- अगर हम काम बदल नहीं सकते तो हमें एडजस्ट करना सीखना चाहिए. अपने काम करने के तरीके में बदलाव लाना चाहिए. अपने को इंप्रूव करना चाहिए ताकि काम को बेहतर ढंग से कर सकें, अपने काम को इंजॉय कर सकें.
- अगर बॉस हमारे काम से संतुष्ट नहीं है, या हमारे बात व्यवहार से खुश नहीं है, तो स्वाभाविक है वह हमारे ऊपर टीका टिप्पणी करता ही रहेगा. इससे हमारी मानसिक शांति भंग होगी. हम हमेशा तनाव में रहेंगे. जरूरी है कि बॉस के अनुसार अपने आप को बदलें. वह जैसा चाहता है, उसके अनुसार काम करें. अगर हम उसके गुड बुक्स में रहेंगे, तो हमें मानसिक तनाव नहीं रहेगा और हम अच्छा महसूस करेंगे. हम बॉस को नहीं बदल सकते इसलिए जरूरी है कि उसके अनुसार अपने आप को बदलें, अगर हम मानसिक शांति चाहते हैं.

घर

मोटिवेशन

जिंदगी को बेहतर बनाने का फंडा– एफजीए

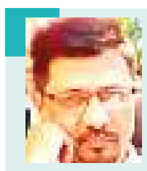

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

टर्म एफजीए इन दिनों काफी ट्रेंड कर रहा है. शायद आपने सुना होगा. अगर नहीं सुना तो आज इस टर्म से वाकिफ हो जाइए क्योंकि यह हमारी जिंदगी से बहुत क्लोजली जुड़ा हुआ है. इसका फुल फॉर्म है - फील गुड अप्रोच अर्थात अच्छा महसूस करने वाला दृष्टिकोण. लोग लगातार काम किए जा रहे हैं, भाग-दौड़ कर रहे हैं, पैसा कमा रहे हैं, नाम कमा रहे हैं लेकिन अफसोस, खुश नहीं हैं, अच्छा महसूस नहीं कर रहे हैं. जरूरी है कि आदमी जो करे, अच्छा महसूस करे. अब अच्छा महसूस कोई कैसे करेगा! आज इसी पर करें चर्चा....

हम सभी घर में काफी समय बिताते हैं. घर में अच्छा फील करने की सख्त जरूरत है. यह बात हमें अच्छी तरह से जान लेना चाहिए कि हम हर किसी को खुश नहीं कर सकते. तो इसका उपाय है कि जितना संभव है, हम अपने परिवार के लिए करें. अनावश्यक डिमांड को इग्नोर करें. परिवार में सिर्फ एक व्यक्ति के फील गुड अप्रोच से बात नहीं बनने वाली. इसके लिए सभी सदस्यों को प्रयास करना होगा. यह तभी संभव है जब परिवार के सदस्य मोबाइल की दुनिया से बाहर निकलें. परिवार के सदस्य शाम या रात के समय साथ बैठें, अच्छी सकारात्मक बातें करें. वही घिसा पिटा शिकायत और जरूरत का पिटारा लेकर न बैठ जाएं. परिवार में बातचीत का दरवाजा खुला हो, थोड़ा हंसी मजाक होता रहे तो माहौल खुशनुमा रहेगा, जिंदगी आनंददायक हो जाएगी.

सोच

आज का हर व्यक्ति ओवरथिंकिंग का शिकार है. इसमें से ज्यादातर बातें नकारात्मक होती हैं, इधर-उधर की बेकार की बातें होती हैं. हम कई व्यक्तियों के प्रति आक्रोश पाले रहते हैं. कुछ घटनाओं को लेकर दिन रात परेशान रहते हैं. जब दिन रात व्यक्ति नकारात्मक सोचेगा, बेकार की बातों से दिमाग को भरेगा, तो अच्छा महसूस कैसे करेग! जैसे मोबाइल की मेमोरी फुल हो जाती है, तो उसे खाली करना पड़ता है. इसी तरह व्यक्ति को दिमाग खाली करने की जरूरत है. और यह आसान काम नहीं है. इसके लिए ऑटो सजेशन की जरूरत पड़ेगी.

अचेतन को बोलना होगा

सोने से पहले अपने अवचेतन मन को सुझाव दें. कहें कि मुझे उन व्यक्तियों से दूर रहना है जो मेरी परेशानी का कारण हैं. मैं दिमाग से सारी नकारात्मक घटनाओं को हटा रहा हूं जो मुझे परेशान करती हैं. फिर ईश्वर को याद कर सो जाएं. सुबह उठकर 5 से 10 मिनट आंखें बंद कर अचेतन मन से बोलना होगा - आज का दिन उत्साह से भरा हुआ है. आज का दिन बहुत अच्छा जाएगा. मैं खुश हूं, ऊर्जा से भरा हुआ हूं. भीतर से हमें ऐसा महसूस भी करना होगा. मनोविज्ञान के अनुसार कोई भी काम आदमी अगर लगातार 66 दिनों तक करता है, तो वह उसकी आदत बन जाती है. यह प्रक्रिया अगर हम 66 दिन रोज करें तो काफी हद तक हम नकारात्मक लोग से दूर हो जाएंगे, और बेकार सोच से बाहर आ जाएंगे. तब हम अच्छा महसूस करेंगे.

मूल मंत्र

जब तक जिंदगी है, क्यों न अच्छा फील किया जाए. इसका ठीक से आनंद उठाया जाए. इसके लिए जरूरी है, हम अपने काम को इंजॉय करें, अपने संबंधों को बेहतर बनाएं और ओवरथिंकिंग से बाहर आएं. विश्व प्रसिद्ध जिम्नास्ट नादिया कोमानेची ने बहुत सही सलाह दी है - जिंदगी की यात्रा में हमारी कोशिश होनी चाहिए कि हमारा आज कल से बेहतर हो. हमें जो काम पसंद है, उसके प्रति हमारा प्यार और जुनून सदैव कायम रहना चाहिए.

इन दिनों मेरी किताब : तन मन मुसाफिर

एक यायावर की डायरी

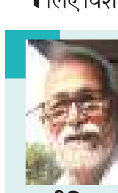

श्रीनिवास

यह किरण जी की तीसरी किताब है. मेरे लिए विशेष रुचि की इसलिए भी है कि मुझे भी यात्रा-पर्यटन पसंद है. मगर पूरा मौका नहीं मिल सका, जितना चाहता था. भारत में तो थोड़ा बहुत घूमा भी, पर मेरे हाथ में यदि विदेश यात्रा वाली रेखा रही हो, तो वह कोटा नेपाल की यात्रा से पूरा हो गया है. विदेशों के बारे में वहां हो आये मित्रों-परिचितों से सुन कर या यात्रा वृत्तांत पढ़ कर ही जानता रहा हूं. किरण जी की घुमक्कड़ी के किस्से रूबरू भी सुनता रहा हूं. कई बार साथ भी रहा हूं. और इस किताब का बहुत सारा हिस्सा छपने से पहले पढ़ चुका हूं. अब वह किताब के रूप में सामने है. किताब में खूबसूरत हिमाचल प्रदेश की यात्राओं का विवरण भी है. एक बार मैं भी लेखिका, इनकी मित्र और अपनी लाइफ पार्टनर कनक (जो अब नहीं हैं) के साथ हिमाचल गया था. "तन मन मुसाफिर" में जब उस यात्रा वृतांत (जो कई अध्यायों में विस्तार से समेटा गया है) को पढ़ा तो वहां की खूबसूरत यादें साकार होने लगी. किरण जी ने जिस सहज भाषा में वहां की संस्कृति, परम्पराओं को जोड़ते हुए उसका वरना किया है वह पढ़ने पर आकर्षक लगता है. 'कश्मीर की खूबसूरत वादियों' के बारे में पढता रहा हूं, फिल्मों में उसके नज़ारे देखता रहा हूं, लेकिन जाने का मौका वहां नहीं मिला है. पर इस किताब में पढ़ कर उन खूबसूरत वादियों की जीवंतता का अनुभव सहज ही हो जाता है. किताब में वहां की आंखों देखी पढ़ते हुए ऐसा लगा, जैसे मैं भी वहां भटक रहा हूं. 'धर्मशाला' की खूबसूरती का एहसास है, जो इस किताब से एक बार फिर जीवंत हो गया.

मगर इस किताब में मेरी विशेष रुचि विदेश यात्राओं में थी. अमेरिका- इंग्लैंड के बारे में तो जानकारी अधिक सुलभ है, मगर यूरोप में अनेक देश हैं, जिनकी खूबसूरती नहीं, उनके अलग सामाजिक जीवन, जिसमें आम लोगों के बीच बराबरी, ख़ास कर स्त्री-पुरुष समता का बहुत ऊंचा स्थान है, के बारे में जानने की हमेशा इच्छा रही है. वहां का खुलापन, खुशहाली, अपराध का कम होना आदि भी आकर्षण और जिज्ञासा का एक कारण रहा है. ऐसा ही एक अनोखा देश नीदरलैंड (या हॉलैंड) भी है. 'नीदरलैंड : जहां हवा में ही आजादी घुली हुई है' शीर्षक से भी उसके अनोखेपन का थोड़ा एहसास हो जाता है. किरण जी ने अपनी एक महिला मित्र के साथ नीदरलैंड की राजधानी एमस्टरडम का चर्चित रेड लाइट एरिया देखने का भी 'साहस' (कुछ लोग शायद बेशर्मी भी कहें) दिखाया, यह अच्छा लगा. उसके बिना एमस्टरडम का विवरण शायद अधूरा ही रहता. यहां अधिक बताना उचित नहीं होगा, मगर हम भारतीयों, ख़ास कर मध्यम वर्ग के लोगों के लिए वहां का नजारा सचमुच हैरान करने वाला है.

पूर्वी यूरोप के बारे में तो और कम जानता हूं. सोवियत संघ के खेमे से अलग होने के बाद इन देशों का क्या और कैसा बदलाव हुआ, यह जिज्ञासा हमेशा रही है. वह कमी इस किताब से बहुत हद तक पूरी हुई. म्यूनिख (जर्मनी), क्रोएशिया, प्राग (चेकोस्लोवाकिया), स्लोवेनिया और बुडापेस्ट के बारे में पहली बार इतना कुछ जान पाया. हालांकि एकाध चूक हुई है- लिखने या संपादन में- जैसे प्राग चेकोस्लोवाकिया का एक शहर (राजधानी) है, मगर शीर्षक प्राग एक छोटा पर सुबसूरत देश' छप गया. भूगोल से अनभिज्ञ पाठकों को भ्रम हो सकता है.

पूरब के देशों में इंडोनेशिया भी एक ख़ास देश है. विश्व के सर्वाधिक मुसलिम आबादी वाले इस देश की संस्कृति पर भारत और हिंदू धर्म का प्रभाव आज भी अक्षुण है. कम्बोडिया मूलतः बौद्ध धर्मावलम्बियों का देश है, मगर वहां प्राचीन हिंदू मंदिरों के अवशेष विद्यमान हैं. इस किताब को पढ़ कर वियतनाम और कम्बोडिया को और करीब से जानने का मौका मिला. मॉरीशस को तो हम दूर में बसे एक मिनी भारत के रूप में ही जानते रहे हैं, इस यात्रा वृत्तांत से वह धारणा फिर पुष्ट हुई. मिस्र (इजिप्ट) का प्राचीन इतिहास भी हमेशा और जानने की इच्छा जगाता रहा है. किरण जी ने इस इच्छा को बहुत कुछ पूरा तो किया, मगर जिज्ञासा और बढ़ा दी.

कुल मिला कर देश-दुनिया में रुचि रखने वालों के लिए यह यात्रा वृतांत, जिसे एक यायावर की डायरी भी कहा जा सकता है, एक पठनीय किताब है. कुछ लोग तो इसे पढ़ कर यात्रा का प्रोग्राम बनाने लगें शायद.

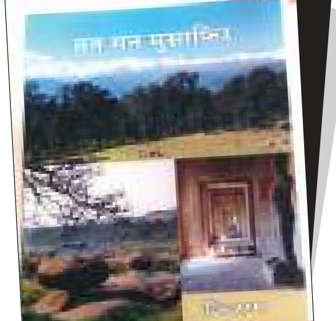

पुस्तक : तन मन मुसाफिर
पृष्ठ संख्या : 176
प्रकाशक : अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली
मूल्य – 299 रुपये

कीजिए दिमाग खाली

कहा जाता है कि खाली दिमाग शैतान का घर है, पर यह यूनिवर्सल ट्रूथ नहीं. कई बार खाली रह कर ही मशीनी जिंदगी से निजात मिलती है और हम नई ऊर्जा पाते हैं. कई रिसर्च रिपोर्ट में जाहिर हुआ है कि कुछ समय खाली बैठने से क्रिएटिविटी और प्रोडक्टिविटी दोनों में इजाफा होता है. एक बार वर्किंग डे या वीकेंड पर कुछ घंटे से एक-दो दिन तक बिल्कुल खाली बिता कर देखें. कुछ टिप्स आपके लिए-

तनाव कम करें

लगातार एक शेड्यूल को दोहराने से चिड़चिड़ापन बढ़ने लगता है. हम बर्नआउट की चपेट में आने लगते हैं. थकान, ऊर्जा में कमी, चिंतित रहना, गुस्सा-चिड़चिड़ापन आदि होती है. बिना भविष्य की चिंता के कुछ पल विराम को एंजॉय करें.

खुद को जानें

विराम के इन पलों में खुद को जानिए, समझिए. जब व्यक्ति खुद के विचारों के साथ बैठता है तो उसे न्यूरोसाइंस की दुनिया में डिफॉल्ट मोड नेटवर्क (डीएनएम) कहते हैं और इसे खुद से जुड़ने में मददगार माना जाता है.

भटकिए नहीं

काम की अधिक व्यस्तता कई बार हमें शराब, धूम्रपान, ओवरइटिंग, सोशल मीडिया का अधिक इस्तेमाल आदि में भी भटका देती है. कुछ समय खाली रहना हमने इन आदतों से छुटकारा पाने में मदद दे सकता है.

छुट्टी इनसे भी जरूरी

केवल काम से छुट्टी लेना ही काफी नहीं. इस अवधि में मोबाइल, टीवी, सोशल मीडिया, लोगों और किताबों तक से छुट्टी लेना है. किसी भी तरह की गतिविधि ने शामिल न होकर खाली बैठना और खुद को एक्सप्लोर करना, यही उद्देश्य है.

कबाड़ में खूबसूरती

वेस्ट मेटेरियल से बेस्ट मेटेरियल तैयार करने में जो सुख है, वह अलहदा है. जरा सी क्रिएटिविटी की छौंक बेकार सामान को खूबसूरत और उपयोगी बना सकती है. आज फ्यूज बल्ब और एग ट्रे के रियूज के लिए कुछ आइडियाज...

फ्यूज बल्ब

फ्यूज बल्बों में अपना पसंदीदा रंग पेंट करें. इन सारे बल्बों को तार से लटकाइए और आपस में मिलाकर हैंगिंग शो पीस बना दीजिए. इनका हैंगिंग प्लांटर भी बना सकते हैं. इसमें थोड़ा पानी डाल कर मनी प्लांट, ड्रैकेना, चाइनीज एवरग्रीन, पोथोस आदि लगा सकते हैं. इसे बालकनी में हैंग कर सजा सकते हैं. आप इन बल्बों को कलर कर कलरफुल डोरी में बांधकर झालर बना सकते हैं. बल्ब के अंदर तेल डालिए और उसमें एक बाती लगाइए. कॉटन के एक हिस्से को बाहर रखिए. इसे ऑयल लैंप की तरह इस्तेमाल करें.

एग ट्रे

एग ट्रे का इस्तेमाल कर आप प्लांट को उगाने के लिए किया जा सकता है. सबसे पहले, कार्टन के तल में कुछ छेद करके जल निकासी की जगह बनाएं. एग ट्रे को किसी पुराने ट्रे के नीचे रख दिया जाए ताकि किसी भी तरह का पानी बह न जाए. पूरे अंडे के कार्टन या सिर्फ एक या दो कप का उपयोग करके बर्ड फीडिंग बना सकते हैं. एग ट्रे के सभी कोनों में एक छेद करें. छेदों में सुतली पिरोएं और प्रत्येक के नीचे एक गांठ बांधें. इसमें पक्षियों के लिए खाना भरें और अस्थायी फीडर को एक पेड़ या बालकोनी पर लटका दें.

प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां कामाख्या देवी मंदिर

शक्ति पीठ यानी शक्ति का स्थान. हिंदू धर्म में देवी-केंद्रित संप्रदाय, शक्तिवाद में महत्वपूर्ण मंदिर और तीर्थ स्थल हैं. ये मंदिर आदि शक्ति के विभिन्न रूपों को समर्पित हैं. हिन्दू धर्मानुसार जिन स्थानों पर सती देवी के शरीर के अंग गिरे, वे स्थान शक्ति पीठ बन गए. ये अत्यंत पावन तीर्थ माने जाते हैं एवं पूरे भारतीय उपमहाद्वीप पर फैले हुए हैं.

सारिका भूषण

यात्रा वृतांत

पिछले महीने मुझे अपने पति के साथ किसी काम से कोलकाता जाना हुआ और सप्ताहांत का समय था. हम शनिवार की सुबह वाली फ्लाइट से कोलकाता से गुवाहाटी पहुंचे और जजेस गेस्ट हाउस में थोड़ा विश्राम कर सीधे कामरुप निकल गये मां कामख्या देवी के दर्शन के लिए. ऐसा नहीं था कि हम पहली बार जा रहे थे. कुछ वर्षों पहले हम बच्चों के साथ नवरात्र के समय अपने ट्रिप से लौटते समय दर्शन के लिये गये थे. मगर लाखों की भीड़ में हम सपरिवार बाहर से ही पूजा करके लौट आये थे. गर्भ गृह के अंदर बच्चों के साथ जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाये थे. कहते हैं न जब देवी इच्छा होती है तभी कुछ संभव हो सकता है. इसीलिए इस बार दर्शन एवं पूजन की उत्कट अभिलाषा थी.

यहां है यह सिद्ध शक्तिपीठ

पूर्वोत्तर के मुख्य द्वार कहे जाने वाले असम राज्य की राजधानी दिसपुर से 6 किलोमीटर एवं गुवाहाटी से 8 किमी की दूरी पर स्थित नीलांचल अथवा नीलशैल पर्वतमालाओं पर स्थित मां भगवती कामाख्या का यह सिद्ध शक्तिपीठ है.

तीन दर्शन के मायने

यहां मान्यता है कि जो भी बाहर से आये भक्तगण जीवन में तीन बार दर्शन कर लेते हैं उनके सांसारिक भव बंधन से मुक्ति मिल जाती है.

यह है कथा

पौराणिक कथा के अनुसार जब देवी सती अपने योगशक्ति से अपना देह त्याग दी तो भगवान शिव उनको लेकर घूमने लगे उसके बाद भगवान विष्णु अपने चक्र से उनका देह काटते गए तो नीलांचल पहाड़ी में भगवती सती की योनि (गर्भ) गिर गई, और उस योनि (गर्भ) ने एक देवी का रूप धारण किया, जिसे देवी कामाख्या कहा जाता है. योनी (गर्भ) वह जगह है जहां बच्चे को 9 महीने तक पाला जाता है और यहीं से बच्चा इस दुनिया में प्रवेश करता है और इसी को सृष्टि की उत्पत्ति का कारण माना जाता है. भक्त यहां देवी सती की गिरी हुई योनि (गर्भ) की पूजा करने के लिए आते हैं जो देवी कामाख्या के रूप में हैं और दुनिया के निर्माण और पालन–पोषण के कारण देवी सती के गर्भ की पूजा करते हैं. लोगो की मान्यता है जगत की मां देवी सती की योनि से ही संसार की उत्पत्ति हुई है जो कामाख्या देवी के रूप में है.

अष्टादश महाशक्तिपीठ स्तोत्र के अन्तर्गत

मैंने सुना और पढ़ा था कि तंत्र सिद्धि के लिए प्रसिद्ध यह मंदिर सती के इक्यावन शक्तिपीठों में यह सर्वोच्च स्थान रखता है. यहीं भगवती की महामुद्रा (योनि–कुण्ड) स्थित है. ये अष्टादश महाशक्तिपीठ स्तोत्र के अन्तर्गत है जो आदि शंकराचार्य ने लिखा था. पहाड़ी पर स्थित यह मंदिर एक महान शक्तिपीठ, श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र एवं तंत्र– मंत्र, योग–साधना का सिद्ध स्थान है. इस बात की पुष्टि मंदिर प्रांगण में पांव रखते ही हो जाती है.

हमारे पुजारी और स्थानीय अधिकारी भी हमें मंदिर का भ्रमण, दर्शन और सविस्तार इतिहास बताते जा रहे थे. चारों ओर लाल उड़हल के फूलों की खुशबू, हवन के मंत्र और भक्तों की कतार मंदिर प्रांगण को भव्यता प्रदान कर रहे थे. गर्भ गृह में दर्शन और पूजन के बाद जो अद्भुत अनुभूति हो रही थी, उसे मेरे लिये शब्दों में बताना मुश्किल है. मेरे हाथ जुड़े हुए थे, आंचल में उड़हल के फूल और गर्भ गृह से मिले प्रसाद भरे थे. मेरा रोम–रोम देवी दर्शन के बाद पुलकित था. अपने अंतर्मन की शक्ति जागृत करने और सदकर्मों से बुराइयों पर विजय पाने की शक्ति पाने की कोशिश ही शक्तिपीठ जाने की सार्थकता सिद्ध करती है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

रांची टेस्ट : दूसरी पारी में 145 पर सिमटा इंग्लैंड, 192 रन का पीछा करते हुए भारत की ठोस शुरुआत

भारतीय स्पिन तिकड़ी के आगे इंग्लैंड पस्त

संवाददाता । रांची

अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव के नौ विकेट से चौथे क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन रविवार को यहां इंग्लैंड को दूसरी पारी में 145 रन पर समेटने के बाद भारत ने 192 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बिना विकेट खोए 40 रन बनाकर अपना पलड़ा भारी रखा. दिन का खेल खत्म होने पर कप्तान रोहित शर्मा 24 जबकि उनके साथी सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 16 रन बनाकर खेल रहे थे. भारत को अब जीत के लिए 152 रन की दरकार है जबकि उसके सभी 10 विकेट शेष हैं. रोहित ने दूसरी पारी के दौरान टेस्ट क्रिकेट में चार हजार रन भी पूरे किए. दूसरी पारी में अब तक हुए आठ ओवर में रोहित काफी सकारात्मक नजर आए. वह अब तक 27 गेंद का सामना करते हुए चार चौके मारे चुके हैं.

उन्हें जो रूट, टॉम हार्टले और शोएब बशीर की स्पिन तिकड़ी का सामना करने में कोई परेशानी नहीं हुई.अश्विन (51 रन पर पांच विकेट) ने इससे पहले 35वीं बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाए जबकि कुलदीप (22 रन पर चार विकेट) ने चार बल्लेबाजों को आउट किया जिससे सलामी बल्लेबाज जैक क्राउली (91 गेंद में 60 रन, सात चौके) की तेजतर्रार पारी के बावजूद इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में 145 रन पर सिमट गई. इंग्लैंड के पहली पारी के 353 रन के जवाब में सुबह के सत्र में भारत 307 रन पर सिमट गया था और 46 रन से पिछड़ गया.

भारतीय स्पिनरों ने दूसरी पारी में पूरे 10 विकेट चटकाए

05 विकेट चटकाए अश्विन ने

04 हजार रन रोहित ने टेस्ट में पूरे किए

04 विकेट चटकाए कुलदीप ने

90 रन बनाए ध्रुव जुरेल ने

रांची में अश्विन ने रचा इतिहास

भारत में सबसे अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज बने अश्विन पोप के विकेट के साथ अश्विन ने भारत में सबसे अधिक टेस्ट विकेट के अनिल कुंबले (350 विकेट) के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया. कुंबले ने भारतीय मैदानों पर कुल 63 मैच खेले. इस दौरान उन्होंने 350 विकेट झटके.

भारत में सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदवाज

खिलाड़ी	टेस्ट	विकेट
रविचंद्रन अश्विन	59	354
अनिल कुंबले	63	350
हरभजन सिंह	55	265
कपिल देव	65	219
रवींद्र जडेजा	43	211

फाइफर के मामले में अश्विन ने की कुंबले की बराबरी

अश्विन ने भारत के लिए सबसे ज्यादा बार एक पारी में पांच या उससे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए. इस मामले में उन्होंने कुंबले की बराबरी की. कुंबले ने 132 टेस्ट में 35 बार पारी में पांच या उससे अधिक विकेट लिए थे. अश्विन ने 99वें टेस्ट में ही उनकी बराबरी कर ली. उनके टेस्ट में अब कुल 507 विकेट हो गए.

टेस्ट की एक पारी में सर्वाधिक 5+ विकेट लेने वाले गेंदबाज

खिलाड़ी देश	टेस्ट	विकेट	पारी	5+ विकेट
मुथैया मुरलीधरन	श्रीलंका	133	800	67
शेन वॉर्न	ऑस्ट्रेलिया	145	708	37
रिचर्ड हैडली	न्यूजीलैंड	86	431	36
रविचंद्रन अश्विन	भारत	99	507	35
अनिल कुंबले	भारत	132	619	35

जुरेल ने पहली पारी में भारत को संभाला

ध्रुव जुरेल ने 90 रन की जुझारू पारी खेलकर टीम संभाला और टीम का स्कोर 300 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई. राजकोट में पदार्पण करते हुए 46 रन बनाने वाले जुरेल ने दबाव का अच्छी तरह से सामना करते हुए करियर की सर्वश्रेष्ठ 90 रन की पारी खेली और अपना पहला अर्धशतक जड़ा. उन्होंने कुलदीप (28) के साथ आठवें विकेट के लिए 76 और पदार्पण कर रहे आकाश दीप (09) के साथ नौवें विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी की. जुरेल ने 96 गेंद में अर्धशतक पूरा करने के बाद बशीर (119 रन पर पांच विकेट) और टॉम हार्टले (68 रन पर तीन विकेट) की इंग्लैंड की स्पिन जोड़ी के खिलाफ कुछ बड़े शॉट खेले.

स्कोरकार्ड

भारत पहली पारी

यशस्वी जायसवाल बो बशीर : 73
रोहित शर्मा का फोक्स बो एंडरसन : 02
शुभमन गिल पगबाधा बो बशीर : 38
रजत पाटीदार पगबाधा बो बशीर : 17
रविंद्र जडेजा का पोप बो बशीर : 12
सरफराज खान का रूट बो हार्टले : 14
ध्रुव जुरेल बो हार्टले : 90
रविचंद्रन अश्विन पगबधा बो हार्टले : 01
कुलदीप यादव बो एंडरसन 28
आकाश दीप पगबाधा बो बशीर : 09
मोहम्मद सिराज नाबाद : 00
अतिरिक्त : 23

कुल : 103 .2 ओवर में सभी विकेट खोकर : 307 रन विकेट पतन : 1-4, 2-86, 3-112 4-130, 5-161, 6-171, 7-177, 8-253, 9-293 गेंदबाजी : एंडरसन 18-4-48-2, रॉबिन्सन 13-0-54-0, बशीर 44-8-119-5, हार्टले 27 .2-6-68-3, रूट 1-0-1-0

स्कोरकार्ड

इंग्लैंड दूसरी पारी

जैक क्राउली बो कुलदीप : 60
बेन डकेट का सरफराज बो अश्विन : 15
ओली पोप पगबाधा बो अश्विन : 00
जो रूट पगबाधा बो अश्विन : 11
जॉनी का पाटीदार बो जडेजा : 30
बेन स्टोक्स बो कुलदीप : 04
बेन फोक्स का एवं बो अश्विन : 17
टॉम का सरफराज बो कुलदीप : 07
ओली रॉबिन्सन पगबाधा बो कुलदीप : 00
शोएब बशीर नाबाद : 01
जेम्स एंडरसन का जुरेल बो आर अश्विन : 00
अतिरिक्त : 00

कुल : 53 .5 ओवर में सभी विकेट खोकर : 145 रन विकेट पतन : 1-19, 2-19, 3-65, 4-110, 5-120, 6-120, 7-133, 8-133, 9-145 गेंदबाजी : अश्विन 15 .5-0-51-5, जडेजा 20-5-56-1 सिराज 3-0-16-0, कुलदीप 15-2-22-4.

भारत दूसरी पारी : रोहित शर्मा नाबाद 24, यशस्वी जायसवाल नाबाद 16, अतिरिक्त : 00, कुल :आठ ओवर में बिना विकेट खोए : 40 रन, गेंदबाजी : रूट 4-0-17-0, हार्टले 3-0-22-0, बशीर 1-0-1-0

ब्रीफ खबरें

पीएसएल से बाहर हुए हारिस राऊफ

लाहौर । पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस राऊफ कंधे में चोट के कारण पीएसएल के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं. पीएसएल में लाहौर कलंदर्स के लिए खेलने वाले इस 30 वर्षीय तेज गेंदबाज को शुक्रवार रात कराची किंग्स के खिलाफ क्षेत्ररक्षण करते समय कंधे में चोट लग गई थी और वह मैदान से बाहर चले गए थे. लाहौर कलंदर्स के प्रवक्ता ने कहा कि एमआरआई स्कैन और अन्य परीक्षणों से पता चला है कि उनके कंधे में चोट है जिसे ठीक होने में समय लगेगा इसलिए वह पीएसएल से बाहर हो गए हैं.

गोपी थोनाकल ने नयी दिल्ली मैराथन जीता

नयी दिल्ली । पूर्व एशियाई चैंपियन गोपी थोनाकल ने रविवार को यहां नई दिल्ली मैराथन का खिताब जीता लेकिन पेरिस ओलंपिक क्वालीफाइंग स्तर को हासिल करने से बड़े अंतर से चूक गए. एशियाई मैराथन 2017 का खिताब जीतने वाले 35 वर्षीय गोपी ने पुरुष एलीट स्पर्धा में 42.195 किमी की दूरी दो घंटे 14 मिनट और 40 सेकेंड में पूरी की. वह हालांकि दो घंटे आठ मिनट 10 सेकेंड के पेरिस ओलंपिक के क्वालीफाइंग स्तर से काफी पीछे रहे.

कप्तान हसरंगा दो मैच के लिए निलंबित

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने दाम्बुला में तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन मामले में श्रीलंका के कप्तान वानिंदु हसरंगा को दो मैच के लिए निलंबित किया है जबकि अफगानिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया है. आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर हसरंगा को 24 महीने की अवधि में कुल पांच डिमेरिट अंक मिलने के बाद उन पर प्रतिबंध लगाया गया है.

न्यूजीलैंड को किया क्लीन स्वीप

अंतिम टी-20 डकवर्थ-लुईस पद्धति से जीती ऑस्ट्रेलियाई टीम

भाषा । ऑकलैंड

- ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 27 रन से हराया
- तीन मैचों की शृंखला 3-0 से ऑस्ट्रेलिया के नाम

ऑस्ट्रेलिया ने वर्षा से प्रभावित तीसरे और अंतिम टी-20 अंतरराष्ट्रीय में रविवार को यहां न्यूजीलैंड को डकवर्थ-लुईस पद्धति के तहत 27 रन से हराकर तीन मैच की शृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप किया. न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सेंटनर ने अपने 100वें टी-20 अंतरराष्ट्रीय में बारिश की संभावना को देखते हुए टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया. ऑस्ट्रेलिया की पारी में बारिश ने तीन बार व्यवधान डाला और अंततः 10.4 ओवर में चार विकेट पर 118 रन के स्कोर पर उसकी पारी को खत्म करना पड़ा. डकवर्थ-लुईस पद्धति के तहत न्यूजीलैंड को 10 ओवर में 126 रन का लक्ष्य मिला. न्यूजीलैंड की टीम इसके जवाब में स्पेंसर जॉनसन (दो ओवर में 10 रन पर एक विकेट), एडम जंपा (दो ओवर में 20 रन पर एक विकेट), नाथन एलिस (दो ओवर में बिना विकेट के 11 रन) और मिशेल स्टार्क (दो ओवर में बिना विकेट के 15 रन) की किफायती गेंदबाजी के सामने 10 ओवर में तीन विकेट पर 98 रन ही बना सकी. न्यूजीलैंड की ओर से ग्लेन फिलिप्स ने 24 गेंद में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से सर्वाधिक नाबाद 40 रन बनाए लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके. इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के लिए ट्रेविस हेड ने 33 जबकि मैथ्यू शॉर्ट ने 27 रन की पारी खेली. शॉर्ट ने 11 गेंद का सामना करते हुए तीन छक्के और एक चौका लगाया.

आकाशदीप ने उज्जवल भविष्य का संकेत दिया : इरफान पठान

नयी दिल्ली । भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने रांची में पदार्पण करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के पहले दिन तीन विकेट चटकाकर तुरंत प्रभाव डालने के लिए रविवार को आकाश दीप की सराहना की.

इरफान ने कहा कि एक तेज गेंदबाज के लिए भारत में पदार्पण करना बहुत मुश्किल होता है, लेकिन जिस तरह से आकाश ने गेंदबाजी की और तीन विकेट लिए, उसने उज्ज्वल भविष्य का संकेत दिया. इरफान ने यहां नई दिल्ली मैराथन के इतर कहा कि एक बल्लेबाज के रूप में आप चाहते हैं कि आपका पदार्पण भारत में हो लेकिन एक तेज गेंदबाज के रूप में आप इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका या न्यूजीलैंड में पदार्पण करने का सपना देखते हैं. उन्होंने कहा कि मैच के पहले सत्र में उसने जिस तरह से गेंदबाजी की और तीन विकेट लिए वह सराहनीय है. हम उम्मीद करते हैं कि यहां से आकाश के करियर का ग्राफ ऊपर ही जाएगा.

फेडरेशन कप वुशु प्रतियोगिता संपन्न

झारखंड ओवरऑल चैंपियन

संवाददाता । रांची

खेल गांव के ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इंडोर स्टेडियम में 7वीं फेडरेशन कप वुशु प्रतियोगिता का समापन हुआ. इस प्रतियोगिता में झारखंड की टीम 47 पदक के साथ ओवरऑल चैंपियन बनीं. 33 पदक के साथ दूसरे स्थान पर राजस्थान और 20 पदक के साथ तीसरे स्थान पर असम की टीम रही. प्रतियोगिता में झारखंड की ओर से आस्था इरांव ने सर्वाधिक तीन स्वर्ण पदक जीते. मुख्य अतिथि राज्य परियोजना पदाधिकारी धीरसेन ए सोरेन ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी और पदक देकर सम्मानित किया. इस अवसर पर साईं के बी महापत्र, वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सुहेल अहमद, चंचल भट्टाचार्य, मनोज महतो, मनोज साहू, शिवेंद्र दुबे, शैलेन्द्र दुबे, मिथलेश साहू, शम्भू सेठ, प्रद्युम्न बेहरा, अशोक मौकाशी,डी कॉन्डया, शैलेन्द्र कुमार,उमा रानी पालीत आदि उपस्थित थे.

झारखंड के पदक विजेता खिलाड़ी

- **स्वर्ण** : निशांत तिर्की,तारा कुमारी, श्रेया कुमारी, सोनाली कुमारी, शिवम उरांव, ललन यादव, अंकित कुमार, आकाश उरांव, संजना कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, तनुश्री, साकिब अंसारी, सोनी मिंज,प्रिया गाड़ी, आस्था उरांव, मनीष मुंडा, एल प्लेटोदीप सिंह,आस्था उरांव
- **रजत** : डॉली कुमारी,तारा कुमारी, अंकित कुमार, रोहित कुमार गंझु
- **कांस्य** : सोमनाथ सिंह कंचन तिग्गा,तनुश्री, संजना कुमारी, कुसुम कुमारी आकाश उरांव, सोनी मिंज.

बैडमिंटन पैरा बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप में भारत का शानदार प्रदर्शन, खाते में तीन स्वर्ण पदक

सुहास यथिराज, प्रमोद भगत व कृष्णा ने जीता स्वर्ण

- यथिराज ने फ्रेडी को हराकर अपना पहला विश्व खिताब जीता

भाषा । पटाया (थाईलैंड)

भारत के सुहास यथिराज, प्रमोद भगत और कृष्णा नागर ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए रविवार को यहां पैरा बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप की क्रमशः पुरुष एकल एसएल 4, एसएल 3 और एसएच 6 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते. पैरालंपिक रजत पदक विजेता दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी यथिराज ने एसएल 4 (शरीर के निचले अंगों में मामूली समस्या) फाइनल में इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान को 21-18 21-18 से हराकर अपना पहला विश्व खिताब जीता. कर्नाटक के यथिराज उत्तर प्रदेश कैडर के 2007 बैच के आईएएस अधिकारी हैं.

उन्होंने कहा कि स्वर्ण पदक मिला, खुश हूं और विश्व चैंपियन बनकर गौरवांवित हूं. वह वर्तमान में उत्तर प्रदेश सरकार में युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल के सचिव और महानिदेशक हैं. एसएच6 (कम लंबाई) श्रेणी में पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता कृष्णा नागर भी पुरुष एकल फाइनल में चीन के लिन नेली पर 22-20 22-20 से जीत हासिल कर चैंपियन बने.

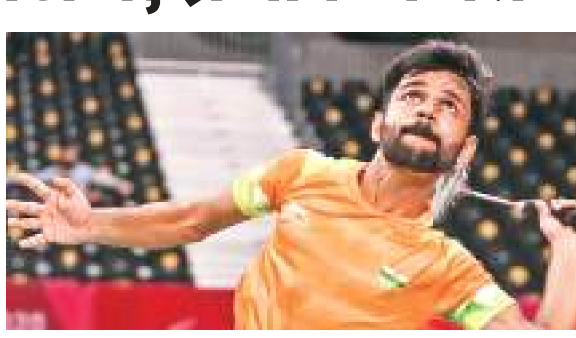

भगत ने पूरी की खिताबी हैट्रिक

चीन में पैरा एशियाई खेलों में एक स्वर्ण और दो कांस्य पदक जीतने वाले भगत ने एसएल 3 (शरीर के निचले अंगों में अधिक समस्या)फाइनल में इंग्लैंड के डेनियल बेथेल को 14-21 21-15 21-14 से हराया. पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता 35 वर्षीय भगत ने इस प्रकार 2015 में स्टोक मैंडविले और 2019 में बासेल के बाद खिताब की हैट्रिक पूरी की. उन्होंने 2022 में तोक्यो और 2009 में सियोल में भी स्वर्ण पदक जीते. भगत ने कहा कि विभिन्न कारणों से यह जीत मेरे दिल में विशेष स्थान रखती है.

मनीषा रामदास ने रजत पदक जीता

महिला एकल एसयू5 (शरीर के ऊपरी अंगों में समस्या) में मनीषा रामदास ने फाइनल में चीन की यांग क्यू शिया के खिलाफ शिकस्त से रजत पदक जीता. चिराग बरेठा व राज कुमार की पुरुष युगल जोड़ी तथा रचना शैलेशकुमार और निथ्या श्री सुमति सिवान की महिला युगल जोड़ी को क्रमश : एसयू5 और एसएच6 श्रेणियों में रजत पदक से संतोष करना पड़ा.

अभय सिंह बने चैंपियन

गुडफेलो क्लासिक स्क्वाश

- फाइनल में अभय ने इलिय मौरिस को 3-0 से हराया
- इस जीत के साथ अभय ने आठवां पीएसए खिताब जीता

भाषा । नयी दिल्ली

एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय सिंह ने टोरंटो में गुडफेलो क्लासिक स्क्वाश टूर्नामेंट के फाइनल में इलियट मौरिस डेवरेड को 3-0 से हराकर आठवां पीएसए खिताब जीता.इस चैलेंजर स्क्वाश टूर्नामेंट की कुल इनामी राशि नौ हजार डॉलर थी. शीर्ष वरीय भारतीय अभय ने अपने करियर के 12वें फाइनल में खेलते हुए डेवरेड को 40 मिनट में 11-7, 11-9, 11-9 से हराया. दुनिया के 66वें नंबर के खिलाड़ी अभय का साल का यह दूसरा चैलेंजर

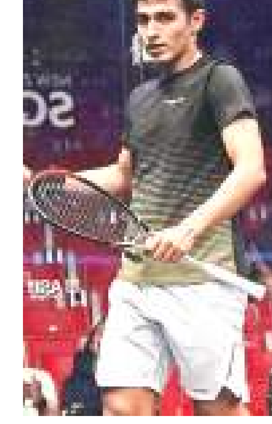

खिताब है. इससे पूर्व उन्होंने पिछले महीने मुंबई में जेएसडब्ल्यू विलिंगडन का खिताब जीता था. अभय अब मार्च में कनाडा पुरुष ओपन में हिस्सा लेंगे.

ब्रीफ खबरें

पत्नी की हत्या कर पति फरार, केस दर्ज

नवादा । भाभी के प्यार में पति ने 3 महीना की गर्भवती पत्नी की हत्या कर फरार हो गया. घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया. मामला शनिवार का कादिरगंज थाना क्षेत्र के घोतातवां गांव का है. मृतका की पहचान कमलेश यादव की पत्नी प्रीति कुमारी के रूप में हुई है. मृतक की बहन स्वीटी ने बताया कि उसकी बहन के पति कमलेश यादव की अपनी भाभी के साथ अवैध संबंध चल रहा था.

बालू माफिया ने ग्रामीणों को मारी गोली, 3 घायल

गया । बालू माफिया और ग्रामीणों के बीच झड़प में हुई फायरिंग में तीन लोग घायल हो गये. घटना जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के वारिश नगर मोहल्ले की है. रविवार को लोग शब-ए-बारात की तैयारी को लेकर साफ-सफाई कर रहे थे. इस दौरान अचानक बालू माफिया और ग्रामीणों के बीच झड़प हो गई. दोनों ओर से जमकर पत्थरबाजी हुई. बालू माफिया के द्वारा कई राउंड ताबातोड़ फायरिंग की गई, जिसमें तीन ग्रामीण को गोली लग गई. आनन-फानन में घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया. वहीं, घटना की सूचना के बाद मौके पर सीटी एसपी प्रेरणा कुमार पहुंचे.

घूस मांगने के आरोप में दरोगा हुआ सस्पेंड

छपरा । एक केस से नाम हटाने के लिए दरोगा द्वारा पैसे मांगने पर कार्रवाई हो गयी. अभियुक्त से शराब, मुर्गा और 25000 नगद मांगा जा रहा था. एसपी ने उन्हें सस्पेंड कर दिया. प्राथमिक दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई भी शुरू हो गई. मामले में एक अन्य दारोगा पर भी कार्रवाई की जा रही है. एसपी के इस एक्शन से पुलिस डिपार्टमेंट में हड़कंप मचा है. मामला भगवान बाजार थाना से जुड़ा है. एक आपराधिक वारदात के अनुसंधानकर्ता दरोगा ऋषि मुनी राम पर यह आरोप लगाया गया है. दरोगा ने आरोपी से फोन पर घूस की मांग की जिसका ऑडियो क्लिप भी वायरल हो रहा है.

10 दिनों में बिहार के लोगों को मिलेगा 2 लाख करोड़ का तोहफा

पीएम करेंगे योजनाओं का शिलान्यास

ज्ञानवर्द्धन मिश्र/पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले दस दिनों के भीतर बिहार को 2 लाख करोड़ रुपये का तोहफा देंगे. इसमें कई योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास की वृहद योजना शामिल है. नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य में एनडीए की सरकार बनने के बाद केंद्र की ओर से इसे पहला बड़ा उपहार माना जा रहा है. इस संबंध में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने रविवार को यहां कहा कि विपक्ष में बैठे लोग लगातार यह कहते रहते हैं कि पीएम मोदी ने बिहार को कुछ नहीं दिया. वैसे तो हमलोग काम में विश्वास करते हैं प्रचार में नहीं. लेकिन, आज उनको बताना जरूरी हो गया है कि अगले 10 दिनों में एक बार फिर से पीएम मोदी 2 लाख करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन या शिलान्यास करेंगे. सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार में आज स्वास्थ्य विभाग के अंदर हजारों करोड़ रुपये की योजनाओं का उद्घाटन करेंगे या शिलान्यास करेंगे. इसके बाद सोमवार को रेलवे के 70,000 करोड़ के योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे. इसी तरह अगले दस दिनों में बिहार में लगभग 2 लाख करोड़ की योजनाओं का लाभ बिहार के लोगों को मिलेगा. पीएम मोदी के बिहार दौरे को लेकर सम्राट ने जानकारी साझा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री 2 मार्च को औरंगाबाद और बेगूसराय की धरती पर आ रहे हैं. यहां भी हजारों करोड़ों की योजनाओं को उद्घाटन और शिलान्यास होगा. इसके बाद बिहार दौरे के लिए गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री का भी कार्यक्रम बन गया है, वे लोग भी आएंगे.

मिलेगी सौगात
- 70000 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास होगा
- पीएम औरंगाबाद और बेगूसराय भी आएंगे

लुटेरे लोग सत्ता हथियाना चाहते हैं : सम्राट

जीतन राम मांझी के समर्थन से 128 विधायकों का समर्थन

संवाददाता।पटना

पीएम मोदी की मन की बात पर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात के माध्यम से पूरे देश को संबोधित किया. नमो ड्रोन दीदी किस तरह से किसानों की सहायता कर रही हैं, उसके बारे में चर्चा की. देश के विकास की भी चर्चा की.

चौधरी ने कहा कि पीएम मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया नए मतदाता देश के लिए वोट करें. इसके लिए बिहार बीजेपी की ओर से पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं. आगे उन्होंने कहा कि पीएम 2 मार्च को औरंगाबाद और बेगूसराय आ रहे हैं और हजारों करोड़ों की योजना को उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे. अमित शाह और रक्षा मंत्री का भी कार्यक्रम बन गया है. प्रधानमंत्री एक बार फिर चुनाव के घोषणा से पहले उद्घाटन एवं शिलान्यास के कार्यक्रम में आएंगे. इस दौरान तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि यह लुटेरे हैं. भ्रष्टाचार करके सत्ता पाना चाहते हैं. हमारी पार्टी के 78 विधायक हैं. जनता दल यूनाइटेड के 46 हैं. दोनों को जोड़ने पर 124 का समर्थन प्राप्त होता है. मांझी जी के समर्थन से 128 विधायकों का समर्थन है. लेकिन लुटेरे लोग जिसने बिहार को लूटकर पैसों के बल पर सत्ता को हथियाना चाहते थे. उस पर कार्रवाई होगी. उनके पिता कहते हैं एमवाई की पार्टी है. बेटा कहता है बीएएपी की पार्टी है. मैं जानता हूं लालू यादव की पार्टी माई बाप की पार्टी है, लेकिन भाजपा और जनता दल यूनाइटेड के लिए जनता ही माई बाप है.

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने तेजस्वी यादव पर किया पलटवार, बोले

तेजस्वी की ख्याति घोटाले से है

संवाददाता ।बेगूसराय

जन विश्वास यात्रा पर निकले तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा को निशाना बना रहे हैं तो भाजपा नेता भी उन पर हमलावर हैं. इसी क्रम में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने तेजस्वी पर पलटवार किया. भाजपा नेता ने तेजस्वी यादव को नीतीश के नाम का लॉकेट गले में लटका कर चलने की सलाह दी. कहा कि नीतीश कुमार की भूल से लालू यादव और तेजस्वी का वनवास टूट गया.

अपने संसदीय क्षेत्र बेगूसराय में गिरिराज सिंह ने कहा कि लालू यादव और तेजस्वी यादव घोटालों के लिए जाने जाते हैं. अगर नीतीश कुमार महागठबंधन के साथ जाने की भूल नहीं करते तो इन्हें सरकार में आने का मौका इन्हें कभी नहीं मिलता. उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति का डीएनए ही लूट पाट और भ्रष्टाचार हो वह क्या बात करेगा. लालू जी का बेटा होने के कारण तेजस्वी यादव उपमुख्यमंत्री के रूप में आए. घोटाले से ही उनकी ख्याति है. पांच विभागों के मंत्री और उपमुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने कितना काम किया, यह बिहार की जनता को बताना चाहिए. नीतीश कुमार ने भूल कर दी कि लालू और तेजस्वी का भाग्य जग गया और उनका वनवास टूट गया, नहीं तो इनका कहीं आता-पता नहीं होता. ये लोग नीतीश कुमार के नाम का लॉकेट लटका कर घूमें तो ज्यादा बेहतर होगा.

वहीं बिहार सरकार में मंत्री श्रवण कुमार रविवार को नालंदा जिले के नूरसराय पहुंचे थे. सरदार पटेल स्टेडियम में पूर्व से निर्धारित क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किये. इस दौरान मंत्री श्रवण कुमार ने भी बैट बॉल खेलकर इसका उद्घाटन किया. मैच को देखने के लिए काफी संख्या में लोग पहुंचे थे. वहीं, मंत्री ने एक बार फिर राजद पार्टी पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि किसी भी पॉलिटिकल पार्टी को यह अधिकार प्राप्त है कि वह जो यात्रा करनी चाहती है वो कर सकती है, लेकिन आरजेडी की सारी यात्रा फेल होते जा रही है. श्रवण कुमार ने कहा कि राजद की यात्रा का फेल होने का यह भी कारण है कि जब विधानसभा में सरकार बहुमत साबित करना चाहती थी उस समय कहा था कि खेला होगा, लेकिन उनसे खेला तो नहीं हुआ. मतलब एक यात्रा तो पहले ही बिगड़ गया. अब जितनी भी यात्रा उनकी होगी सब विफल होगी. हमलोग काम में विश्वास करते हैं. सुख-सुविधा बढ़ाने में विश्वास करते हैं. समस्या को हल करने में विश्वास करते हैं. राजद विश्वास यात्रा कर ले या फिर अविश्वास यात्रा कर ले कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है.

गरजे गिरिराज
- नीतीश की भूल से लालू और तेजस्वी का भाग्य जाग गया
- नीतीश के नाम का लॉकेट लटकाकर घूमें, अच्छा होगा
- मंत्री श्रवण कुमार ने क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया

जीतन राम ने नीतीश की सरकार बचा ली: तेजस्वी

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राजद सुप्रीमो लालू यादव के पुत्र तेजस्वी यादव सोमवार को जाॄन विश्वास यात्रा के दूसरे चरण पर निकले. वैशाली से उनकी यात्रा का दूसरा चरण शुरू हुआ. इससे पहले पटना में उन्होंने नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा. कहा कि जीतन राम मांझी ने उनकी सरकार बचा ली. तेजस्वी ने लोगों को पटना गांधी मैदान में 3 मार्च को आयोजित होने जन्म विश्वास रैली में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया. तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश कुमार से बिहार की जनता ऊब चुकी है. उनका कामकाज में मन नहीं लग रहा है. इसलिए पार्टी के लोग भी उनसे उब चुके हैं. पदाधिकारी भी इतने उब चुके हैं कि उनके साथ काम नहीं करना चाहते. इस तरह उनके नेतृत्व में बिहार आगे नहीं बढ़ने वाला है. जीतन राम मांझी के बयान को याद करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि उन्होंने सही कहा था कि हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के चार विधायकों ने मिलकर उनकी सरकार बचा ली वरना कुछ भी हो सकता था. नेता प्रतिपक्ष ने कैबिनेट विस्तार में हो रही देरी को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर एक महीने होने के बाद भी अब तक कैबिनेट का विस्तार कहीं क्यों नहीं हो पा रहा है? यह तो मुख्यमंत्री जी को बताना चाहिए. उन्होंने कहा कि इससे राज्य के विकास में सीधा असर पड़ रहा है और इससे बहुत कुछ रूका हुआ है. तेजस्वी यादव के बयान पर जदयू ने तीखी प्रतिक्रिया दी. पूर्व मंत्री जयंत राज ने कहा कि तेजस्वी यादव अभी नए-नए विपक्ष में गए हैं. इसलिए दर्द में हैं तो बोलते रहते हैं. यह स्वभाविक है. लेकिन, उन्हें याद करना चाहिए कि उनके 3 विधायक पार्टी छोड़कर हमारे पास आ गए तो कौन किससे परेशान है, यह समझ जाना चाहिए. 2024 में उन्हें पता चल जाएगा कि जनता किससे परेशान है. जब जनता बिहार की सभी 40 लोकसभा सीट एनडीए के खाते की झोली डाल देगी. तेजस्वी ने पहले कहा था कि जदयू पार्टी को बीजेपी ने हाईजैक कर लिया है. इस पर मंत्री ने कहा कि जदयू को कौन हाईजैक करेगा?

अपराधियों ने दिनदहाड़े कारोबारी पर की फायरिंग

संवाददाता।पटना

राजधानी पटना में अपराधियों ने रंगदारी को लेकर कारोबारी पर हमला कर दिया. मामला खाजेकला थाना क्षेत्र के हजारी मोहल्ले का है, जहां रंगदारी नहीं दिए जाने पर दिनदहाड़े हथियारबंद अपराधियों ने शीशा कारोबारी के ऊपर जानलेवा हमला कर दिया. इस दौरान हथियारबंद अपराधियों ने शीशा कारोबारी को ऊपर अंधाधुंध फायरिंग की. हालांकि अपराधियों द्वारा किए गए इस जानलेवा हमले में शीशा कारोबारी बाल-बाल बच गया. इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे में अपराधियों की पूरी करतूत कैमरे में कैद हो गई है. पीड़ित कारोबारी द्वारा घटना की जानकारी पुलिस को दिए जाने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर पूरे मामले की छानबीन में जुट गई. पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से अपराधियों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी को लेकर ताबड़तोड़ छापेमारी अभियान में जुट गई है. घटना के संबंध में खाजेकला के कन्हैया टोला निवासी पीड़ित शीशा कारोबारी मोहम्मद चांद ने बताया कि हजारी मोहल्ला स्थित वह अपने कारखाने के आगे बैठे थे.

संदिग्ध अवस्था में मिला असिस्टेंट इंजीनियर का शव

संवाददाता।मुजफ्फरपुर

जल संसाधन विभाग की मैकेनिकल डिवीजन की असिस्टेंट इंजीनियर महिमा कुमारी का शव शनिवार को संदिग्ध अवस्था में घर में मिला. उनकी लाश सदर थाना के पास अतरदह मोहल्ला स्थित किराए के मकान में मिली. वो कमरे के फर्श पर शव पड़ी थी. आशंका जताई जा रही कि उनकी मौत काफी देर पहले हो चुकी थी. वह मूल रूप से लखीसराय की रहने वाली थीं. महिमा की शादी नहीं हुई थी. साल 2020 से वह यहां काम कर रही थीं और किराए के मकान में रहती थीं. उनकी गर्दन के पास और चेहरे पर जख्म के निशान थे. शव की स्थिति देखकर लोगो को हत्या की आशंका हुई. स्थानीय लोगों ने सदर थाना को घटना की जानकारी दी. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की. दरअसल, वह विनोद गुप्ता के मकान में दो साल से अकेले ही रह रही थीं.

कारोबार

जनवरी में देश का इस्पात निर्यात 11 लाख टन हुआ

नयी दिल्ली । देश का मासिक इस्पात निर्यात जनवरी, 2024 में 11 लाख टन के 18 माह के उच्चस्तर पर पहुंच गया है. स्टीलमिंट ने यह जानकारी देते हुए कहा कि यूरोपीय संघ की मांग बढ़ने और वैश्विक स्तर पर अनुकूल कीमतों की वजह से इस्पात निर्यात का आंकड़ा अच्छा रहा है. शोध कंपनी स्टीलमिंट की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा घरेलू स्तर पर प्रतिस्पर्धी कीमतों ने निर्यात वृद्धि में योगदान दिया है. जनवरी, 2023 में इस्पात का निर्यात 6.7 लाख टन रहा था.

मासिक उपभोक्ता खर्च हुआ दोगुना से अधिक

नयी दिल्ली । देश में परिवारों का प्रति व्यक्ति मासिक घरेलू खर्च 2011-12 की तुलना में 2022-23 में दोगुना से अधिक हो गया है. राष्ट्रीय नमूना सर्वे कार्यालय (एनएसएसओ) के ताजा अध्ययन से यह जानकारी मिली है. शनिवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत एनएसएसओ ने अगस्त, 2022 से जुलाई, 2023 के दौरान परिवारों का उपभोग खर्च सर्वे (एचसीईएस) आयोजित किया.

अफ्रीका के नए बाजारों में बढ़ रहा है निर्यात

नयी दिल्ली । व्यापार को लेकर वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच भारत से वाहनों और सोने के आभूषण जैसे सामानों का निर्यात अफ्रीका, मध्य एशिया, लातिनी अमेरिका और यूरोप के अबतक 'अनछुए' क्षेत्रों में बढ़ रहा है. वाणिज्य मंत्रालय के एक विश्लेषण में यह जानकारी दी गई है. विश्लेषण से पता चला है कि भारत ने अप्रैल-दिसंबर 2023 के दौरान अफ्रीका, मध्य एशिया, लातिनी अमेरिका और उत्तरी अमेरिका जैसे क्षेत्रों के बिल्कुल नए बाजारों में प्रवेश किया है. बिल्कुल नए बाजारों से आशय ऐसे क्षेत्रों से है, जहां भारत ने अप्रैल-दिसंबर, 2022 के दौरान कोई निर्यात नहीं किया था.

कैब कंपनी उबर के सीईओ दारा खोसरोशाही ने गौतम अडाणी से की मुलाकात

अडाणी ने उबर के साथ सहयोग के संकेत दिए

भाष ।नयी दिल्ली

इसमें कोई संदेह नहीं की भारत में कैब का बड़ा बाजार है. जिस तेजी के साथ भारत आगे बढ़ रहा है, उसने विदेशी कारोबारियों के भारत में कारोबार के लिए प्रोत्साहित किया. यही वजह है कि कुछ परेशानी के बाद भी कैब सेवा देने वाली कंपनी उबर भारत में कारोबार को और मजबूत करना चाहती है.

इसके लिए ही उबर के सीईओ दारा खोसरोशाही इन दिनों भारत दौरे पर हैं. इस दौरान उन्होंने भारत के दूसरे सबसे बड़े रईस और अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी से मुलाकात की. अडाणी ने भविष्य में उबर के साथ सहयोग की संभावना के संकेत भी दिए. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अडाणी और दारा ने बातचीत को काफी शानदार बताया. अमेरिका में सैन फ्रांसिस्को की कंपनी उबर के चीफ ने साथ ही भारत में ईवी ट्रांसफॉर्मेशन में तेजी लाने की प्रतिबद्धता का भी जिक्र किया. इससे पहले उन्होंने भारत को सबसे मुश्किल मार्केट बताया था. पिछले साल दिसंबर में खबर आई थी कि अडाणी ग्रुप अपने ग्रीन एनर्जी बिजनस में एक अरब डॉलर निवेश करने की योजना बना रहा है. उबर भी अपने फ्लीट में इलेक्ट्रिक गाड़ियां शामिल कर रही है. इसी महीने कंपनी ने दिल्ली में उबर ग्रीन लॉन्च करने की घोषणा की थी. अडाणी ने एक्स पर एक पोस्ट पर कहा कि उबर के सीईओ दारा खोसरोशाही के साथ बेहद दिलचस्प बातचीत हुई.

भारत में उबर के विस्तार के लिए उनका दृष्टिकोण वास्तव में प्रेरणादायक है. विशेष रूप से भारतीय ड्राइवरों और उनकी गरिमा बढ़ाने के लिए उनकी प्रतिबद्धता. दारा और उनकी टीम के साथ भविष्य में सहयोग के लिए उत्साहित हूं. उबर के सीईओ ने कहा कि उन्होंने बेहद शानदार बातचीत के लिए नाश्ते पर अडाणी ग्रुप के प्रमुख से मुलाकात की. अडाणी ने मुलाकात की तस्वीरें भी पोस्ट कीं, लेकिन दोनों ने यह नहीं बताया कि मुलाकात कहां हुई. तस्वीरों से ऐसा लग रहा है कि यह बैठक अहमदाबाद में अडाणी ग्रुप के मुख्यालय में हुई थी. दारा ने अडानी की पोस्ट का जवाब देते हुए लिखा कि स्वादिष्ट नाश्ते के साथ भारत की अभूतपूर्व वृद्धि और बढ़ती उद्यमशीलता के बारे में गौतम अडाणी के साथ एक बहुत ही शानदार बातचीत हुई. उबर साझा गतिशीलता को बढ़ाने और ईवीएस में बदलाव को तेज करने के लिए प्रतिबद्ध है. हम अपनी साझेदारी को अगले स्तर पर ले जाने के लिए तत्पर हैं. उबर के सीईओ इस सप्ताह की शुरुआत में भारत पहुंचे थे. अडाणी ग्रुप का बिजनस पोर्ट, एयरपोर्ट, इन्फ्रा, सीमेंट और ग्रीन एनर्जी समेत कई क्षेत्रों में फैला हुआ है.

इसे देखते हुए वे अडाणी के साथ हाथ मिलाएं तो कोई बड़ी बात नहीं होगी. वैसे उबर ने भारत में कारोबार बढ़ाने को लेकर कदम बढ़ाना शुरू कर दिया है. तीन दिन पहले ही उबर ने भारत के ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) के साथ एमओयू साइन किया था. कंपनी ओएनडीसी की मदद से उबर एप पर ज्यादा से ज्यादा मोबिलिटी ऑफर देना चाहती है. ओएनडीसी के साथ मिलकु उबर ज्यादा सुरक्षित एवं सस्ती राइड सेवाएं दे सकेगी. भारत सरकार के डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटर्नल ट्रेड ने ओएनडीसी को एक नॉन प्रॉफिट प्राइवेट आर्गनाईजेशन के तौर पर बनाया है.

बनेगी बात
- उबर अपने फ्लीट में ईवी शामिल कर रही है
- उबर ने दिल्ली में उबर ग्रीन लॉन्च करने की घोषणा की थी

महिंद्रा होलिडेज करेगी 4500 करोड़ का निवेश

नयी दिल्ली । महिंद्रा होलिडेज एंड रिजॉर्ट्स इंडिया लिमिटेड (एमएचआरआईएल) ने अपनी कमरों की संख्या दोगुनी कर 10,000 करने के लिए अगले तीन से चार साल में 4,500 करोड़ रुपये तक का निवेश करने की योजना बनाई है. कंपनी के प्रबंध निदेशक और सीईओ कविंदर सिंह ने कहा कि कंपनी वित्त वर्ष 2029-2030 तक कमरों की संख्या 5,000 से बढ़ाकर 10,000 तक करने के लिए नए रिजॉर्ट बनाने के अलावा राज्य सरकारों के साथ सक्रिय रूप से साझेदारी कर रही है.

फरवरी में चलन में मुद्रा की वृद्धि घटकर 3.7%

मुंबई । आरबीआई के 2,000 के बैंक नोट को चलन से हटाने का प्रभाव दिखने लगा है. आंकड़ों के अनुसार, नौ फरवरी को समाप्त सप्ताह में चलन में मुद्रा की वृद्धि एक साल पहले के 8.2 प्रतिशत से घटकर 3.7 प्रतिशत रह गई है. चलन में मुद्रा (सीआईसी) से तात्पर्य प्रचलन में मौजूद नोटों और सिक्कों से है. वहीं जनता के पास मौजूद मुद्रा से तात्पर्य बैंकों के पास जमा नकदी को घटाकर प्रचलन में मौजूदा नोटों और सिक्कों से होता है. आरबीआई के अनुसार, वाणिज्यिक बैंकों के पास जमा में जनवरी में दो अंक में वृद्धि हुई है.

यात्री वाहन उद्योग की वृद्धि पांच प्रतिशत से कम रहेगी

एजेंसी ।नयी दिल्ली

घरेलू यात्रा वाहन उद्योग की वृद्धि अगले वित्त वर्ष में घटकर पांच प्रतिशत से नीचे आने की संभावना है. टाटा मोटर्स पैसेंजर वेहिकल्स के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने यह बात कही है. हालांकि, कंपनी को भरोसा है कि देश में चार्जिंग बुनियादी ढांचे के विकास की धीमी गति के बावजूद इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री बढ़ेगी. चंद्रा ने विश्लेषक कॉल में कहा कि हमने वित्त वर्ष 2022-23 में 25 प्रतिशत की बहुत मजबूत वृद्धि दर्ज की थी, इसके 2023-24 में इसके घटकर आठ प्रतिशत पर आने की आशंका है. यह वृद्धि ऊंचे आधार प्रभाव की वजह से इस स्तर पर आएगी. ऐसे में 2024-25 कुछ अधिक चुनौतीपूर्ण होगा और वृद्धि घटकर पांच प्रतिशत से कम रह जाएगी. उन्होंने आगे कहा कि जहां तक ईवी का सवाल है, मुझे लगता है कि यहां सबसे बड़ी चुनौती चार्जिंग ढांचे की कमी है. जिस तेजी से ईवी की स्वीकार्यता बढ़ रही है, चार्जिंग ढांचा उतनी तेजी से नहीं बढ़ पा रहा है.

431 परियोजनाओं की लागत 4.80 लाख करोड़ रुपये बढ़ी

एजेंसी ।नयी दिल्ली

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक के खर्च वाली 431 परियोजनाओं की लागत जनवरी, 2024 तक तय अनुमान से 4.80 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा बढ़ गई है. रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी और अन्य कारणों से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है. सांख्यिकी मंत्रालय 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है. मंत्रालय की जनवरी, 2024 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,821 परियोजनाओं में से 431 की लागत बढ़ गई है, जबकि 780 अन्य परियोजनाएं देरी से चल रही हैं. रिपोर्ट के अनुसार इन 1,821 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 26,09,679.38 करोड़ रुपये थी लेकिन अब इसके बढ़कर 30,90,135.99 करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान है.

निवेश | जून 2017 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 25,685 करोड़ रुपये का निवेश किया था

एफपीआई ने भारतीय बाजार में डाले 18500 करोड़ रु.

भाषा ।नयी दिल्ली

भारत सरकार के बॉन्ड को जेपी मॉर्गन सूचकांक में शामिल करने के फैसले की वजह से देश के ऋण या बॉन्ड बाजार को लेकर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का रुझान मजबूत बना हुआ है. इस महीने अबतक एफपीआई ने भारतीय बॉन्ड बाजार में 18,500 करोड़ रुपये डाले हैं. इससे पहले जनवरी में एफपीआई ने भारतीय बॉन्ड बाजार में शुद्ध रूप से 19,836 करोड़ रुपये से अधिक डाले थे.

यह पिछले छह साल में किसी एक माह में उनके निवेश का सबसे ऊंचा आंकड़ा है. इससे पहले जून, 2017 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने बॉन्ड बाजार में 25,685 करोड़ रुपये का निवेश किया था. फिडेलफोलियो के संस्थापक एवं स्मॉलकेस प्रबंधक किस्लय उपाध्याय ने कहा कि इस वर्ष वैश्विक बॉन्ड सूचकांकों में भारत के प्रवेश के साथ आगे चलकर भारतीय ऋण बाजार में प्रवाह स्थिर रहेगा. इसके अलावा इस वर्ष जून में जेपी मॉर्गन सूचकांक में भारत सरकार के बॉन्ड के शामिल होने से पहले भी गतिविधियों में तेजी देखने को मिल सकती हैं. डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इस महीने अबतक एफपीआई ने शेयरों से शुद्ध रूप से 424 करोड़ रुपये निकाले हैं. इससे पहले जनवरी में उन्होंने शेयरों से 25,743 करोड़ रुपये की भारी निकासी की थी.

आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने इस महीने (23 फरवरी तक) ऋण बाजार में 18,589 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है. इसके साथ, 2024 में एफपीआई का बॉन्ड बाजार में कुल निवेश 38,426 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है. वे पिछले कुछ महीनों से बॉन्ड बाजार में पैसा लगा रहे हैं. एफपीआई ने दिसंबर में बॉन्ड बाजार में 18,302 करोड़ रुपये, नवंबर में 14,860 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 6,381 करोड़ रुपये का निवेश किया था. जनवरी में एफपीआई ने शेयरों से 424 करोड़ रुपये की निकासी की है. यह आंकड़ा जनवरी में हुई 25,744 करोड़ रुपये की निकासी की तुलना में काफी कम है. जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि अमेरिका में बॉन्ड पर आकर्षक प्रतिफल के बावजूद घरेलू बाजारों की मजबूती की वजह से एफपीआई आक्रामक बिकवाली नहीं कर रहे हैं. कुल मिलाकर, 2023 के लिए शेयरों में एफपीआई प्रवाह 1.71 लाख करोड़ रुपये और ऋण बाजार में 68,663 करोड़ रुपये रहा था. इस तरह पिछले साल पूंजी बाजार में उनका कुल निवेश 2.4 लाख करोड़ रुपये रहा था.

आठ कंपनियों का मार्केट कैप 1.10 लाख करोड़ रुपया बढ़ा

एजेंसी । नयी दिल्ली

सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह 1,10,106.83 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ. सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) रही. पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 716.16 अंक या 0.97 प्रतिशत के लाभ में रहा.

बीते सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई. वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस की बाजार हैसियत सामूहिक रूप से 38,477.49 करोड़ रुपये घट गई. समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 43,976.96 करोड़ रुपये बढ़कर 20,20,470.88 करोड़ रुपये हो गया. शुक्रवार को तेल से लेकर दूरसंचार क्षेत्र में कार्यरत समूह का शेयर अपने 52 सप्ताह के नए उच्चस्तर 2,996.15 रुपये पर पहुंच गया. सप्ताह के दौरान आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 27,012.47 करोड़ रुपये बढ़कर 7,44,808.72 करोड़ रुपये हो गया. वहीं एलआईसी की बाजार हैसियत 17,235.62 करोड़ रुपये बढ़कर 6,74,655.88 करोड़ रुपये हो गई. आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 8,548.19 करोड़ बढ़कर 5,13,640.37 करोड़ पर पहुंच गया.

गांधीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2.32 किमी देश के सबसे लंबे केबल ब्रिज 'सुदर्शन सेतु' का उद्घाटन किया है. गुजरात के द्वारका जिले में 980 करोड़ की लागत से 'सुदर्शन सेतु' बनाया गया है, जो यह पुल ओखा और बेट द्वारका द्वीप को जोड़ेगी. अब पर्यटकों व श्रद्धालुओं को बेट द्वारकाधीश मंदिर जाने में आसानी होगी. इसके पहले लोगों को यहां नाव से जाना पड़ता था. इस पुल का शिलान्यास पीएम ने अक्टूबर साल 2017 में किया था. 'सुदर्शन सेतु' के उद्घाटन से पहले पीएम मोदी ने बेट द्वारका मंदिर में पूजा-अर्चना की है. पुल के उद्घाटन से पहले पीएम ने एक्स पर लिखा कि कल गुजरात के विकास पथ के लिए एक विशेष दिन है. उद्घाटन की जा रही कई परियोजनाओं में ओखा मुख्य भूमि और बेट द्वारका को जोड़ने वाला सुदर्शन सेतु भी शामिल है. यह एक आश्चर्यजनक परियोजना है, जो कनेक्टिविटी को बढ़ायेगी.

देश के सबसे लंबे केबल ब्रिज 'सुदर्शन सेतु' का शुभारंभ

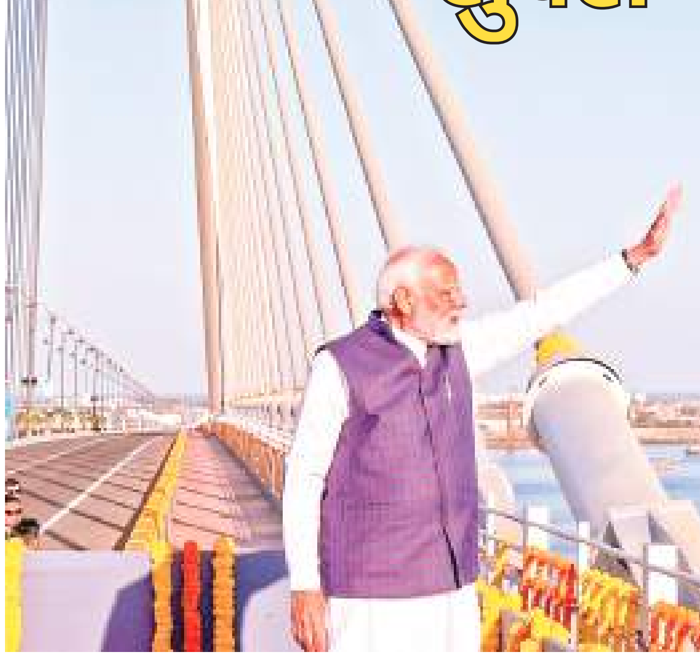

पीएम मोदी ने किया उद्घाटन

भारत का सबसे लंबा केबल सपोर्ट पुल है 'सुदर्शन सेतु'

'सुदर्शन सेतु' पुल भारत का सबसे लंबा केबल सपोर्ट पुल है. इसके फुटपाथ के ऊपरी हिस्से में सौर पैनल लगे हैं. इन सोलर पैनल से 1 मेगावाट की बिजली पैदा होगी. 'सुदर्शन सेतु' पुल फोरलेन है. इसके दोनों तरफ 2.50 मीटर चौड़ा फुटपाथ बनाया गया है. इस पुल पर शानदार कलाकृति की गयी है. पुल के दोनों तरफ बने फुटपाथ को भगवत गीता के श्लोकों और भगवान श्री कृष्ण की छवियों से सजाया गया है, जो पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र होगा.

पीएम ने गुजरात के द्वारका में द्वारकाधीश मंदिर में पूजा की

पीएम नरेंद्र मोदी मंदिर में पूजा करने के साथ ही लोगों के अभिवादन स्वीकार किये

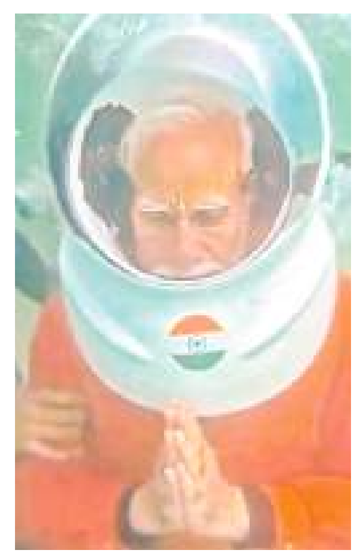

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के द्वारका में उस स्थान पर पानी के भीतर पूजा की, जहां द्वारका शहर डूबा हुआ है.

पीएम ने गुजरात के द्वारका में शंकराचार्य मठ शारदापीठ में द्वारका शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी से आशीर्वाद लिये.

मन की बात : पीएम नरेंद्र मोदी ने देश के युवा मतदाताओं से की अपील

रिकार्ड संख्या में वोट डालें युवा वोटर

बोले पीएम

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात में कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मन की बात का प्रसारण अगले तीन महीने नहीं होगा. इसके बाद आकाशवाणी के इस मासिक रेडियो कार्यक्रम की 111वीं कड़ी में वह नयी ऊर्जा के साथ लोगों से मिलेंगे. कार्यक्रम की110वीं कड़ी में मोदी ने मार्च में आदर्श चुनाव आचार संहिता (एमसीसी) लागू होने की संभावना जताते हुए पहली बार मतदान के पात्र युवाओं से रिकार्ड संख्या में मतदान

की अपील की. निर्वाचन आयोग के एमसीसी दिशानिर्देश सरकारों पर आधिकारिक कार्यक्रमों या सार्वजनिक-वित्त पोषित मंचों का उपयोग किसी ऐसी चीज के लिए करने पर रोक लगाती है जिनसे सत्तारूढ़ पार्टी का प्रचार हो या राजनीतिक लाभ मिले.

मन की बात में देश की बात होती है

उन्होंने कहा, मन की बात में देश की सामूहिक शक्ति की बात होती है, देश की उपलब्धि की बात होती है. यह एक तरह से जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा तैयार होने वाला कार्यक्रम है.' उन्होंने कहा, लेकिन फिर भी राजनीतिक मर्यादा का पालन करते हुए लोकसभा चुनाव के इन दिनों में अब अगले तीन महीने 'मन की बात' का प्रसारण नहीं होगा. प्रधानमंत्री ने कहा कि तीन महीने बाद इस कार्यक्रम की 111वीं कड़ी का प्रसारण होगा. उन्होंने कहा, अगली बार 'मन की बात' की शुरुआत 111 के शुभ अंक से हो तो इससे अच्छा भला क्या होगा.

याद रखिएगा मेरा पहला वोट देश के लिए

आम चुनावों की इस हलचल के बीच आप युवा न केवल, राजनीतिक गतिविधियों का हिस्सा बनिए, बल्कि इस दौरान चर्चा और बहस को लेकर भी जागरूक बने रहिए. और याद रखिएगा मेरा पहला वोट देश के लिए. प्रधानमंत्री ने देश व समाज को प्रभावित करने वाले विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों से भी आग्रह किया कि वे पहली बार मतदान के पात्र युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करें.

देश की उपलब्धियां नहीं रुकेंगी

मोदी ने कहा कि इस लोकप्रिय कार्यक्रम का प्रसारण भले ही तीन महीने के लिए रुक रहा है, लेकिन देश की उपलब्धियां नहीं रुकेंगी. उन्होंने लोगों से समाज और देश की उपलब्धियों को मन की बात हैशटैग के साथ सोशल मीडिया पर साझा करते रहने की अपील की. उन्होंने कहा, जब अगली बार आपसे संवाद होगा तो फिर, नयी ऊर्जा, नयी जानकारियों के साथ आपसे मिलूंगा.

भारत क युवा शक्ति पर गर्व है

उन्होंने कहा, भारत को, जोश और ऊर्जा से भरी अपनी युवा शक्ति पर गर्व है. हमारे युवा-साथी चुनावी प्रक्रिया में जितनी अधिक भागीदारी करेंगे, इसके नतीजे देश के लिए उतने ही लाभकारी होंगे. मैं भी पहली बार मतदान करने जा रहे युवाओं से आग्रह करूंगा कि वे रिकार्ड संख्या में मतदान करें.

ब्रीफ खबरें

पाकिस्तान में 9 तक होंगे राष्ट्रपति चुनाव

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आम चुनाव के बाद लगे धांधली के आरोपों के बीच अब नौ मार्च तक नए राष्ट्रपति का चुनाव होने की उम्मीद की जा रही है. 'डॉन' समाचार पत्र ने सूत्रों के हवाले से बताया कि ईसीपी संसद के उच्च सदन सीनेट के आधे सांसदों का छह साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद उनकी सेवानिवृत्ति से दो दिन पहले नौ मार्च तक देश के राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कराने के लिए तैयार है.

इमारत में आग लगने एक भारतीय की मौत

न्यूयॉर्क। अमेरिका के मैनहेटन में एक आवासीय इमारत में आग लगने से यहां पत्रकार के तौर पर काम करने वाले 27 वर्षीय भारतीय नागरिक की मौत हो गई. मैनहेटन के हार्लेम में 2, सेंट निकोलस पैलेस पर छह मंजिला रिहाइशी इमारत में लगी आग में फाजिल खान की मौत हो गई व 17 अन्य लोग घायल हो गए. अग्निशमन विभाग ने कहा कि आग लिथियम-आयन बैटरी के कारण लगी.

पटाखा फैक्टरी में आग लगने से चार की मौत

कौशांबी। कौशांबी जिले के महेवा गांव में रविवार को पटाखा फैक्टरी में आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई और कम से कम 16 लोग झुलस गए. पुलिस के अनुसार कोखराज थाना क्षेत्र के महेवा गांव में एक पटाखा फैक्टरी में दोपहर लगभग 12 बजे आग लग गयी, जिससे चार लोगों की मौत हो गई.

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार बरामद

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने चुराचांदपुर जिले के दो गांवों में तलाशी अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद किया है. पुलिस ने कहा कि सुरक्षा बलों ने डी हाओलेनजंग गांव के बाहरी इलाके से चार अग्नेयास्त्र बरामद किये.

सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए

भाषा। कांकेर

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में रविवार सुबह तीन नक्सली मारे गए. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी. कांकेर के पुलिस अधीक्षक इंदिरा कल्याण एलिसेला ने बताया कि सुरक्षा कर्मियों की एक संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर थी, तभी कोयलीबेड़ा थाना क्षेत्र के तहत भोमरा-हुरतराई गांवों के बीच एक पहाड़ी पर सुबह करीब आठ बजे मुठभेड़ हुई.

उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों को भोमरा, हुरतराई और मिच्छेबेड़ा गांवों में माओवादियों की कंपनी नंबर 5 के कैडर की मौजूदगी की जानकारी मिली थी. अधिकारी ने बताया कि जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और सीमा सुरक्षा बल की 30वीं बटालियन का संयुक्त दल शनिवार रात को इलाके में भेजा गया था. उन्होंने कहा कि इस दौरान मुठभेड़ शुरू हो गई और कुछ देर गोलीबारी के बाद नक्सली मौके से भाग गए. उन्होंने बताया कि मौके से तीन नक्सलियों के शव और कुछ हथियार बरामद किए गए हैं.

खास बातें

- छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में हुई मुठभेड़ की घटना
- माओवादियों से संबंधित कुछ सामग्री भी जब्त की गई

डाविने ने जीता सर्वश्रेष्ठ सहायक महिला अभिनेता का पुरस्कार

लॉस एंजिलिस। डाविने जॉय रैंडोल्फ ने 30वें 'स्क्रीन एक्टर्स गिल्ड (एसएजी) अवार्ड' में सर्वश्रेष्ठ सहायक महिला अभिनेता का पुरस्कार जीता है. अलेक्जेंडर पायने के 'द होल्डओवर्स' में रैंडोल्फ (37) के अभिनय ने उन्हें नयी ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है और इससे प्रतीत होता है कि वह 'ऑस्कर पुरस्कार' भी जीत सकती हैं. रैंडोल्फ ने पुरस्कार जीतने के बाद कहा कि वे सभी अभिनेता जो एक मौका मिलने का इंतजार कर रहे हैं, मैं उनसे कहना चाहूंगी कि आपकी जिंदगी एक दिन में बदल सकती है. कहा कि बस प्रयास करते रहिए. 'स्क्रीन एक्टर्स गिल्ड अवार्ड' का 30वां संस्करण शनिवार को आयोजित किया गया. नेटफ्लिक्स पर पहली बार इसका सीधा प्रसारण हुआ.

कोलकाता में झुग्गियों में लगी आग, कोई हताहत नहीं

भाषा। कोलकाता

कोलकाता के दक्षिणपूर्वी हिस्से में आनंदपुर इलाके की झोपड़ियों में रविवार को भीषण आग लग गई. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि किसी के हताहत होने या झोपड़ियों में किसी के फंसे होने की कोई खबर नहीं मिली है. अग्निशमन विभाग के अधिकारी ने कहा कि पूर्वाह्न करीब 10:30 बजे लगी आग बुझाने के लिए दमकल की 11 गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया और एक घंटे के अभियान के बाद इसपर काबू पा लिया गया. अधिकारी ने कहा कि हमारे लोग अब भी घटनास्थल पर हैं. आग लगने से पैदा हुई तपिश कम करने का अभियान जारी है. एक निजी अस्पताल के पास के इलाके की घेराबंदी की गई है. अधिकारी ने कहा कि हमारे लोग आग बुझाने में जुटे हैं और इसे आसपास के इलाकों में फैलने से रोक लिया गया है.

स्थानीय निवासियों ने दावा किया कि उन्होंने घटनास्थल से रसोई गैस सिलेंडर फटने की आवाज सुनी थी. अधिकारी ने बताया कि सबसे पहले उस झोपड़ी में लगी जिसमें खाने-पीने के सामान की बिक्री की जाती थी. इसके बाद आग बगल की झुग्गियों तक फैल गई. उन्होंने बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि आग रसोई गैस सिलेंडर में धमाके के कारण लगी है. लोगों ने कहा कि झोपड़ियों में रहने वाले लगभग 50 परिवारों ने पाया कि आग में उनका सारा सामान जलकर खाक हो गया.

न्यूज अपडेट

कम छात्र वाले कॉलेज में भर्ती नहीं होंगे शिक्षक

गुवाहाटी। असम के शिक्षा मंत्री रानोज पेगू ने कहा कि जिन महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के दाखिले कम हैं, सरकार उनमें शिक्षकों की भर्ती पर रोक लगाने और वैसे महाविद्यालयों अथवा उनके कुछ विभागों के विलय की योजना बना रही है. शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार वैसे विद्यालयों के एकीकरण की मौजूदा नीति के अनुरूप उच्च शिक्षा संस्थानों के विलय के कदम पर विचार कर रही है, जहां छात्र पंजीकरण कम है. उन्होंने 'एक्स' पर कहा कि उच्च शिक्षा विभाग ने शनिवार शाम 500 से कम पंजीकरण वाले 79 कॉलेज के प्राचार्यों और 'गवर्निंग बॉडी अध्यक्षों' के साथ बैठक की.

ईडी ने हीरानंदानी समूह के प्रवर्तकों को किया तलब

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन मामले में मुंबई स्थित प्रतिष्ठित रियल एस्टेट डेवलपर हीरानंदानी समूह के प्रवर्तकों निरंजन हीरानंदानी और उनके बेटे दर्शन हीरानंदानी को पूछताछ के लिए 26 फरवरी को तलब किया है. आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी. सूत्रों ने बताया कि निरंजन एवं दर्शन हीरानंदानी को केंद्रीय एजेंसी के मुंबई स्थित कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा गया है, लेकिन वे एक अधिकृत प्रतिनिधि के जरिये अपनी प्राथमिक प्रतिक्रिया देने का विकल्प चुन सकते हैं. दर्शन हीरानंदानी पिछले कई सालों से दुबई में रह रहे हैं.

अमेरिका ने हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर किये हमले

वाशिंगटन। अमेरिका और ब्रिटेन ने यमन में हूती विद्रोहियों के 18 ठिकानों पर शनिवार को हमले किए. ईरान समर्थित स्थानीय लड़ाकों के लाल सागर और अदन की खाड़ी में पोतों पर हाल में बढ़ते हमलों के जवाब में ये हमले किए गए हैं. हूती विद्रोहियों ने पिछले सप्ताह एक मिसाइल हमला किया था जिसके कारण एक मालवाहक पोत में आग लग गई थी. अमेरिकी अधिकारियों ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि अमेरिका और ब्रिटेन के लड़ाकू विमानों ने मिसाइल, लॉन्चर, रॉकेट, ड्रोन और हवाई रक्षा प्रणालियों को निशाना बनाते हुए आठ स्थानों पर हमले किए.

साउथ कैरोलाइना प्राइमरी चुनाव के लिए हुआ मतदान

चार्ल्सटन (साउथ कैरोलाइना)। अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार चुनने की प्रक्रिया के तहत साउथ कैरोलाइना प्राइमरी चुनाव के लिए शनिवार को मतदान हुआ जिसके कुछ ही मिनट बाद अमेरिकी मीडिया संस्थानों ने अनुमान जताया कि इस प्राइमरी में भी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी प्रतिद्वंद्वी एवं अमेरिकी राजदूत निक्की हेली को हराकर विजयी रहेंगे. ट्रंप इससे पहले आयोवा, न्यू हैम्पशायर और नेवादा के प्राइमरी चुनाव भी जीत चुके हैं लेकिन साउथ कैरोलाइना की जीत ट्रंप के लिए विशेष महत्व रखती है क्योंकि हेली दो बार यहां की गवर्नर रह चुकी हैं. बताया जाता है कि इस जीत के साथ ही ट्रंप को सभी 29 डेलीगेट का समर्थन मिल जाएगा.

सिविल सोसाइटी फाइंडिंग कमेटी के 6 सदस्य गिरफ्तार

कोलकाता। मानवाधिकार उल्लंघन के आरोपों की जांच के लिए पश्चिम बंगाल के संदेशखाली जा रही सिविल सोसायटी फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के छह सदस्यों को पश्चिम बंगाल पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया. खबरों के अनुसार संदेशखाली से 70 किलोमीटर पहले धामखाली में टीम को रोक लिया गया था. रोके जाने के बाद फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के सदस्यों ने मौके पर धरना प्रदर्शन शुरू किया. सदस्यों ने आरोप लगाया कि राज्य की टीएमसी सरकार संदेशखाली की सच्चाई छिपाना चाहती है, इसलिए उसके इशारे पर पुलिस ने उन्हें रोक दिया. धरना प्रदर्शन कर रहे फाइंडिंग कमेटी के सदस्य संदेशखाली जाने के लिए अड़े हुए थे. अंततः पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया.

तैयार आगरा पहुंची न्याय यात्रा में प्रियंका गांधी भी रहीं शामिल

मंच पर फिर साथ आए राहुल गांधी व अखिलेश यादव

एजेंसी। आगरा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा रविवार को यूपी के आगरा पहुंच गई. ताजनगरी में पहुंची न्याय यात्रा में सपा के मुखिया अखिलेश यादव भी शामिल हुए. इस दौरान प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं. इस दौरान अपने नेताओं को सुनने के लिए पूरा आगरा शहर उमड़ पड़ा. जनसैलाब ने पूरी फिजां ही बदल दी.

लोगों ने जगह-जगह फूल बरसाए, दिल खोल कर स्वागत किया. न्याय यात्रा रविवार को देर शाम राजस्थान में प्रवेश कर गयी. राहुल गांधी ने इस दौरान यूपी के लोगों का समर्थन के लिए आभार भी जताया.राहुल गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा नफरत फैलाने का काम करती है. हम इस नफरत को मोहब्बत से हटाएंगे. देश में अन्याय बढ़ रहा है. कांग्रेस सांसद ने कहा कि अगर आप गरीब हैं, तो आपको इस देश में 24

घंटे अन्याय का सामना करना पड़ेगा. नफरत की वजह अन्याय है, इसलिए हमने अपनी यात्रा में न्याय शब्द जोड़ा है. अखिलेश यादव ने कहा कि हमारा एक ही संदेश है, भाजपा हटाओ, देश बचाओ, संकट हटाओ.

उन्होंने कहा कि हम जय जवान, जय किसान का नारा लगाते हैं. लेकिन भाजपा के लोग भारत माता की जय बोलने से थकते नहीं हैं. उन्होंने कहा कि सोचो जिस देश का किसान दुखी है. अखिलेश यादव ने कहा कि आगरा शहर दुनिया में जाना जाता है. मुझे इस बात की खुशी है कि राहुल गांधी मोहब्बत की दुकान को लेकर चले हैं और यह पूरा शहर मोहब्बत का शहर है. जितनी मोहब्बत भर सकते हैं, भरकर ले जाइए और पूरी यात्रा में बांटते चले जाइए. अखिलेश ने कहा कि आने वाले समय में लोकतंत्र को बचाने की चुनौती है. संविधान बचाने की चुनौती है. भीमराव आंबेडकर ने जो सपना देखा था, गरीब- पिछड़ों को सम्मान मिलना चाहिए. पहले जो सम्मान मिल भी रहा था.

गरीबों, युवाओं और महिलाओं के साथ अन्याय हो रहा है

एजेंसी। अलीगढ़

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि भारतीय बाजारों में चीन निर्मित वस्तुओं की बाढ़ आने से स्वदेशी लघु, कुटीर उद्योग और कारीगर बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं. बता दें कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पूर्वाह्न मुरादाबाद से संभल होते हुए अलीगढ़ पहुंची, जहां उनके साथ कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी भी नजर आयीं. विपक्षी गुट इंडिया के घटक दल सपा के कार्यकर्ता और समर्थक भी इस यात्रा में शामिल हुए. कांग्रेस नेता ने ताला उद्योग के गढ़ अलीगढ़ में चीन निर्मित सामानों की बिक्री का मसला उठाया और स्थानीय कारीगरों के समक्ष पेश आ रही परेशानियों का जिक्र किया. कांग्रेस की राज्य इकाई ने अपने आधिकारिक हैंडल पर राहुल और प्रियंका की यात्रा का वीडियो साझा किया. वीडियो में कहा गया,जननायक (राहुल गांधी) और लोक नेत्री (प्रियंका गांधी) के साथ एकता, भाईचारा और सद्भाव का संदेश देती भारत जोड़ो न्याय यात्रा. यह जनसैलाब आने वाली पीढ़ियों को संदेश देगा कि जब कोई तानाशाह देश की अखंडता, संप्रभुता और संविधान को खत्म करने पर आमादा था तो हमने उसे इस यात्रा के माध्यम से रोकने का काम किया था.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)